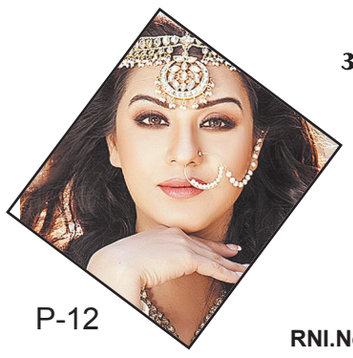
P-12

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

P-12

RNI.No. : DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

Email.timesofpedia@gmail.com

वर्ष : 14 | अंक : 7 | नई दिल्ली, मंगलवार, 7 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 012 | मूल्य 2./-

महाकुंभ वाले आईआईटी बाबा अभय सिंह ने की शादी

▶ पत्नी संग पहुंचे झज्जर, परिवार भी था इससे अनजान

झज्जर (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ में आईआईटी बाबा के नाम से चर्चा में आए अभय सिंह बैंक खाते की केवाइसी अपडेट करवाने के लिए अपनी पत्नी प्रीतिका के साथ सोमवार को झज्जर तहसील में पहुंचे। तहसील परिसर में वह अपने एडवोकेट पिता के चैंबर में कुछ देर रुके, जहां मीडिया से रूबरू हुए। चैंबर के बाहर अभय सिंह के साथ सेल्फी लेने वालों की भीड़ लग गई। कई लोगों ने उनके साथ पुरानी यादें भी ताजा कीं। अभय सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी प्रीतिका बेंगलुरु की रहने वाली हैं। दोनों एक ही विजन पर साथ काम कर रहे हैं। माता-पिता से मिलने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं उनसे जरूर मिलूंगा, लेकिन बड़े परिवार के लिए छोटे परिवार को छोड़ना पड़ता है। अभय सिंह ने बताया कि वे श्रीयूनिवर्सिटी बनाने पर काम कर रहे हैं। इस यूनिवर्सिटी में सांसारिक ज्ञान के साथ-साथ आध्यात्मिक साधना और विभिन्न प्रकार की साधनाओं को जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, ज्ञान को कम्बाइन किया जाएगा। यहां सिखाने वाला ज्ञान और साधना वाला ज्ञान दोनों पर काम होगा।

ईरान बोला: होर्मुज की चाबी खो गई

● ट्रम्प ने कहा था: इसे खोलो वरना नरक बना दूंगा

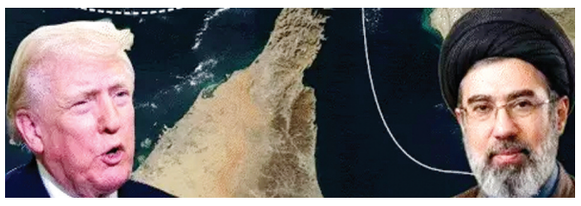

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के धमकी पर जिम्बाब्वे स्थित ईरानी दूतावास ने तंज भरे अंदाज में जवाब दिया है। दूतावास ने कहा कि ह्यहोर्मुज स्ट्रेट की चाबी खो गई है। दरअसल, ट्रम्प ने ईरान को अल्टीमेटम दिया है कि वह इस समुद्री रास्ते को तुरंत खोल दे, नहीं तो उसे गंभीर सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उसके पावर प्लांट और पुलों हमला होगा और ईरान को नरक बना दिए जाएगा। ईरान के कुछ अन्य दूतावासों ने भी सोशल मीडिया पर ट्रम्प का मजाक उड़ाया है। दक्षिण अफ्रीका में मौजूद ईरानी दूतावास ने तंज करते हुए कहा कि 'चाबी फूलदान के नीचे है, दोस्तों के लिए रास्ता खुला है।' वहीं इस जंग को रोकने पर आज सहमति बन सकती है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक पाकिस्तान ने दोनों देशों को सीजफायर का प्रस्ताव सौंपा है। पाकिस्तान ने इस डील को अस्थायी तौर पर इस्लामाबाद अकॉर्ड नाम दिया है, जिसे दो हिस्सों में बांटा गया है। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल के हमले बढ़े तो वह ग्लोबल सप्लाई चेन को ठप कर देगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कहा है कि वह होर्मुज के अलावा दूसरे समुद्री रास्तों को भी निशाना बना सकता है।

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में भारी चूक

वीआईपी गेट का बैरियर तोड़ घुसी कार, परिसर में एक गुलदस्ता रखकर भागा नकाबपोश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में सोमवार को सुरक्षा में चूक का बड़ा मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश नंबर की एक सफेद रंग की कार गेट पर लगे बैरियर तोड़कर विधानसभा परिसर में घुस गई। अधिकारियों के मुताबिक, कार के अंदर से एक नकाबपोश शख्स नीचे उतरा और एक गुलदस्ता विधानसभा परिसर में रखकर वापस लौट गया।

इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा दिए हैं। बताया जा रहा है यह घटना विधानसभा के गेट नंबर दो पर हुई है। पुलिस ने

मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की है।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश नंबर की कार दोपहर करीब दो बजे गेट नंबर-2 को तोड़ते हुए विधानसभा परिसर में प्रवेश कर गई। दिल्ली सचिवालय के एक अधिकारी ने कहा, ह्यकार चालक विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर गया और पोर्च के पास फूलों का एक गुलदस्ता रखकर वापस लौट गया।ह्व इस घटना ने गंभीर सुरक्षा चिंताएं पैदा कर दी हैं और अधिकारी इसे संभावित ह्यसुरक्षा उल्लंघनह्व के रूप में देख रहे हैं। यह घटना हाल ही में संपन्न बजट सत्र के दौरान

विधानसभा को मिले बम धमकी भरे संदेशों के बाद सामने आई है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, विधानसभा के गेट नंबर-2 यानी कि वीआईपी गेट से एक कर घुसी। इसी गेट से वीआईपी का आना-जाना होता है।

20 अगस्त 2025: दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता पर हमला हुआ था

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर 20 अगस्त 2025 की सुबह जनसुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता पर हमला हुआ था। शिकायतकर्ता बनकर पहुंचे आरोपी ने सीएम को कागज देते समय उनका हाथ खींचा था। आरोपी ने उनके बाल खींचे और फिर थप्पड़ मारा था। हमले में रेखा के हाथ-कंधे, सिर पर चोटें आई थीं। आरोपी का नाम राजेशभाई खीमजी था। गुजरात के राजकोट का रहने वाला था। उसे तुरंत ही गिरफ्तार कर लिया गया था। राजेश पर गुजरात में भी चाकूबाजी समेत 5 केस पहले से दर्ज थे। हालांकि, गिरफ्तारी के दौरान उसके पास कोई हथियार नहीं मिला था।

बीजेपी का स्थापना दिवस, मोदी बोले-भाजपा हर चुनौती को तैयार

योगी ने पार्टी के झंडे के साथ सेल्फी ली, एमपी में 17 नए कार्यालयों का भूमिपूजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी इखढ आज 2026 में अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है। स्थापना दिवस को लेकर देशभर में BJP कार्यालयों में कई कार्यक्रम हुए। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, 'देश जानता है, हर चुनौती का सामना करने के लिए इखढ ईमानदारी से कोशिश कर रही है, आगे भी करेगी। पहले भी सकारात्मक नतीजे मिले हैं और आगे भी मिलेंगे।' उन्होंने वीडियो मैसेज में कहा, अंग्रेजों के दौर के सैकड़ों काले कानूनों का अंत, लोकतंत्र के लिए नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य समाज के गरीबों के लिए 10% आरक्षण, कानून बनाकर तीन तलाक पर रोक, सीएए, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण। ऐसे कितने ही काम हैं, जो भाजपा के ईमानदार प्रयासों का नतीजा है। हमारा मिशन अभी भी

जारी है। उत्तर प्रदेश में CM योगी आदित्य नाथ ने पार्टी के झंडे के साथ सेल्फी ली। मध्य प्रदेश में आज 17 नए कार्यालयों का भूमिपूजन किया जा रहा है। अमित शाह ने लिखा- भाजपा का मूल मंत्र हमेशा स्पष्ट रहा है, नेशनल फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट, सेल्फ लास्ट। इसी मूल भावना के साथ भाजपा का हर कार्यकर्ता दिन-रात राष्ट्र-सेवा में समर्पित है। भाजपा ने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने के साथ देश को तुष्टीकरण से मुक्त, सुशासन, पारदर्शिता को स्थापित करने का कार्य किया है। आज भाजपा केवल एक पार्टी नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के सपनों और आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बन चुकी है।

अब तक भाजपा के 2 प्रधानमंत्री

भाजपा की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी। लेकिन इसकी नींव 1951 में बने भारतीय जनसंघ के दौरान पड़ी। इसकी स्थापना श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय ने की थी। 1975झ77 में इमरजेंसी के बाद जनसंघ समेत कई दल मिलकर जनता पार्टी में शामिल हुए, लेकिन मतभेदों के कारण 1980 में अलग हो गए। इसके बाद भाजपा का गठन हुआ। स्थापना के बाद से इखढ के दो प्रधानमंत्री रहे हैं- नरेंद्र मोदी और अटल बिहारी वाजपेयी। 1996, 1998 और 1999 के लोकसभा चुनावों में, पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। 2019 के लोकसभा चुनाव में, पार्टी ने 303 सीटें जीतीं, जो पार्टी के इतिहास में सबसे ज्यादा हैं।

दिल्ली शराब घोटाला केस में केजरीवाल खुद पैरवी करेंगे

▶ जस्टिस स्वर्ण कांता से इस केस से हटने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केजरीवाल ने इस केस की जज स्वर्ण कांता शर्मा से खुद को अलग (recuse) करने की मांग की। कहा कि वे खुद दलीलें रखेंगे। अभी तक मैंने किसी को भी अपना वकालतनामा नहीं दिया है।दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मामला कोर्ट में है इसलिए मैं यहां कुछ नहीं कहना चाहता हूं। सोमवार को मामले पर इसी बेंच में सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि अदालत नाटक का मंच नहीं है। मेहता ने केजरीवाल की अर्जी का कड़ा विरोध किया। उन्होंने केजरीवाल के आरोपों को तुच्छ और अवमाननापूर्ण बताया। मेहता ने यह भी बताया कि सात अन्य बरी हुए आरोपियों ने भी जज को हटाने की अर्जी दी है। जस्टिस शर्मा ने कहा कि यदि कोई और अर्जी देना चाहता है तो दे सकता है, ताकि वह एक बार में फैसला कर सकें। 27 फरवरी को ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को बरी कर दिया था। निचली अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को फटकार लगाई थी। उसने कहा था कि उसका मामला न्यायिक जांच में टिकने योग्य नहीं है। यह पूरी तरह से अविश्वसनीय पाया गया था। नौ मार्च को जस्टिस शर्मा ने केंद्रीय जांच ब्यूरो की याचिका पर सभी 23 आरोपियों को नोटिस जारी किया था। उन्होंने कहा था कि आरोप तय करने के चरण में निचली अदालत की कुछ टिप्पणियां त्रुटिपूर्ण प्रतीत होती हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय ने केजरीवाल के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि जज को हटाने का फैसला संबंधित जज को ही लेना होता है।

'सत्ता में बने रहने के लिए एलडीएफ और भाजपा के बीच समझौता': प्रियंका गांधी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को केरल के कन्नूर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ ने भाजपा के साथ समझौता कर लिया है। प्रियंका ने कहा कि एलडीएफ 10 साल तक सत्ता में बने रहने के लिए अपनी विचारधारा और जिम्मेदारी से समझौता कर रही है। वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी ने पेरावूर में कहा कि एलडीएफ ने उस भाजपा से समझौता किया है जो

अल्पसंख्यकों को परेशान करती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ईसाई समुदाय और उनकी नन को परेशान करती है, फिर भी एलडीएफ उनके साथ है। प्रियंका ने सबरीमाला में हुई चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर एक शब्द भी नहीं बोला। उनके अनुसार, यह चुप्पी दोनों पार्टियों के बीच समझौते का बड़ा सबूत है।

राज्य के हरिपाद जिला में अमित शाह का रोड शो

हरिपाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल के हरिपाद जिले में एक विशाल रोड शो किया। उन्होंने आगामी नौ अप्रैल को होने वाले केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एनडीए उम्मीदवार संदीप वाचस्पति के लिए प्रचार किया। रोड शो में सैकड़ों

एनडीए कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें से कई ने पार्टी की टोपी पहन रखी थी और भाजपा के झंडे लिए हुए थे। समर्थकों ने नारे लगाए और शाह तथा वाचस्पति के कट-आउट लहराए। यह रोड शो गांधी चौक से शुरू होकर हरिपाद के प्रमुख क्षेत्रों से गुजरा। बारिश के बावजूद भीड़ उत्साहित बनी रही। शाह ने रास्ते भर समर्थकों का अभिवादन किया। हरिपाद विधानसभा सीट पर कड़ा त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। कांग्रेस ने मौजूदा विधायक और वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला को फिर से मैदान में उतारा है। वहीं, सत्तारूढ़ एलडीएफ ने सीपीआई उम्मीदवार टी टी जिस्मोन को टिकट दिया है। एनडीए के संदीप वाचस्पति भी इस सीट पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।

'सप्लाई प्रभावित होने के बावजूद हर दिन दिए जा रहे 50 लाख सिलिंडर'

जानिए सरकार ने क्या बताया...

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी भारी भू-राजनीतिक तनाव और 35 दिनों से अधिक समय से चल रहे संकट के बीच, भारत सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा को लेकर देश के उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने एक बड़ा बयान देते हुए स्पष्ट किया है कि इस क्षेत्र से भारत की एलपीजी सप्लाई भले ही प्रभावित हुई है, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला को टूटने नहीं दिया गया है। उनके मुताबिक, वर्तमान विपरीत परिस्थितियों में भी भारत भर में प्रतिदिन लगभग 50 लाख एलपीजी सिलेंडरों की निर्बाध डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है। सुजाता शर्मा ने स्थिति की गंभीरता को समझाते हुए बताया कि हमारी एलपीजी जरूरतों का एक बहुत बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से ही आता है, जिसके कारण मौजूदा संकट से सप्लाई चेन पर असर पड़ा है। हालांकि, सरकार ने हर संभव प्रयास किया है कि किसी भी आम उपभोक्ता को पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत का सामना न करना पड़े। जमीनी स्तर पर स्थिति को संभालने के लिए तेल विपणन कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी लगातार फील्ड में जाकर निरीक्षण कर रहे हैं। सुजाता शर्मा ने कहा कि ये अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सप्लाई सुचारू रहे और किसी भी संभावित गड़बड़ी को तुरंत रोका जाए। राहत की बात यह है कि देश के किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर के पास से 'एलपीजी ड्राईआउट' (गैस खत्म होने) की कोई खबर नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि आज 35 दिन से अधिक हो गए हैं। उन्होंने कहा, "हमारी एलपीजी की जरूरत का बहुत बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से ही आता है, इसलिए इससे सप्लाई प्रभावित हुआ है। हालांकि, भारत सरकार ने हर संभव प्रयास किया है कि किसी भी उपभोक्ता को

खाद्यान्न का बफर स्टॉक मानकों से तीन गुना ज्यादा

वैश्विक आपूर्ति संकट के बीच भारत की खाद्य सुरक्षा भी बेहद मजबूत स्थिति में है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की संयुक्त सचिव सी. शिखा के अनुसार, देश के पास गेहूं और चावल का पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है, जो निर्धारित मानकों का तीन गुना है। वर्तमान में सरकार के पास 222 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 380 LMT चावल उपलब्ध है, जिससे कुल खाद्यान्न भंडार 602 LMT के पार पहुंच गया है। यह विशाल स्टॉक सार्वजनिक वितरण प्रणाली के साथ-साथ किसी भी आपातकालीन जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। इसके अलावा, इंडोनेशिया, मलेशिया, रूस, यूक्रेन, अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे प्रमुख भागीदार देशों से खाद्य तेलों का आयात स्थिर बना हुआ है, और घरेलू स्तर पर सरसों के बेहतर उत्पादन ने भी आपूर्ति को मजबूत किया है। पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक संकट ने वैश्विक ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए गंभीर चुनौतियां खड़ी की हैं। हालांकि, पेट्रोलियम, नौवहन और खाद्य मंत्रालय के अधिकारियों के बयानों से स्पष्ट है कि भारत सरकार का समन्वित दृष्टिकोण अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं को सुरक्षित रखने में कारगर साबित हो रहा है। सरकार स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रही है और आवश्यकता पड़ने पर बाजार में हस्तक्षेप करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

'देश की समृद्धि और सुरक्षा ही व्यक्तिगत प्रगति की कुंजी'

कोच्चि में बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

कोच्चि (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि व्यक्तिगत समृद्धि केवल तभी प्राप्त की जा सकती है, जब देश समृद्ध और सुरक्षित हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए व्यक्तिगत प्रगति को देश की प्रगति से जोड़ना आवश्यक है।आरएसएस प्रमुख ने यह बात कोच्चि में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध छात्रों के सांस्कृतिक संगठन बालागोकुलम के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कही।मोहन

भागवत ने जोर देकर कहा कि समृद्धि और सुरक्षा को अलग-अलग हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, "जब देश समृद्ध और सुरक्षित होता है, तभी परिवार भी समृद्धि और सुरक्षा प्राप्त करते हैं। जब व्यक्ति राष्ट्र की समृद्धि और सुरक्षा के लिए काम करते हैं, तो वे स्वयं भी समृद्ध होते हैं।" उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि लोगों को अक्सर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

युवाओं के लिए मार्गदर्शन

युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत करियर विकास और देश के विकास के लिए काम करने के बीच चयन को लेकर अक्सर भ्रम की स्थिति रहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि करियर निर्माण और राष्ट्र के लिए काम करना परस्पर विरोधी नहीं हैं। उन्होंने कहा, "इसमें कोई भ्रम नहीं होना चाहिए, क्योंकि करियर बनाना और राष्ट्र के लिए काम करना विरोधाभासी नहीं हैं। कुंजी सही मार्ग चुनने में निहित है।" सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के हिस्से के रूप में मोहन भागवत ने भगवान कृष्ण को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने बालागोकुलम कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों के साथ भी बातचीत की।

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

योगेश कुमार गोयल

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी।

स्वास्थ्य का विज्ञान, समानता का आधार...

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों

ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दशार्ती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।

संपादकीय

दवा के दर्द

खाड़ी में अमेरिका-इस्त्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वैंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशतः पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है।

दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है। वास्तव में देखा जाए तो उद्योग की मजबूती केवल आपूर्ति श्रृंखला से ही नहीं जुड़ी है बल्कि उनके श्रमिकों के हितों और उनके आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। हिमाचल प्रदेश के बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टर्स पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निमार्ताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की पहल से आयातित कच्चे सामान पर शुल्क में छूट से भले ही कुछ राहत मिली हो, लेकिन कच्चे माल के वैकल्पिक स्त्रोत तलाशने, घरेलू एपीआई उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है। सही मायनों में एक दूर का युद्ध भारत की दवा आपूर्ति और उसके उत्पादकों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है।

चिंतन-मनन

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं।

सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने खोया मानसिक संतुलन, गाली गलौज पर उतरे

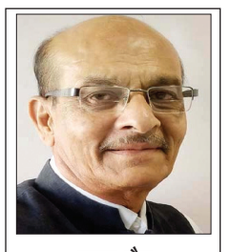

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उसके बाद से ही उनकी कथनी और करनी को लेकर सारी दुनिया में उनकी एक नई छवि बनी है। पिछले 1 साल में उन्हें एक अहंकारी नेता के रूप में देखा जा रहा था। पिछले एक साल में जिस तरह से उन्होंने टैरिफ को लेकर आतंक मचाया था। उस समय उनकी पहचान एक गैंगस्टर के रूप में बनी थी। अमेरिकी मुद्रा डॉलर में वैश्विक व्यापार सारी दुनिया में होता है। उसके बल पर वह जो दादागिरी कर रहे थे, उसी समय से उनका विरोध होना शुरू हो गया था। उन्होंने वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करते हुए अपने मनमाने नियम और कानूनों के बल पर वसूली करने की जो प्रक्रिया शुरू की थी, उसी समय एक गैंगस्टर की तरह उनकी पहचान बनी। जिस तरह से उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण कर अमेरिका लाया। वेनेजुएला की सत्ता में अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका ने खुलेआम कब्जा किया। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया। उसके बाद उनकी हिम्मत बढ़ी, उन्होंने ईरान मे अयातुल्लाह खामेनेई की सत्ता के खिलाफ ईरान की जनता को भड़काया, वहां पर आंदोलन कराए, खामेनेई को सत्ता से हटाने की कोशिश ट्रम्प ने की। जब यह प्रयास सफल नहीं हो पाया, उसके बाद अमेरिका और इजरायल ने बातचीत में उलझा कर ईरान के ऊपर हमला कर दिया। ईरान की सत्ता के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित दर्जनो नेताओं और रक्षा अधिकारियों की हत्या कर दी गई। ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू ने सोचा था, जनता विद्रोह करेगी और वह ईरान के पूर्व राज परिवार के निष्कासित सदस्य को ईरान की सत्ता सौंप देंगे। ट्रंप का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका की इस कार्यवाही का भरपूर जवाब दिया। पिछले 35 दिनों में ईरान ने बता दिया है, वह युद्ध का मुकाबला और अपनी रक्षा करने में सक्षम है। पिछले 35 दिनों में जिस तरह से ईरान ने अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए, जिस तरह का नुकसान पहुंचाया है, उसकी कल्पना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नहीं की थी। इतनी करारी चुनौती अमेरिका को ढाई सौ साल के इतिहास में कभी नहीं मिली, जो ईरान से मिल रही है। ईरान ने एक ही झटके में पिछले 47 सालों से अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाकर जो दादागिरी की जा रही थी। ईरान ने एक ही बार में जवाब देकर अमेरिका के अहंकार को तोड़ते हुए, जिस तरह से भयमुक्त लड़ाई लड़ी जा रही है। उससे लगता है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, वह क्या करें। इस युद्ध में रोजाना अमेरिका को आरबों रूपयों की राशि खर्च करनी पड़ रही है। अमेरिका की संसद उनसे पूछ रही है, यह युद्ध हम ईरान से क्यों लड़ रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए ट्रम्प बहुत बड़ी राशि संसद से मांग रहे हैं।

ट्रम्प ने युद्ध करने के पहले संसद को विश्वास में नहीं लिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध बढ़ता ही जा रहा है। खाड़ी देशों की सुरक्षा अमेरिका नहीं कर पा रहा है। अमेरिका की सारे सैन्य अड्डे ईरान द्वारा बर्बाद कर दिए गए। इसी तरह से इजरायल पर ईरान के हमलों से भारी नुकसान हुआ है। इजरायल में, नेतान्याहू के खिलाफ जनता का विरोध देखने को मिल रहा है। ऐसी हालत में ट्रंप का यह कहना, ईरान बास्टर्ड है। ईरान को नर्क बना देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने जो पोस्ट की है, उसके शब्द इतने खराब हैं। उसको सह पाना आम आदमी के लिए संभव नहीं है। ट्रम्प ने ईरान के बारे में जिस तरह से पोस्ट में शब्दों का चयन किया है, इसकी दुनिया के देशों में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह कहा जाने लगा है कि ट्रम्प अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण जो रही-सही साख अमेरिका की है, वह कितने दिनों तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है। दुनिया के अधिकांश देश मानने लगे हैं, ट्रंप की सनक और अहंकार के कारण सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। खाद का संकट खड़ा हो रहा है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी की स्थिति देखने को मिलने लगी है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की हरकत कर रहे हैं, उससे डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की साख को भी भारी नुकसान होता हुआ दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की यही नीति कुछ और दिन चलेगी, तो अमेरिका अपना वर्चस्व सारी दुनिया में खो देगा। ऐसा लगने लगा है जो हाल सोवियत रूस का पूर्व राष्ट्रपति गोर्बाच्योव के समय हुआ था। अब वही स्थिति अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राज्यों और आमजनता में जो नाराजगी देखने को मिल रही है। उससे लगता है ट्रम्प ज्यादा दिन तक राष्ट्रपति के पद पर नहीं रह पायेंगे।

अशोक खरात जैसे ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब लगेगी ?

सौरभ वार्ष्णेय

आखिरकार समाज में आस्था के नाम पर पनप रहे ऐसे अनगिनत ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब और कैसे लगेगी यह गहरा प्रश्नचिन्ह गहरा रहा है। ऐसे में समाज में जागरूकता, कानून का सख्त पालन और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ नहीं चलेंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे। हाल के समय में अशोक खरात (कैप्टन बाबा) को लेकर जो आरोप और विवाद सामने आए हैं, उन्होंने समाज में गहरी चिंता पैदा की है। खुद को धार्मिक या सामाजिक नेता बताने वाले ऐसे व्यक्तियों का आचरण जब नैतिकता और कानून के दायरे से बाहर जाता है, तो वह न केवल अपने अनुयायियों का भरोसा तोड़ता है बल्कि पूरे समाज को बदनाम करता है।

कहा जाता है कि बाबा के नाम पर लोगों की आस्था का फायदा उठाकर कई तरह की अनियमितताएँ और शोषण किए जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपराध है बल्कि समाज की संवेदनाओं के साथ धोखा भी है। आस्था का स्थान हमेशा पवित्र माना गया है, और जब उसी का दुरुपयोग होता है, तो उसका असर व्यापक होता है।ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून और प्रशासन की होती है कि वे निष्पक्ष जांच करें और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही समाज को भी जागरूक रहने की जरूरत है, ताकि अंधभक्ति और बिना जांच-पड़ताल के किसी के पीछे चलने से बचा जा सके। यदि कोई व्यक्ति समाज सेवा या धर्म के नाम पर गलत कार्य करता है, तो वह सच में समाज के नाम पर कलंक ही कहलाएगा। ऐसे मामलों में सख्ती, पारदर्शिता और जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है।

समाज में जब भी कोई स्वयंभू संत, बाबा या चमत्कारी व्यक्ति तेजी से प्रसिद्धि पाता है, तो उसके पीछे केवल आम लोगों की आस्था ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और रसूखदार लोगों का समर्थन भी बड़ा कारण होता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबाइ के मामले में भी यही सवाल उठता है कि आखिर वीवीआईपी लोग उनके पास क्यों जाते थे? सबसे पहले, आस्था और अंधविश्वास का मिश्रण इस प्रवृत्ति की जड़ में है। सत्ता और पैसे के शिखर पर बैठे लोग भी जीवन की अनिश्चितताओं–राजनीतिक भविष्य, स्वास्थ्य, परिवार या सत्ता की स्थिरता–को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे में वे चमत्कार या आशीर्वाद की तलाश में इन बाबाओं की शरण लेते हैं। दूसरा कारण है प्रभाव और नेटवर्किंग। कई बार ऐसे बाबा केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं होते, बल्कि वे एक पावर हब बन जाते हैं, जहां नेता, अधिकारी और व्यवसायी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इस तरह उनके दरबार एक अनौपचारिक नेटवर्किंग मंच में बदल जाते हैं, जहां संपर्क बनाना आसान होता है।तीसरा पहलू है छवि निर्माण किसी लोकप्रिय बाबा के साथ दिखना कुछ नेताओं के लिए जनता के बीच धार्मिक और संस्कारी छवि बनाने का माध्यम बन जाता है। इससे वे अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश करते हैं।चौथा और चिंताजनक कारण है व्यक्तिगत लाभ और संरक्षण की उम्मीद। कुछ लोग यह मानते हैं कि ऐसे बाबा उनके काम बनवा सकते हैं, समस्याएं सुलझा सकते हैं या उन्हें किसी तरह का आध्यात्मिक संरक्षण दे सकते हैं। यह मानसिकता लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक सोच के लिए खतरनाक है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर पहलू यह है कि जब वीवीआईपी स्तर के लोग ऐसे व्यक्तियों के पास जाते हैं, तो आम जनता में उनकी विश्वसनीयता स्वतः बढ़ जाती है। इससे अंधविश्वास को बढ़ावा मिलता है और समाज में तर्क और विवेक की जगह कमजोर पड़ती है। यह जरूरी है कि समाज–विशेषकर प्रभावशाली वर्ग–तर्क, वैज्ञानिक सोच और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे। किसी भी व्यक्ति को बिना प्रमाण और जवाबदेही के चमत्कारी मान लेना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी नुकसानदायक हो सकता है।

अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का नाम हाल के वर्षों में उनकी अकूत संपत्ति और गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। नासिक से शुरू हुआ यह मामला केवल एक तथाकथित धार्मिक गुरुइ की कहानी नहीं, बल्कि आस्था के नाम पर खड़े किए गए एक विशाल और संदिग्ध साम्राज्य का खुलासा है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, अशोक खरात ने खुद को ज्योतिषी, तांत्रिक और चमत्कारी शक्तियों वाला व्यक्ति बताकर लोगों, खासकर महिलाओं का विश्वास जीता। इसी विश्वास का दुरुपयोग कर उन्होंने न केवल आर्थिक लाभ अर्जित किया, बल्कि शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर अपराधों को भी अंजाम दिया।सबसे चौंकाने वाला पहलू उनकी संपत्ति को लेकर सामने आया है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पास सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्ति होने का अनुमान है–कुछ जगहों पर यह आंकड़ा 200 करोड़ से लेकर 500 करोड़ और यहां तक कि 1500 करोड़ रुपये तक बताया गया है। यह संपत्ति न केवल उनके नाम पर, बल्कि पत्नी, बेटी और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर भी पाई गई, जिससे बेनामी निवेश और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका मजबूत होती है।जांच में यह भी सामने आया कि इस तथाकथित आध्यात्मिक साम्राज्य के पीछे एक संगठित तंत्र काम कर रहा था–जिसमें कोड लैंग्वेज, गुप्त कैमरे और ब्लैकमेलिंग के नेटवर्क शामिल थे।इसके अलावा, उनके पास से सैकड़ों आपत्तिजनक वीडियो और दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं, जो इस पूरे नेटवर्क की गहराई को दशार्ते हैं।

यह मामला केवल व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके तार राजनीति और प्रशासन तक भी जुड़ते दिखाई दिए हैं, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। अशोक खरात का मामला केवल एक व्यक्ति की अकूत संपत्ति का नहीं, बल्कि उस तंत्र का प्रतीक है जिसमें अंधविश्वास, लालच और सत्ता का गठजोड़ समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाता है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ पीडिया

दिल्ली में एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य, किसी प्रकार की कमी नहीं: रेखा गुप्ता

-कंट्रोल रूम स्थापित, कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई, 22 जगह छापे, एक एफआईआर दर्ज

घबराहट से बचें, एजेंसियों पर भीड़ न लगाएं, घर तक समय पर होगी डिलीवरी : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानीवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा है कि दिल्ली में घरेलू और वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह स्थिर, पर्याप्त और नियंत्रण में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय राजधानी में एलपीजी या किसी भी अन्य ईंधन की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने जनता से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या घबराहट में न आएं तथा संयम बनाए रखें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि 3 अप्रैल को दिल्ली भर में कुल 1,11,504 एलपीजी बुकिंग दर्ज की गईं, जबकि तीनों ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा मिलकर 1,26,379 सिलेंडरों की डिलीवरी की गई, जो बुकिंग से काफी अधिक है। उन्होंने कहा कि इससे यह स्पष्ट होता है कि लंबित बैकलॉग को तेजी से खत्म किया जा रहा है और आपूर्ति श्रृंखला सुचारू रूप से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन निरंतर प्रयासों के चलते वर्तमान में दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की औसत डिलीवरी समय 4.37 दिन हो गया है, जिससे उपभोक्ताओं को समय पर और विश्वसनीय तरीके से उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध हो रहे हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कालाबाजारी और जमाखोरी पर रोक लगाने के लिए सरकार ने एक कंट्रोल रूम (011-23379836 और 8383824659) स्थापित किया है, जो लगातार निगरानी कर रहा है और शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई कर रहा है। विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर कई मामलों को दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को भेजा गया, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर 22 छापेमारी की। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान रोहिणी जिले के नॉर्थ रोहिणी थाना क्षेत्र में एक एफआईआर दर्ज की गई, जहां अवैध रूप से जमा किए गए 6 एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार इस प्रकार की किसी भी अवैध गतिविधि के प्रति पूरी तरह सतर्क है और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि एलपीजी की आपूर्ति बिना किसी बाधा के जारी रहे तथा किसी भी तरह के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों को सलाह दी है कि वे गैस एजेंसियों या एलपीजी गोदामों पर भीड़ न लगाएं। एक बार सिलेंडर बुक करने के बाद वह निर्धारित समय के भीतर सीधे उपभोक्ता के घर पहुंचा दिया जाएगा। वितरण केंद्रों पर जाने की कोई आवश्यकता नहीं है और ऐसा करना अनावश्यक असुविधा पैदा कर सकता है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि दिल्ली सरकार निर्बाध एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने नागरिकों से शांति बनाए रखने, घबराहट से बचने तथा प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की।

मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित होगा सराय काले खां बस अड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली स्थित सराय काले खां बस अड्डे को जल्द ही मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया जाएगा। डीटीआईडीसी द्वारा यहां लगभग 31.86 एकड़ जगह में पुनर्विकास कार्य होगा जिसमें बस और कार की पार्किंग के अलावा वाणिज्यिक एवं रिहायशी क्षेत्र भी विकसित किया जाएगा। इस पुनर्विकास कार्य के लिए आगामी जुलाई माह तक टेंडर जारी करने और दिसंबर 2030 तक परियोजना पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है।

जानकारी के अनुसार सराय काले खां बस अड्डा बेहद ही घनी आबादी के पास बना हुआ है। यहां पर रेल, मेट्रो, बस, नमो मेट्रो, ऑटो, टैक्सी आदि सेवाएं यात्रियों के लिए उपलब्ध हैं। लेकिन इस जगह पर व्यवस्था ठीक नहीं होने के चलते यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस समस्या का समाधान करने के लिए सराय काले खां बस अड्डे का पुनर्विकास कार्य बेहद आवश्यक है। डीटीआईडीसी द्वारा इस पुनर्विकास कार्य का खाका तैयार कर लिया गया है। यहां दो मंजिला बस अड्डा बनेगा जिसमें भूतल पर 78 जबकि अपर ग्राउंड पर 77 बसों के खड़े होने की जगह तैयार होगी। वहीं कॉनकोर्स पर लगभग 1500 कार की पार्किंग बनाई जाएगी। यहां यात्री अपनी गाड़ी खड़ी कर अन्य परिवहन साधनों का इस्तेमाल कर सकेंगे। इस परियोजना की कुल लागत 7613 करोड़ रुपये आने का अनुमान है।

सूत्रों ने बताया कि इस पुनर्विकास कार्य के लिए सराय काले खां से बस अड्डे को कुछ समय के लिए दूसरी जगह स्थानतांतरित किया जाएगा। यहां कुल 34.44 एकड़ में पुनर्विकास कार्य होगा। इसमें न केवल बस अड्डा बल्कि ईडब्ल्यूएस फ्लैट, सरकारी आवास, वाणिज्यिक क्षेत्र आदि भी बनाए जाएंगे। इस पुनर्विकास से न केवल बस अड्डे से बल्कि अन्य माध्यमों से भी उनकी आमदनी बढ़ेगी। बस अड्डे की इमारत को दिसंबर 2028 तक तैयार कर लिया जाएगा जबकि पूरी परियोजना में दो वर्ष का अतिरिक्त समय लगेगा।

सभी परिवहन साधनों से रहेगा जुड़ाव

सूत्रों ने बताया कि यहां पर बस अड्डे को इस तरह से विकसित किया जाएगा कि यात्रियों को अन्य परिवहन साधनों तक जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। बस अड्डे से रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, नमो भारत स्टेशन आदि को जोड़ा जाएगा। यहां यात्रियों के लिए खाने-पीने एवं खरीदारी करने की जगह भी होगी।

गैस सिलिंडर की कतारों पर आप के सवाल, केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैस सिलिंडर की उपलब्धता को लेकर आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। पार्टी का कहना है कि जब एलपीजी की कमी नहीं होने का दावा किया जा रहा है, तो गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें क्यों लग रही हैं। आप के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सरकार एक ओर उत्पादन बढ़ने और आपूर्ति सामान्य होने की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर लोगों को सिलिंडर के लिए परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने इसे विरोधाभासी स्थिति बताया। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि एलपीजी की कमी और कालाबाजारी जैसे मुद्दों पर सरकार स्पष्ट जवाब नहीं दे रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि वह इस स्थिति पर खुलकर सच्चाई सामने रखे। पार्टी ने यह भी कहा कि गैस की किल्लत के चलते आम लोगों के साथ-साथ प्रवासी श्रमिक भी प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में सरकार को आपूर्ति व्यवस्था में सुधार कर जनता को राहत देनी चाहिए।

दिल्ली में एलपीजी कालाबाजारी पर सियासत तेज, देवेंद्र यादव ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में रसोई गैस सिलेंडरों की कथित कालाबाजारी को लेकर सियासत तेज हो गई है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी खुलेआम हो रही है और सरकार इस पर प्रभावी नियंत्रण करने में विफल साबित हो रही है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि सिलेंडर की कालाबाजारी मानवता के खिलाफ अपराध है, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस कालाबाजारी करने वालों को पकड़ने के बाद छोड़ देती है, जिससे यह अवैध कारोबार लगातार बढ़ रहा है।

उन्होंने दावा किया कि राजधानी में गैस की भारी कमी के कारण गरीब और मजदूर वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है। उनके अनुसार, लोगों को मजबूरी में 300 से 450 रुपये प्रति किलो तक गैस खरीदनी पड़ रही है, जिससे आमजन का घरेलू बजट पूरी तरह बिगड़ गया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने भी एलपीजी की अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी के कई मामलों को स्वीकार किया है। बवाना, डाबड़ी, सीतापुरी, बेगमपुर और रोहिणी जैसे इलाकों में यह समस्या गंभीर रूप ले चुकी है।

देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि सरकार गैस संकट को छिपाने के लिए पाइप गैस को बढ़ावा देने की बात कर रही है, जबकि बड़ी संख्या में मजदूर और प्रवासी ऐसे हैं जिनके पास स्थायी आवास नहीं है और वे इस सुविधा का लाभ नहीं उठा सकते। उन्होंने कहा कि गैस एजेंसियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है और कर्मचारियों की मिलीभगत से कालाबाजारी हो रही है।

उन्होंने आगे कहा कि एलपीजी संकट का असर छोटे कारोबारियों और सड़क किनारे भोजन बेचने वालों पर भी पड़ा है। गैस की कमी के कारण इनका कामकाज ठप होने की कगार पर है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है।

देवेंद्र यादव ने यह भी कहा कि बढ़ती महंगाई और ईंधन संकट के चलते कई मजदूर दिल्ली छोड़कर अपने गांव लौटने को मजबूर हो रहे हैं, जबकि जो बचे हैं वे आपस में मिलकर खाना बनाकर किसी तरह गुजारा कर रहे हैं।

कांग्रेस ने सरकार से मांग की है कि एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त किया जाए और कालाबाजारी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

नितिन जाटव हत्याकांड में इंसाफ की मांग तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में प्रोफेसर नितिन जाटव की हत्या के मामले में इंसाफ की मांग तेज हो गई है। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। जय भगवान गोयल के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने परिवार के दुख में सहभागी होते हुए कहा कि दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। परिवार ने घटना को लेकर गहरा आक्रोश जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। साथ ही उन्होंने कुछ संदिग्ध पहलुओं की भी जांच कराने की अपील की है। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस प्रशासन से फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। संगठन ने कहा कि वह इस मामले में पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए लगातार प्रयास करता रहेगा।

आईआईटी दिल्ली परिसर एक दशक में बनेगा स्मार्ट कैंपस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली अगले एक दशक में अपने परिसर का बड़े स्तर पर कायाकल्प करने की योजना बना रहा है। इसके खाका को अंतिम रूप दिए जाने का काम जारी है। आईआईटी दिल्ली से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले दस वर्षों में पूरे कैंपस को आधुनिक बनाने की व्यापक योजना तैयार कर रहा है, जिसमें शैक्षणिक, शोध और आवासीय ढांचे का पुनर्निर्माण शामिल है। एक अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा नए कोर्स, संस्थान का विभिन्न संस्थानों के साथ अनुबंध, नए कोर्स और वैश्विक जरूरतों को पूरा करने वाले कोर्स भी शुरू करने की योजना है। इस कायाकल्प के लिए लगभग 10 हजार करोड़ की राशि लगने का अनुमान है। आईआईटी के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी का कहना है कि अभी यह प्रक्रिया में है और हम इसे कुछ महीनों बाद अंतिम रूप देंगे। यानी काम अभी पूरा नहीं हुआ है, उस पर काम चल रहा है और कुछ समय बाद उसे फाइनल किया जाएगा।

चरणबद्ध तरीके से हटेंगे पुराने भवन

आईआईटी दिल्ली 1965 से संचालित हो रहा है। यहां कई इमारतें पुरानी हो चुकी हैं और संस्थान चरणबद्ध तरीके से उसे हटाकर उसके स्थान पर नई इमारतें बनाएगा। जिसकी ऊंचाई भी बढ़ाई जाने की योजना है। इसकी सुविधाओं का भी विकास किया जाएगा। यही नहीं शुरूआत में बने पुराने हॉस्टलों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। हौजखास कैंपस के अलावा आरके पुरम में नए आवासीय परिसर और सोनीपत और झज्जर कैंपस के विस्तार जैसी परियोजनाएं भी इस योजना का हिस्सा हैं। साथ ही, रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। वर्तमान में संस्थान में कई सेंटर फार एक्सिलेंस हैं और आने वाले समय में इसमें और विस्तार होगा। संस्थान का मानना है कि यह कायाकल्प योजना भविष्य की शैक्षणिक और शोध जरूरतों के अनुरूप बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगी।

स्मार्ट कैंपस निर्माण में आईआईटी दिल्ली के एलुमनाई बनेंगे सबसे बड़ी ताकत

संस्थान से प्राप्त जानकारी के अनुसार आईआईटी दिल्ली के पूर्व छात्र इस योजना के महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जनवरी माह में संस्थान ने पहली बार एलुमनी इंपैक्ट रिपोर्ट 2026 जारी की थी।

महर्षि वशिष्ठ गौशाला केंद्र के अध्यक्ष बने संजय वशिष्ठ

नई दिल्ली (एजेंसी)। महर्षि वशिष्ठ गौशाला प्रबंधन एवं अनुसंधान केंद्र की कार्यकारिणी समिति की बैठक में संजय वशिष्ठ को सर्वसम्मति से संस्था का नया अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मयूर विहार स्थित मुख्यालय में आयोजित बैठक में इस निर्णय के साथ संस्था के भविष्य को लेकर नई उम्मीदें जताई गईं। बैठक की अध्यक्षता गायत्री वशिष्ठ ने की, जिसमें कोर समिति के सदस्यों ने विस्तृत विचार-विमर्श के बाद संजय वशिष्ठ के नाम पर सहमति व्यक्त की। सदस्यों ने उनके अनुभव और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण को संस्था के लिए लाभकारी बताया। इस अवसर पर केपी सिंह, पवन कुमार, संदीप अग्रवाल, संध्या सिंह, एस एस डोगरा, इम्तियाज हुसैन, राजेश डंडरियाल, दिनेश कुमार शर्मा, अनिमेष, अनुराधा और राजीव चौहान सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त अध्यक्ष का स्वागत करते हुए संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्था लंबे समय से गौसंवर्धन, नस्ल सुधार और वैज्ञानिक गौशाला प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य कर रही है। इसके अंतर्गत पशु स्वास्थ्य, पोषण, दुग्ध उत्पादन वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि एक जून को आयोजित होने वाले विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विशेष सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें दुग्ध क्षेत्र और गौसंवर्धन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के शामिल होने की संभावना जताई गई है।

देवी भागवत कथा में उमड़ा जनसैलाब, भक्तिमय हुआ बुराड़ी क्षेत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुराड़ी के कमालपुर क्षेत्र में आयोजित संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत कथा में छठे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। धार्मिक वातावरण के बीच कथा वाचन ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया।

कथा व्यास आचार्य बिपिन कृष्ण पाण्डेय ने भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने श्रीराम जन्म से लेकर सीता हरण तक की कथा सुनाते हुए धर्म, मर्यादा और कर्तव्य पालन का संदेश दिया। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग के माध्यम से अधर्म पर धर्म की विजय का महत्व समझाया।

आचार्य ने बताया कि भगवान श्रीराम ने भी नवरात्र में माता की उपासना कर शक्ति प्राप्त की थी, जिससे उन्हें रावण पर विजय हासिल करने में सफलता मिली। उन्होंने श्रद्धा, साधना और विश्वास को जीवन की सफलता का आधार बताया।

कार्यक्रम का आयोजन श्री नारायण निष्काम सेवा समिति द्वारा किया जा रहा है, जो वर्षों से धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में जागरूकता, एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा दे रही है। समिति द्वारा रामलीला, कथा आयोजन और सामाजिक कार्यक्रमों के साथ जरूरतमंदों की सहायता भी की जाती है। पंडाल संचालक श्री हरीश पंत ने श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए नियमित कथा श्रवण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष ललित पंत, महासचिव मनोज शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक और सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिससे आयोजन की भव्यता और भी बढ़ गई।

दिल्ली के गांवों में विकास को रफ्तार, सड़क और जल निकासी पर जोर: रविन्द्र इंद्राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं बवाना क्षेत्र के विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा है कि राजधानी के ग्रामीण इलाकों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांवों के समग्र विकास के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है

उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के सहयोग से बवाना विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सड़क निर्माण और जल निकासी से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। इनमें जटखोड़ से पंजाब खोड़, माजरा से जटखोड़ और बाजीतपुर से माजरा तक काली सड़कों का निर्माण शामिल है। इसके अलावा पंजाब खोड़, बाजीतपुर और हरवेली गांव में फिरनी रोड तथा आरसीसी नालों का निर्माण भी कराया जा रहा है।

रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने बताया कि हरवेली गांव में चल रहा विकास कार्य विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह परियोजना करीब 30 वर्षों से लंबित थी, जिसे अब प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से गांवों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी और आवागमन अधिक सुरक्षित व सुगम बनेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि आरसीसी नालों के निर्माण से जलभराव और जल निकासी की समस्याओं का स्थायी समाधान होगा, जिससे स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी स्थितियों में सुधार आएगा। इससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

मंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं के लिए दिल्ली सरकार की ओर से पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि रेखा गुप्ता स्वयं इन विकास कार्यों की निगरानी कर रही हैं, जिससे कार्यों की गुणवत्ता और गति दोनों में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि दिल्ली के हर गांव में मजबूत सड़क नेटवर्क, बेहतर जल निकासी व्यवस्था और आधुनिक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों को भी शहरी स्तर की सुविधाएं मिल सकें। रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने विश्वास जताया कि इन योजनाओं से दिल्ली के गांवों को नई पहचान मिलेगी और आने वाले समय में ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक मजबूत उदाहरण स्थापित होगा।

दया बस्ती में रातभर चला सफाई अभियान, 300 मीट्रिक टन कचरा हटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम ने करोल बाग जोन के अंतर्गत दया बस्ती रेलवे क्षेत्र में देर रात विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर करीब 300 मीट्रिक टन कचरा हटाया। इस अभियान से क्षेत्र में स्वच्छता की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह अभियान उपायुक्त दिलखुश मीणा के पर्यवेक्षण में संचालित किया गया, जो स्वयं मौके पर मौजूद रहे। रेलवे विभाग के सहयोग से अभियान को सुव्यवस्थित तरीके से पूरा किया गया, जिसमें आवश्यक संसाधन और लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराई गई। रात्रि अभियान के बाद अगले दिन सुबह भी सफाई अभियान जारी रखा गया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पहाड़गंज गेट से शुरू होकर रामकृष्ण आश्रम मार्ग और शीला सिनेमा तक सफाई की गई, जिससे पूरे इलाके में कचरा मुक्त वातावरण सुनिश्चित किया गया। दिलखुश मीणा ने कहा कि इस तरह के अभियान बेहतर कचरा प्रबंधन और स्वच्छ वातावरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने बताया कि नियमित निगरानी और विभागों के समन्वय से भविष्य में भी ऐसे क्षेत्रों को स्वच्छ बनाए रखा जाएगा।

एबीवीपी ने चलाया 'परिसर-परिसर वंदे मातरम' अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिल्ली के शैक्षणिक परिसरों में व्यापक अभियान चलाया। 23 मार्च से 4 अप्रैल तक चले 'परिसर-परिसर वंदे मातरम' अभियान के तहत राजधानी के विभिन्न संस्थानों में सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान में दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय सहित कुल 117 शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रमों के दौरान वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कर राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया गया। एबीवीपी दिल्ली के प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का स्वर है। इसके माध्यम से हम युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में ऐसे अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जेआईएच ने एसआईआर पर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमाअत ए इस्लामी हिंद (जेआईएच) के शीर्ष नेतृत्व ने मासिक प्रेस वार्ता में शनिवार को आगामी विधानसभा चुनाव, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया, प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन और अंतरराष्ट्रीय हालात पर गंभीर चिंता जताई। संगठन ने मतदाताओं से अपील की कि वे विभाजनकारी राजनीति को नकारते हुए रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों के आधार पर मतदान करें। जमाअत के उपाध्यक्ष प्रोफेसर सलीम इंजीनियर ने कहा कि मतदान संवैधानिक अधिकार के साथ नैतिक जिम्मेदारी भी है। कई राज्यों में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने में तकनीकी व प्रशासनिक दिक्कतें सामने आ रही हैं, जिससे योग्य मतदाता वंचित हो सकते हैं। उन्होंने प्रक्रिया को सरल और समावेशी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने राजनीतिक दलों से धनबल, बाहुबल और भड़काऊ भाषणों से दूर रहने तथा चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाए रखने की अपील की। उन्होंने चुनाव आयोग से भी पारदर्शिता और सख्ती से आचार संहिता लागू करने की मांग की। एफसीआरए संशोधन पर उपाध्यक्ष एस.अमीनुल हसन ने चिंता जताते हुए कहा कि प्रस्तावित बदलाव कार्यपालिका को अत्यधिक शक्तियां दे सकते हैं। उनके अनुसार, इससे सामाजिक संगठनों की स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है और शिक्षा, स्वास्थ्य व कल्याणकारी संस्थाओं के कामकाज में अनावश्यक हस्तक्षेप का खतरा बढ़ेगा। उन्होंने व्यापक विमर्श और पर्याप्त सुरक्षा उपायों की जरूरत बताई। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बोलते हुए जमाअत ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाइयों की निंदा की और तत्काल युद्धविराम व कूटनीतिक समाधान की मांग की।

भलस्वा डेयरी गोलीकांड: कार हटाने के विवाद में चली गोली, दो पिस्टल के साथ आरोपी शिवम गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। होली के दिन भलस्वा डेयरी इलाके में कार हटाने को लेकर विवाद में गोली चलाने और दोनों हाथों से पिस्टल लहरा कर धमकी देने वाले बदमाश को अपराध शाखा ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान मुकुंदपुर निवासी शिवम उर्फ शिवा के रूप में हुई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल हुआ था। पुलिस ने इनके कब्जे से दो पिस्टल और चार कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार बदमाश पर पहले से हत्या, हत्या का प्रयास और गैर इरादतन हत्या का प्रयास का मामला दर्ज है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि चार मार्च को होली के दिन भलस्वा डेयरी थाना पुलिस को मुकुंदपुर पार्ट दो में झगड़ा के दौरान गोलीबारी की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को शिकायतकर्ता अरविंद कुमार पांडे ने बताया कि कार को हटाने को लेकर उसकी शिवम उर्फ शिवा से कहासुनी हो गई। उस समय आरोपी नशे में था। उसने गाली गलौज करने के बाद वहां से चला गया। कुछ देर बाद वह दो पिस्टल लेकर वापस आया और जान से मारने की नीयत से उस पर एक गोली चला दी। पीड़ित बाल-बाल बच गया। लोगों ने आरोप लगाया कि आरोपी ने इलाके में दहशत फैलाने के साथ साथ वहां रहने वालों को धमकाया और अरविंद की अर्टिगा कार, पड़ोसी की इनोवा कार सहित कई वाहनों में तोड़फोड़ कर वहां से भाग गया। पुलिस हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया। बाद में मामले की जांच अपराध शाखा को सौंप दी गई। अपराध शाखा की टीम मामले की जांच कर रही थी, इसी बीच इंटरनेट पर आरोपी का एक वायरल वीडियो सामने आया, जिसमें वह दो पिस्टल लहराते और लोगों के साथ गाली गलौज करते देखा गया। निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में टीम ने आरोपी पर निगरानी शुरू की। मुखबिरों की सूचना पर पुलिस ने 3 अप्रैल को यूईआर-दो के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिवम दसवीं कक्षा तक पढ़ा है और मांस की दुकान चलाता था। उसने होली के दिन गोली चलाने की बात कबूल की। उसने पहले हुई हिंसक घटनाओं में शामिल होने की बात कही। जिसमें 2023 में विवाद के दौरान गोलीबारी करना और 2024 में अमित उर्फ लंगड़ा की हत्या के मामले में शामिल होने का आरोप है।

नशे का कारोबारियों को नशीला पदार्थ मुहैया करने वाला केमिस्ट गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी जिला की नारकोटिक्स सेल ने नशे का कारोबारियों को नशीले पदार्थ मुहैया करने वाले केमिस्ट तुषार मल्होत्रा को पहाड़गंज से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने कोडिन कफ सिरप की 60 बोतलें, 296 ट्रामाडोल कैप्सूल और अपराध में इस्तेमाल एक स्कूटर बरामद किया है। जिला पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि 26 मार्च को नारकोटिक्स सेल ने निहाल विहार में नशे का कारोबार करने के आरोप में प्रदीप और उसके दो सहयोगी हितेश व अमन को पकड़ा था। प्रदीप स्वयंसेवी संगठन की आड़ में नशे का कारोबार कर रहा था। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने केमिस्ट तुषार को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी अमन ने बताया कि उसने प्रतिबंधित सामग्री बिना डॉक्टर के पर्चे के पहाड़गंज स्थित एक मेडिकल स्टोर से खरीदी थी। नारकोटिक्स सेल ने जब 2 अप्रैल को ड्रग निरीक्षक की टीम के साथ पहाड़गंज में स्थित मेडिकल स्टोर पर छापा मारा तो मालिक तुषार बरामद सामग्री के वैध दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि केमिस्ट से पूछताछ कर आपूर्तिकर्ताओं की पहचान करने में जुटी है।

माताश्री राजेश्वरी देवी जयंती पर हंसलोक आश्रम में मातृशक्ति दिवस, दो दिवसीय समारोह शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। छतरपुर स्थित हंसलोक आश्रम में महान आध्यात्मिक विभूति माता श्री राजेश्वरी देवी की जयंती मातृशक्ति दिवस के रूप में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई। इस अवसर पर हंस ज्योति इकाई, हंस कल्चरल सेंटर के तत्वावधान में दो दिवसीय जनकल्याण समारोह का शुभारंभ हुआ। समारोह का शुभारंभ परमपूज्य भोले जी महाराज एवं मंगला जी के सानिध्य में वैदिक विधि-विधान के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में दोनों ने योगीराज श्री हंस जी महाराज और माता श्री राजेश्वरी देवी की प्रतिमाओं के समक्ष श्रद्धापूर्वक नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भोले जी महाराज ने कहा कि माता श्री राजेश्वरी देवी ने अपना संपूर्ण जीवन अध्यात्म, परोपकार और मानव सेवा के लिए समर्पित किया। उन्होंने अपने प्रिय भजनों की प्रस्तुति कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया और भक्ति का वातावरण सृजित किया। वहीं, मंगला जी ने माता श्री राजेश्वरी देवी को दया, करुणा और प्रेम की प्रतिमूर्ति बताते हुए कहा कि उन्होंने करोड़ों लोगों के जीवन में आध्यात्मिक जागृति लाकर सकारात्मक परिवर्तन किया। आज भी देश-विदेश में उनके अनुयायी उन्हें जगतजननी माता के रूप में श्रद्धा से स्मरण करते हैं। उन्होंने बताया कि माता श्री राजेश्वरी देवी और श्री हंस जी महाराज के नाम पर द हंस फाउंडेशन, हंस कल्चरल सेंटर तथा श्री हंसलोक जनकल्याण समिति जैसी संस्थाएं संचालित हो रही हैं, जो समाज सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। समारोह में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और मंच पर उपस्थित संतों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान संत-महात्माओं ने सत्संग के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान किया, वहीं भजन गायकों ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

सैकड़ों महिलाओं के साथ अश्लील हरकत करने वाले बाबा अशोक खरात की संपत्ति की होगी जांच

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में खुद को आध्यात्मिक गुरु बताने वाले अशोक खरात का मामला अब एक बड़े राष्ट्रीय स्कैंडल में तब्दील होता जा रहा है। रेप, धोखाधड़ी और अवैध रूप से करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोपों में घिरे इस फर्जी बाबा के खिलाफ सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि अशोक खरात की बेहिसाब संपत्ति और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद यह साफ हो गया है कि प्रशासन अब केवल आपराधिक मामलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इस पूरे साम्राज्य की आर्थिक जड़ों को भी खोदेगा। अशोक खरात पर आरोप है कि उसने आस्था की आड़ में न केवल महिलाओं का यौन शोषण और दुष्कर्म किया, बल्कि डरा-धमका कर और धोखाधड़ी के जरिए भारी मात्रा में चल-अचल संपत्ति भी खड़ी की है। ईडी की एंट्री का मतलब है कि अब उसके बैंक खातों, विदेशी लेनदेन और बेनामी संपत्तियों के स्रोतों की गहराई से पड़ताल होगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सदन और सार्वजनिक मंचों पर यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार केवल हवा-हवाई आरोपों पर नहीं, बल्कि ठोस सबूतों के आधार पर काम कर रही है। अब तक खरात के खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 12 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, और जैसे-जैसे जांच का दायरा बढ़ रहा है, पीड़ित और गवाह भी हिम्मत जुटाकर सामने आ रहे हैं। इस मामले में एक नया मोड़ तब आया जब कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) लीक होने का विवाद गरमाया।

ईरान जंग का असर, एअर इंडिया ने इजराइल के लिए उड़ाने 31 मई तक कीं रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एयर इंडिया ने नई दिल्ली-तेल अवीव रूट पर 31 मई तक उड़ानें रद्द कर दी हैं। तेल अवीव के लिए ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस पहले ही अपनी उड़ानें बंद कर चुकी हैं। फिलहाल एल अल, इस्राएर, अर्किया और एयर हाइफा ही सीमित सेवाएं चला रही हैं। फ्लाइट सस्पेंड होने से 40 हजार से ज्यादा भारतीय पर असर पड़ा हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत आने के लिए उन्हें जॉर्डन या मिस्र के रास्ते जाना पड़ रहा है। तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास ने 24 घंटे की हेल्पलाइन शुरू की है। रजिस्ट्रेशन अभियान भी चला रहा है। राजदूत जेपी सिंह ने भारतीय कामगारों और छात्रों से वर्चुअल बातचीत कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। नई दिल्ली-तेल अवीव के बीच सीधी उड़ान सेवा 1 जनवरी से शुरू हुई थी, जिसमें सप्ताह में चार फ्लाइट बोइंग 787 ड्रीमलाइनर से संचालित की जा रही थीं।

राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू के दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू (दिल्ली यूनिवर्सिटी) के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कॉलेजों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के रामजस कॉलेज और मिरांडा कॉलेज में बम की धमकी के बाद सोमवार को कॉलेज परिसर को खाली करा लिया गया। पुलिस के मुताबिक, कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन को ई-मेल मिला, जिसमें उन्हें कैंपस में एक संभावित एक्सप्लोसिव डिवाइस के बारे में अलर्ट किया था। पूरी तरह से तलाशी लेने के लिए बम डिस्पोजल और स्निफर डॉग स्क्वॉड को तैनात किया गया है। वहीं, स्टूडेंट्स, स्टाफ और फैकल्टी को एहतियात के तौर पर बाहर निकाला गया और सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस दोनों कॉलेजों में गहनता से जांच कर रही है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि धमकी किसने दी है?

भोपाल पुलिस के इनपुट पर यूपी एसटीएफ ने कछुआ तस्कर को दबोचा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने वन्यजीव तस्कर को लखनऊ के सैरपुर स्थित आईआईएम रोड से गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने यह कार्रवाई भोपाल पुलिस के इनपुट मिलने पर की। संयुक्त टीम ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। वह चार वर्ष से फरार चल रहा था। उसे सैरपुर थाने में दाखिल किया गया। जहां भोपाल पुलिस साथ लेकर चली गई। एसटीएफ के एएसपी सत्यसेन यादव के मुताबिक, आरोपी रविंद्र उर्फ रमन मलिहाबाद के बख्तियार नगर का रहने वाला है। उसके खिलाफ मध्य प्रदेश के भोपाल में कछुआ तस्करी का मामला दर्ज था। भोपाल पुलिस को इनपुट मिला का रविंद्र उर्फ रमन लखनऊ में छिपा है। इस पर मध्य प्रदेश पुलिस ने एसटीएफ से सहयोग मांगा। संयुक्त टीम ने रविवार को आईआईएम रोड स्थित सैरपुर थाना क्षेत्र से सुबह करीब 11:45 बजे दबोचा गया। एसटीएफ के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश की नदियों से प्रतिबंधित और संरक्षित प्रजाति के कछुओं को निकालकर अंतर्राज्यीय तस्करों को सप्लाई करता था। आगे की कार्रवाई मध्य प्रदेश की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा की जाएगी।

ऊधम सिंह नगर में बंद पड़े पोल्ट्री फार्म में 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा बरामद

रुद्रपुर (एजेंसी)। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर के काशीपुर क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़े कालाबाजारी रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया है। परमानंदपुर स्थित एक पुराने पोल्ट्री फार्म में छापेमारी के दौरान 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा और 100 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। इसमें से 16 सिलेंडर भरे हुए और 53 खाली थे। प्रशासन ने मौके से एक आरोपी जुबैर अली को गिरफ्तार किया, जो उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के ग्राम घोसीपुरा पट्टीकला का निवासी है। सूचना के आधार पर एसडीएम अभय प्रताप सिंह और तहसीलदार पंकज चंदोला ने टीम के साथ तुरंत छापेमारी की। उन्होंने बताया कि पुराने बंद पोल्ट्री फार्म का उपयोग गैस सिलेंडरों की अवैध बिक्री और अन्य नशीली वस्तुओं के धंधे के लिए हो रहा था। बरामदगी से यह स्पष्ट होता है कि आरोपी कई तरह के अवैध कारोबार में शामिल था। गैस सिलेंडरों को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर तन्मय मैथानी को सौंपा गया है, जबकि गांजा और शराब को पुलिस ने सील कर लिया है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है ताकि इसके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों का पता लगाया जा सके।

बार-बार हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है

गुजरात को लेकर दिए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के बयान पर भड़की बीजेपी

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक पारा चढ़ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इडुक्की की एक रैली में गुजरात के लोगों को लेकर एक टिप्पणी की जिसने विवाद का रूप ले लिया है। बीजेपी ने इसे गुजरात की अस्मिता और देश के महान सपूतों का अपमान करार देते हुए कांग्रेस पर हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को इडुक्की में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने केरल की साक्षरता की तुलना अन्य राज्यों से की। उन्होंने पीएम मोदी और सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा कि केरल के लोगों को गुमराह मत करो। वे बहुत समझदार और पढ़े-लिखे हैं। मोदीजी, विजयनजी, आप दोनों गुजरात या अन्य जगहों के उन लोगों को बेवकूफ़ बना सकते हैं जो अनपढ़ हैं, लेकिन आप केरल के लोगों को बेवकूफ़ नहीं बना सकते। खड़गे के इस बयान के बाद बीजेपी ने तुरंत मोर्चा खोल दिया। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने एक्स पर कांग्रेस अध्यक्ष को घेरा। संघवी ने कहा कि यह टिप्पणी गुजरात के छह करोड़ लोगों और महात्मा गांधी, सरदार पटेल व पीएम मोदी जैसे महापुरुषों का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार सत्ता से बाहर होने की हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है। उन्होंने स्पष्ट में कहा कि गुजरात माफ़ नहीं करेगा। संघवी ने कांग्रेस पर बार-बार गुजरात को निशाना बनाने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या पार्टी की यह आलोचना राज्य के लोगों द्वारा सत्ता से बाहर किए जाने की वजह से है। उन्होंने कहा कि खड़गे का बयान उनकी हताशा को नहीं, बल्कि कांग्रेस के असली कद को दर्शाता है और कहा कि गुजरात की राजनीतिक रूप से जागरूक जनता ने हमेशा उन लोगों को नकारा है जो गांधी और पटेल की धरती का अपमान करते हैं और आगे भी ऐसा ही करती रहेगी, उन्होंने यह भी जोड़ा कि गुजरात माफ नहीं करेगा। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे पर पलटवार करते हुए पूछा कि वे महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे नेताओं की बुद्धिमत्ता के बारे में क्या सोचते हैं, जो सभी गुजरात, यूपी और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों से आते थे। त्रिवेदी ने कांग्रेस पर 9 अप्रैल को होने वाले केरल चुनावों से पहले फूट डालो और राज करो की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य की जनता चुनावों में इसका करारा जवाब देगी।

टीवीके प्रमुख विजय ने चेन्नई में चुनावी दौरा किया रद्द, समय की कमी और पुलिस पाबंदियों का हवाला

चेन्नई (एजेंसी)। विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्तरी कड़गम (टीवीके) ने सोमवार को चेन्नई में प्रस्तावित चुनावी प्रचार कार्यक्रम रद्द कर दिया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विजय को विल्लीवाक्कम और टी नगर विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं और रोड शो करने थे, लेकिन प्रशासनिक पाबंदियों के चलते कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा। सूत्रों का कहना है कि चुनाव प्रचार की अनुमति मिलने के बावजूद पुलिस द्वारा दोनों स्थानों के बीच आवागमन के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। इसी वजह से कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से पूरा करना संभव नहीं था। पार्टी ने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि इस तरह की पाबंदियां चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। बताया जा रहा है कि टीवीके इस मामले को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के समक्ष उठाने की तैयारी कर रही है। हालांकि, पार्टी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी मौसम में इस तरह की प्रशासनिक चुनौतियां राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए बड़ी समस्या बन सकती हैं। वहीं, निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की भूमिका भी अहम मानी जाती है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ऐसे में सभी दल अपने-अपने स्तर पर प्रचार में तेजी ला रहे हैं, और हर छोटा घटनाक्रम चुनावी रणनीति पर असर डाल सकता है।

असम में कल्पना के हेलीकॉप्टर को उतरने की नहीं दी अनुमति, डर में हिमंता?

-सोरेन ने फोन के जरिए लोगों से कहा- मतदान के जरिए अपनी ताकत दिखाएं

दिसपुर, (एजेंसी)। असम में चुनाव प्रचार के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता कल्पना सोरेन को हेलीकॉप्टर लैंडिंग की अनुमति न मिलने से उनका तय कार्यक्रम प्रभावित हुआ, लेकिन उन्होंने फोन के जरिए लोगों से संपर्क कर अपना संदेश पहुंचाया। असम के खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार में कल्पना सोरेन को परेशानी झेलनी पड़ी। उनका इन जगहों पर जनसभा करने का कार्यक्रम था, लेकिन प्रशासन ने हेलीकॉप्टर उतारने के लिए हेलीपैड की अनुमति नहीं दी। इस वजह से वह खुमताई और नहरकटिया नहीं पहुंच सकीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। मार्गेरीटा जाते समय सड़क रास्ते में ही फोन के जरिए खुमताई और नहरकटिया के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से अंदेशा था कि उनके कार्यक्रम में रुकावट डाली जाएगी और उनकी आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। वहीं झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भी असम में एक सभा में आरोप लगाया कि उनकी बढ़ती भीड़ से सत्ता पक्ष परेशान है। इसलिए लोगों को उनकी सभा में आने से रोका जा रहा है।

कल्पना सोरेन ने अपने भाषण में कहा कि रास्ते रोके जा सकते हैं, लेकिन जनता का गुस्सा नहीं रोका जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग विपक्ष की आवाज दबाना चाहते हैं।

मतदान के जरिए अपनी ताकत जरूर दिखाएं कल्पना ने खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा के लोगों से खासकर चाय बागान के मजदूरों, आदिवासी समाज, अल्पसंख्यकों, युवाओं और महिलाओं से 9 तारीख को ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील की। उन्होंने इस चुनाव को सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बल्कि सम्मान, पहचान और अधिकार की लड़ाई बताया। लोगों से कहा कि वे तीर-धनुष चुनाव चिह्न पर वोट देकर अपना जवाब दें। आखिर में उन्होंने कहा कि मतदान के जरिए अपनी ताकत दिखाएं।

यूपी के करीब 6000 मजदूर इजराइल में हैं सुरक्षित, सरकार कर रही लगातार निगरानी

किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की नहीं जताई इच्छा

लखनऊ (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तेज होती जंग और ताबड़तोड़ मिसाइल हमलों के बीच इजराइल में काम कर रहे यूपी के करीब 6000 मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही थी। कई लोग सवाल कर रहे थे कि क्या ये मजदूर सुरक्षित हैं और क्या उन्हें भारत वापस लाया जाएगा? इन सवालों का जवाब देते हुए यूपी सरकार ने कहा कि सभी मजदूर पूरी तरह सुरक्षित हैं और सरकार लगातार उनकी निगरानी कर रही है।

यूपी सरकार के प्रमुख सचिव डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर वे नियमित रूप से भारतीय दूतावास के अधिकारियों के संपर्क में हैं। दूतावास के जरिए यूपी के सभी मजदूरों की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने साफ किया कि तनावपूर्ण हालात के बावजूद अभी तक किसी भी मजदूर की ओर से भारत लौटने की कोई मांग नहीं की गई है। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि ईरानी हमलों के बावजूद इजराइल में कार्यरत यूपी के 6000 से ज्यादा मजदूर सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हम भारतीय दूतावास के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए हैं। दूतावास के अधिकारियों के जरिए हम हर श्रमिक की लोकेशन और सुरक्षा स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। यूपी सरकार ने साफ किया कि जरूरत पड़ने पर श्रमिकों की सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था पहले से तैयार है। हालांकि, फिलहाल किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की इच्छा नहीं जताई है। प्रमुख सचिव ने बताया कि सीएम योगी ने इस मामले में सख्त निर्देश दिए हैं कि विदेश में काम कर रहे यूपी के किसी भी मजदूर की सुरक्षा से कोई समझौता न किया जाए। इसके तहत श्रम विभाग लगातार दूतावास के साथ समन्वय कर रहा है। इस जंग की शुरुआत से ही ईरान तेल अवीव समेत इजराइल के बड़े शहरों पर मिसाइलें बरसा रहा है। ऐसे में विदेश में रह रहे भारतीयों, खासकर इजराइल में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई थी। यूपी भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण यहां से सबसे ज्यादा लोग इजराइल में निर्माण, कृषि और अन्य क्षेत्रों में काम करते हैं। योगी सरकार ने तनाव शुरू होते ही तुरंत सक्रिय भूमिका निभाई। सुंदरम ने भारतीय दूतावास, तेल अवीव के साथ सीधा संपर्क स्थापित किया और यूपी के श्रमिकों की सूची साझा की। दूतावास के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया कि अगर कोई श्रमिक स्वेच्छा से भारत लौटना चाहे या स्थिति और बिगड़ती है, तो उनकी सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था कर ली गई है। श्रम विभाग ने सभी जिला मजदूर कल्याण अधिकारियों को अलर्ट किया है कि अगर कोई श्रमिक परिवार से संपर्क कर सहायता मांगे तो तुरंत मदद की जाए। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने कहा कि हमारी प्राथमिकता श्रमिकों की सुरक्षा है। अभी हालात नियंत्रण में है और श्रमिक अपने काम पर बने हुए हैं, लेकिन सरकार किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है।

पत्नी पर लगाए कांग्रेस नेताओं के आरोपों का है पाकिस्तानी कनेक्शन

असम सीएम सरमा ने कहा- यह चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव के पहले राज्य की राजनीति में उबाल आ गया। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर कांग्रेस द्वारा लगाए गए वित्तीय आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसमें विदेशी साजिश और पाकिस्तानी कनेक्शन होने का दावा किया है। इस मामले में अब कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है और एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है।

यह आरोप उन्होंने तब लगाया जब कांग्रेस नेताओं ने मौजूदा चुनावी माहौल में उनकी पत्नी के वित्तीय और निजी रिकॉर्ड पर सवाल उठाए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब गौरव गोगोई समेत कांग्रेस नेताओं ने नई दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दावा किया कि सीएम सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन पासपोर्ट हैं और वह व्योमिंग स्थित एक कंपनी के ज़रिए 52,000 करोड़ रुपए की संपत्ति को नियंत्रित करती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्तेमाल की गई सामग्री एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया नेटवर्क से ली गई थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी मीडिया चैनलों ने हाल के दिनों में असम चुनावों पर असामान्य रूप से कई चर्चाएं प्रसारित की हैं, जो सभी कांग्रेस के पक्ष में थीं। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान में कम से कम 11 टॉक शो असम चुनावों पर केंद्रित थे। उन्होंने इसे अभूतपूर्व बताया और सुझाव दिया कि यह चुनावी माहौल को प्रभावित करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

सरमा ने पुष्टि की कि उनकी पत्नी, रिंकी भुइयां ने एफआईआर दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने आरोपों को मनगढ़ंत और मानहानिकारक करार दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने पर गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सीएम सरमा ने तर्क दिया कि विदेशों में शेल कंपनियां बनाना अपेक्षाकृत आसान है और उन्होंने अपने विरोधियों पर सबूत गढ़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति 199 यूएसडी का भुगतान करके कंपनी रजिस्टर करवा सकता है। कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद उन्होंने तो रिंकी के नाम पर एक और कंपनी भी बना ली। उन्होंने फिर दोहराया कि कांग्रेस नेताओं द्वारा पेश किए गए दस्तावेज़, जिनमें पासपोर्ट की तस्वीरें भी शामिल थीं, मनगढ़ंत थे और उन्हें संदिग्ध विदेशी संस्थाओं से हासिल किया गया था। बता दें असम में मतदान 9 अप्रैल को होना है और परिणाम 4 मई को आएगा।

पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले घाटी पहुंचे सीडीएस जनरल चौहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया गया है। जैसे-जैसे बरसी नजदीक आ रही है, घाटी में सतर्कता और सख्ती साफ दिख रही है। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हैं और जमीन से लेकर आसमान तक निगरानी का व्यापक नेटवर्क तैयार है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते नाकाम कर सके।

इस बीच रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कश्मीर दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) का दौरा कर सुरक्षा हालात और ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने चिनार कोर की तैयारियों की सराहना कर संकेत दिया कि अब सुरक्षा बल केवल जवाब देने की रणनीति तक सीमित नहीं रहने वाले हैं, बल्कि दुश्मन की हर चाल को पहले से भांपकर विफल करने के लिए तैयार हैं।

जनरल चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि अब पारंपरिक युद्ध के तरीके पर्याप्त नहीं हैं और ÷मल्टी-डोमेन ऑपरेशन्स÷ यानी बहु-आयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके तहत सेना, वायुसेना, नौसेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां एकीकृत ढांचे में मिलकर काम करेंगी। आधुनिक तकनीक, साइबर क्षमता और मानसिक दृढ़ता को भी इस रणनीति का अहम हिस्सा बताया गया। घाटी में जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। सांबा जिले में संदिग्ध गतिविधियों के बाद सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। हालांकि अभी तक किसी मुठभेड़ की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि सुरक्षा बल किसी भी सूचना को हल्के में नहीं ले रहे। इसके अलावा, सीमाओं पर घुसपैठ रोकने के लिए एलओसी पर विशेष निगरानी बढ़ा दी गई है। ड्रोन, सेंसर और अन्य आधुनिक उपकरणों के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। खुफिया तंत्र को भी पहले से ज्यादा सक्रिय और मजबूत किया गया है। कुल मिलाकर, पहलगाम हमले की बरसी केवल एक याद नहीं, बल्कि एक मजबूत संकल्प का प्रतीक बन गई है। यह संकल्प है कि अब कोई चूक नहीं होगी और हर खतरे का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भारत अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला नहीं, बल्कि पहल कर खतरे को खत्म करने वाला देश बनने की दिशा मे आगे बढ़ रहा है।

तमिलनाडु में बड़े दलों ने ब्राह्मणों को किया दरकिनार, टिकट देने को भी नहीं हैं तैयार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इन सूचियों के विश्लेषण से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है—राज्य की मुख्यधारा की राजनीति से ब्राह्मण उम्मीदवारों का लगभग पूरी तरह गायब होना। करीब 3 प्रतिशत आबादी वाले इस समुदाय को द्रविड़ राजनीति के गढ़ में इस बार बड़ी पार्टियों ने टिकट देने से परहेज किया है। राजनीतिक विश्लेषक इसे राज्य के चुनावी इतिहास में एक बड़े बदलाव के रूप में देख रहे हैं।

सबसे चौंकाने वाला फैसला अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) का रहा है। लगभग 35 वर्षों में यह पहली बार है जब पार्टी ने एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा है। पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के निधन के बाद से पिछले 10 वर्षों में पार्टी ने केवल एक बार 2021 में इस समुदाय के व्यक्ति को टिकट दिया था। विशेषज्ञों का मानना है कि जयललिता और एमजीआर के दौर में ब्राह्मण उम्मीदवार पार्टी की प्राथमिकता हुआ करते थे, लेकिन अब समीकरण बदल चुके हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों के अनुसार, जयललिता के बाद ब्राह्मण मतदाताओं का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा है, जिसके कारण अन्नाद्रमुक को अब इस समुदाय को टिकट देने में कोई सीधा चुनावी लाभ नजर नहीं आ रहा है। हैरानी की बात यह है कि हिंदुत्व की राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने भी अपनी 27 सीटों की सूची में किसी ब्राह्मण चेहरे को स्थान नहीं दिया है। इसी तरह सत्ताधारी द्रमुक (डीएमके) और कांग्रेस ने भी इस समुदाय से दूरी बनाई है। द्रमुक की राजनीति का आधार ही गैर-ब्राह्मण सशक्तिकरण रहा है, इसलिए उनकी सूची में यह बदलाव स्वाभाविक माना जा रहा है।

हालांकि, मुख्यधारा की पार्टियों के उलट कुछ नए और छोटे दलों ने अलग राह चुनी है। अभिनेता विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) ने दो ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि विजय इसके जरिए संदेश देना चाहते हैं कि उनकी पार्टी ब्राह्मण-विरोधी नहीं है। वहीं, तमिल राष्ट्रवादी नेता सीमन की पार्टी नाम तमिलर कच्ची (एनटीके) ने सबसे अधिक छह ब्राह्मण उम्मीदवारों को टिकट दिया है। सीमन ने मायिलापुर और श्रीरंगम जैसे क्षेत्रों को चुना है जहाँ ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। जानकारों का कहना है कि सीमन द्रविड़ दीवार को तोड़ने के लिए हर सामाजिक समीकरण का इस्तेमाल कर रहे हैं। कुल मिलाकर, तमिलनाडु की चुनावी बिसात पर इस बार पारंपरिक जातीय प्रतिनिधित्व के मायने बदलते दिख रहे हैं।

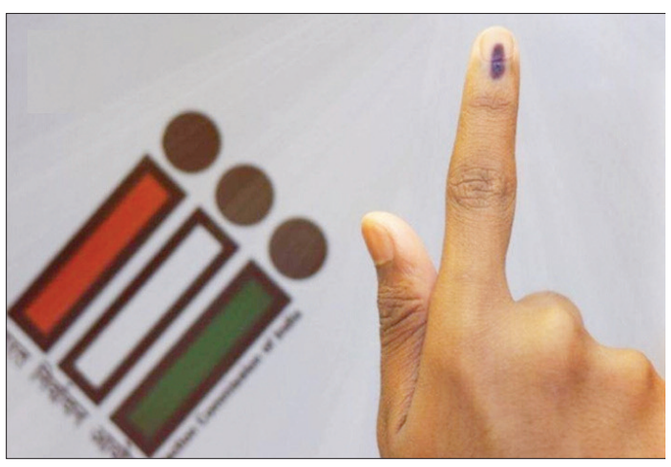

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

दीघोट से सेलोटी तक सड़क नए सिरे से बनेगी

पलवल, (एजेंसी)। दर्जनभर गांवों को आपस में जोड़ने वाली गांव दीघोट से सेलोटी तक चार किलोमीटर लंबी जर्जर सड़क का नए सिरे से निर्माण होगा। कार्य पर करीब दो करोड़ 70 लाख रुपये की लागत आएगी। विभाग ने इस पर काम शुरू कर दिया है और अप्रैल के अंत तक सड़क को बनाकर तैयार कर दिया जाएगा। बता दें कि गांव दीघोट से लेकर सेलोटी तक सड़क पर गड्ढे होने से लोगों को आवागमन में दिक्कत हो रही है। पीडब्ल्यूडी के जेई दिनेश डागर का कहना है कि अप्रैल के अंत तक सड़क बनकर तैयार हो जाएगी।

रंजिश में युवक और साथियों से मारपीट

पलवल, (एजेंसी)।सदर थाना इलाका के गांव फुलवाड़ी में रंजिश को लेकर एक युवक और उसके साथियों पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। इसमें तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सदर थाना पुलिस ने घायल युवक के पिता की शिकायत पर दस नामजद सहित 13 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदर थाना प्रभारी प्रकाश चंद के अनुसार फुलवाड़ी गांव निवासी गौरव ने अपनी शिकायत में बताया कि करीब तीन-चार दिन पहले उनके बेटे वंश की गांव के ही निशांत से एक हलवाई की दुकान पर किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस दौरान निशांत ने वंश को जान से मारने की धमकी दी थी। 04 अप्रैल को वंश अपने दोस्त मोहित और प्रिंस के साथ बाइक पर बामनीखेड़ा गांव से अपने घर लौट रहा था। आरोप है कि आरोपी पहले से ही अपने घर के बाहर घात लगाकर बैठे थे। जैसे ही वंश की बाइक उनके घर के सामने पहुंची, आरोपी प्रदीप उर्फ पटवारी, ईश्वर, सुधीर, नीतीश, दीपांशु, निशांत, महेश, हिमांशु, सुनील और देवा सहित अन्य युवकों ने उन्हें घेर लिया। उन्होंने लाठी, डंडा, सरिया और चाकू से वंश पर हमला कर दिया। जब मोहित और प्रिंस ने वंश को बचाने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। इस झगड़े में तीनों युवकों को गंभीर चोटें आईं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां वंश की हालत नाजुक होने के कारण उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मोहित और प्रिंस का इलाज जारी है।

शतरंज प्रतियोगिता में ईवारा-विराज विजेता

फरीदाबाद, (एजेंसी)। ग्रैंड कोलंबस इंटरनेशनल स्कूल में संपन्न हुई जिलास्तरीय जूनियर शतरंज प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्ग में पदक जीते। प्रतियोगिता में 215 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। बालिका अंडर-सात आयु वर्ग में ईवारा सिंह पहले, अनायशा दूसरे और श्रुति नेगी तीसरे स्थान पर रही। इसी आयु वर्ग के बालक में विराज वीर सिंह पहले, वंश कपूर दूसरे और हर्षिव तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-नौ बालिका वर्ग में युक्ति पहले, अलीशका दूसरे और ईवारा सिंह तीसरे स्थान पर रही। अंडर-नौ बालक वर्ग में प्रनित रस्तोगी पहले, श्लोक नरूला दूसरे और रूहान रखेजा तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-11 बालिका वर्ग में सिद्धांत राणा पहले, अभिनीत बोराह दूसरे और ईशान सैनी तीसरे स्थान पर रही। अंडर-13 बालिका वर्ग में आद्या कालरा ने पहले, तनिष्क दूसरे और अक्षरा माहेश्वरी तीसरे स्थान पर रही। अंडर-13 ओपन बालक वर्ग में सिद्धात पहले, देव प्रताप दूसरे और जयांश ने तीसरा स्थान हासिल किया। अंडर-15 बालिका वर्ग में बानी कौर ने पहले, आद्या कालरा ने दूसरा और आशमी मुदरिस ने तीसरा स्थान हासिल किया। इसी आयु वर्ग के बालक में जयांश ढींगरा पहले, देव प्रताप दूसरे और सरफराज खान तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-17 बालिका वर्ग में काशवी सभरवाल ने पहले, अस्मि सिंह दूसरे और अंशिका चड्ढा तीसरे स्थान पर रहे। इसी आयु वर्ग के बालक में आरुष पैला पहले, वैभव नैय्यर दूसरे और भुविन वर्मा तीसरे स्थान हासिल किए।

सागर ने राज्यस्तरीय एथलेटिक्स में कांस्य जीता

फरीदाबाद, (एजेंसी)। करनाल में रविवार को संपन्न हुई राज्यस्तरीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में फरीदाबाद के एथलीट सागर सैनी ने कांस्य पदक जीता है। उन्होंने यह पदक अंडर-20 आयुवर्ग की 400 मीटर दौड़ में हासिल किया। पदक जीतकर लौटे सागर का सोमवार को राज्य खेल परिसर में स्वागत किया गया। खेल विभाग के एथलेटिक को डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने सागर को बधाई दी। वह सरूरपुर गांव के रहने वाले हैं और इनके पिता मनीराम एक किसान हैं। वहीं मां कविता देवी एक गृहिणी हैं। इनके माता-पिता भी काफी प्रसन्न हैं। सागर डीपीएस सेक्टर-19 में 12वीं कक्षा में पढ़ाई करते हैं। वह राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में फरीदाबाद का गौरव बढ़ा चुके हैं। वह अपने परिवार में पहले खिलाड़ी हैं। इनसे पूर्व परिवार का कोई भी सदस्य खेल में नहीं रहा। सागर ने अपनी जीत का श्रेय एथलेटिक कोच डॉ. धर्मेंद्र कुमार, माता-पिता और डीपीएस प्रबंधन को दी है।जूडो छोड़ एथलेटिक अपनाईसागर ने बताया कि वह एथलेटिक्स से पूर्व जूडो का प्रशिक्षण लेते थे। जूडो एक महंगा खेल होने और खिलाड़ी का बेहतर भविष्य नहीं होने के चलते डेढ़ वर्ष पूर्व छोड़ दिया और राज्य खेल परिसर में डॉ. धर्मेंद्र कुमार के पास पहुंचे। सागर और एथलेटिक ट्रैक ऐसी दोस्ती हुई कि वह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में फरीदाबाद का गौरव बढ़ाया। बता दें कि इसकी बड़ी बहन प्रिया मेडिकल की तैयारी कर रही है, जबकि छोटा भाई गांव में स्थित मॉडर्न आर्य पब्लिक स्कूल में नौवीं कक्षा का छात्र है।सागर की उपलब्धियां-पिछले वर्ष वाराणसी में संपन्न हुई सीबीएसई नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4 गुणा 400 मीटर रिले दौड़ में रजत और 4 गुणा 100 रिले दौड़ में कांस्य पदक जीता।- पंचकूला में संपन्न हुए राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ में 4 गुणा 400 रिले दौड़ रजत पदक हासिल किया।- पिछले वर्ष संपन्न हुए हरियाणा ओलंपिक में 4 गुणा 400 रिले दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किया था।- भिवानी में संपन्न हुई हरियाणा स्कूल स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अंडर-17 आयुवर्ग में 400 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर गौरव बढ़ाया।

राज कुमार को अध्यक्ष बनाया

बल्लभगढ़, (एजेंसी)। श्री आत्मानंद जैन सभा, सेक्टर-16 फरीदाबाद ने एक अप्रैल से 31 मार्च 2028 तक के लिए अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। नई कार्यकारिणी में राज कुमार जैन ओसवाल को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि सुनील कुमार जैन (आईपीएस) को मेंटर नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में लाभ चंद मेहता जैन, उपाध्यक्ष-द्वय के रूप में राहुल जैन (वीटीआरजे) और उपाध्यक्ष-द्वय के रूप में कुसुम चंद जैन को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा अन्य लोगों को विभिन्न पदों के लिए चुना गया है। सभा के पदाधिकारियों ने बताया कि नई कार्यकारिणी आगामी कार्यकाल में समाज सेवा, धार्मिक कार्यक्रमों और संगठन के विस्तार पर विशेष ध्यान देगी।

पलवल में 850 करोड़ से सीवरेज व पेयजल व्यवस्था होगी सुदृढ़ : गौरव गौतम

पलवल, (एजेंसी)। शहर की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए पलवल में 850 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। इन परियोजनाओं की आधारशिला हरियाणा के खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने रखी। इनका मुख्य उद्देश्य शहर की सीवरेज और पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करना है।मंत्री गौरव गौतम ने सोमवार को बताया कि जिला मुख्यालय पलवल में पहली बार इतने बड़े स्तर पर सीवरेज प्रणाली को दुरुस्त करने का कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि अमृत 2.0 योजना के तहत लगभग 332 करोड़ रुपये की लागत से पूरे शहर में सीवरेज व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त करीब 522 करोड़ रुपये की लागत से रैनीवेल परियोजना के माध्यम से जल आपूर्ति नेटवर्क को सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पलवल के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी, जिससे वर्षों पुरानी जल निकासी और पेयजल समस्याओं का स्थायी समाधान संभव होगा।मंत्री ने कहा कि रेलवे लाइन के दूसरी ओर बसे क्षेत्रों में जल निकासी और मीठा पानी उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सरकार इन क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

ब्लैक पैंथर्स ने 55 रनों से जीता मुकाबला

फरीदाबाद, (एजेंसी)। डबुआ स्थित क्रिकेट मैदान पर सोमवार को खेले गए मुकाबले में ब्लैक पैंथर्स ने द हरिकेंस को 55 रनों से हरा दिया। 15 ओवर के मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए आई ब्लैक पैंथर्स ने 134 रन बनाए। ब्लैक पैंथर्स के लिए अहमद रजा ने 49 और नारायण ने 30 रन की तेज पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए द हरिकेंस 79 रन पर ही ऑल आउट हो गई। द हरिकेंस के लिए शोयाल ने तीन विकेट लिए। हरिकेंस के लिए रोहन और आनंद कुमार ने 18-18 रनों का योगदान दिया पर टीम को जीत नहीं दिला सके। नारायण ने 18 रन देकर पांच विकेट लिए जबकि अहमद को तीन और अरविंद को दो विकेट मिले। नारायण को उनके

मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर में ततीमा मामलों के निपटान के लिए विशेष अभियान चलाने के दिए निर्देश

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेशभर में लंबित ततीमा से संबंधित सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में देरी के कारण आमजन को दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं, अनावश्यक विवाद और न्यायालयीन प्रक्रियाएं बढ़ती हैं।

मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी विधायक श्रीमती बिमला चौधरी, सोहना विधायक श्री तेजपाल तंवर, गुरुग्राम के विधायक श्री मुकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में कुल 15 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 11 का मौके पर ही निपटारा किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे आमजन की समस्याओं के समाधान के प्रति संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जहां भी कोई समस्या उनके संज्ञान में आती है या कोई नागरिक सीधे अपनी शिकायत लेकर आता है, उसका प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल कार्यवाही करना नहीं, बल्कि लोगों को राहत पहुंचाना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध निवारण करना होना चाहिए, ताकि शासन व्यवस्था के प्रति आमजन का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

रेजांगला व अतुल कटारिया चौक के सौंदर्यीकरण और स्वच्छता पर जोर

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने रेजांगला चौक की स्वच्छता व्यवस्था का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेजांगला चौक तथा शहीद लेफ्टिनेंट अतुल कटारिया चौक का सुनियोजित तरीके से सौंदर्यीकरण किया जाए, साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि रेजांगला स्मारक का समुचित सौंदर्यीकरण, पुनर्रचना (रेडिज़ाइनिंग) और समग्र उन्नयन किया जाए, ताकि इसे और अधिक आकर्षक, गरिमापूर्ण एवं प्रभावशाली बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन स्थानों पर हरित क्षेत्र विकसित किया जाए तथा नियमित सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए, जिससे आमजन को एक स्वच्छ, व्यवस्थित और आकर्षक वातावरण का अनुभव हो सके। दौलताबाद में खेतों के रास्ते पर कब्जे का मामला, मुख्यमंत्री ने दिए सख्त निर्देश

गांव दौलताबाद से आए एक शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के समक्ष अवगत कराया कि उसके खेत तक जाने वाले करीब 2 करम चौड़े रास्ते पर दो बिल्डर्स द्वारा अवैध कब्जा कर दीवार खड़ी कर दी गई है, जिससे उसका तथा अन्य ग्रामीणों का खेतों में आवागमन बाधित हो रहा है। इस पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कब्जा हटाकर रास्ते को मूल स्वरूप में बहाल किया जाए तथा संबंधित बिल्डर्स से दोनों ओर अतिरिक्त दो-दो फीट जगह भी खाली करवाई जाए, ताकि ग्रामीणों के लिए आवागमन सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

सेक्टर-10 से आए आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को अवगत कराया कि क्षेत्र में पुराना सीवरेज सिस्टम होने के कारण बार-बार ओवरफ्लो की समस्या उत्पन्न हो रही है, जिससे स्थानीय निवासियों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेक्टर के लिए आधुनिक और सक्षम सीवरेज सिस्टम का विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र तैयार किया जाए, ताकि स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा, प्रधान सलाहकार (शहरी विकास) डी .एस.ढेसी, जीएमडीए के सीईओ पी.सी मीणा, डीसी अजय कुमार, मुख्यमंत्री के ओएसडी तथा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक विवेक कालिया, एडीसी सोनू भट्ट सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षा, शोध और कौशल विकास पर हरियाणा सरकार का विशेष फोकस— मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का दिन दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर है और उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन का एक अविस्मरणीय क्षण है। मुख्यमंत्री ने दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे देश के उप-राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन का स्वागत और अभिनंदन किया। दीक्षांत समारोह में हरियाणा के राज्यपाल और कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष भी उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज प्राप्त की गई डिग्रियां और पदक विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम हैं।

साथ ही उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की भी सराहना की।

श्री सैनी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय महान समाज सुधारक एवं किसानों के मसीहा दीनबंधु चौधरी छोटू राम जी के नाम पर स्थापित है, जिन्होंने शिक्षा को गरीबी और अज्ञानता से मुक्ति का सबसे बड़ा साधन बताया था। उन्होंने कहा कि यह संस्थान आज उनके आदर्शों को आधुनिक तकनीक और विज्ञान के साथ जोड़ते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा ने शिक्षा, खेल, संस्कृति, शोध और औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए देश में अग्रणी राज्य के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हरियाणा का प्रत्येक युवा आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बने। इसी उद्देश्य से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने 'हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष' के तहत 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। वर्ष 2025-26 में 350 से अधिक शोध प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से लगभग 90 प्रस्तावों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इस वर्ष भी इस कोष के लिए अतिरिक्त 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षा के साथ-साथ युवाओं के कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत बिना पर्ची-खर्ची के लगभग 2 लाख युवाओं को रोजगार दिया गया है।

उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार द्वारा एआई एवं डिजिटल कॉलेज की स्थापना की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, जहां आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षण प्रणाली लागू होगी। इसके अतिरिक्त उच्च शिक्षा गुणवत्ता एवं अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए 10 करोड़ रुपये का विशेष कोष भी स्थापित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कड़ी मेहनत करें और मानसिक, शारीरिक एवं नैतिक रूप से मजबूत बनें। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में सफलता के लिए समर्पण और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और विश्वविद्यालय प्रशासन को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे मिलकर हरियाणा और भारत को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लें। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्रीप्रकाश सिंह सहित शिक्षकगण व उपाधि प्राप्त करने वाले युवा उपस्थित रहे।

छात्रों ने दिया नशा मुक्ति का संदेश

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ स्थित श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय में जिला स्तरीय अंतर महविद्यालयी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें स्लोगन, भाषण, पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिले के 10 महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने इसमें भाग लिया इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या व जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी रितिका गुप्ता ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के लिए प्रोत्साहित किया और नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में भी छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। प्राचार्या ने प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। भाषण प्रतियोगिता में केएल मेहता महाविद्यालय की मेघा कश्यप ने प्रथम, अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ से रिद्धिमा ने द्वितीय, श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय बल्लभगढ़ से कशिश और राजकीय महाविद्यालय मोहना से श्रुति तृतीय स्थान पर रही।वहीं, स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय बल्लभगढ़ से मनीषा ने प्रथम, राजकीय महाविद्यालय तिगांव से अवधेश कुमार ने द्वितीय और केएल मेहता महाविद्यालय की सुप्रिती पात्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन में अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ से कल्पना ने प्रथम, के एल मेहता महाविद्यालय से कोमल ने द्वितीय, श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय बल्लभगढ़ से मेघा तृतीय स्थान पर रही।

भाजपा स्थापना दिवस पर पलवल में ध्वजारोहण, 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प के साथ कार्यकर्ताओं का सम्मान

पलवल। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर पलवल स्थित भाजपा जिला कार्यालय में सोमवार को ध्वजारोहण एवं कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प के साथ देश सेवा और संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विपिन बैसला ने ध्वजारोहण कर पार्टी के संस्थापक नेताओं को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा आज जिस ऊंचाई पर पहुंची है, वह लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और निष्ठा का परिणाम है। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया गया और उनके योगदान की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि संगठन की असली शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो हर परिस्थिति में पार्टी की विचारधारा को मजबूत करते हैं।नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वहीं नायाब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। साथ ही संगठन को मजबूत दिशा देने में मोहन लाल बड़ोली तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की भूमिका को भी सराहा गया। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हरेंद्रपाल राणा जयराम प्रजापति सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प लिया।

फैशन के नाम पर लाखों की ठगी, राजस्थान से दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। इंस्टाग्राम आईडी पर मॉडल फैशन के नाम से सूट खरीदने का विज्ञापन दिखाकर करीब डेढ लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में साइबर थाना सैंट्रल पुलिस ने दो आरोपियों को राजस्थान के जयपुर से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राजस्थान निवासी सोनू व कुलदीप के रुप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों को सोमवार अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पुलिस प्रवक्ता अनुसार शिकायतकर्ता को फोन चलाते समय इंस्टाग्राम आईडी पर मॉडल फैशन नाम से सूट खरीदने का विज्ञापन दिखाई दिया। जहां पर फोन नम्बर भी उपलब्ध कराया हुआ था। जिस नम्बर पर व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क कर एक सूट सलेक्ट करके पेमेंट करने बारे पूछा तो ठगों ने उसके पास स्कैनर भेजा और 1299 रुपए की पेमेंट करने के लिये कहा, जिस पर शिकायतकर्ता ने भुगतान कर दिया। इसके बाद पेमेंट ना आने का बहाना बनाकर ठगों ने उससे लगातार पैसे वसूले और एक लाख 51 हजार 255 रुपए ठग लिये और फिर ठगों ने उसका फोन उठाना भी बंद कर दिया। जिस शिकायत पर साइबर थाना सैंट्रल में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि दोनों दोस्त है और जयपुर में बीए की पढाई कर रहे हैं।

दीनबंधु छोटूराम ईमानदारी, सामाजिक न्याय और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक थे : उपराष्ट्रपति

चंडीगढ़, (एजेंसी)।

भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णनन ने आज हरियाणा के सोनीपत स्थित दीनबंधु छोटूराम यूनिवर्सिटी ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के 8वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।उपराष्ट्रपति ने दीनबंधु छोटूराम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें ईमानदारी, सामाजिक न्याय और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि दीनबंधु छोटूराम ने किसानों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं और न्यायसंगत भूमि व्यवस्था पर छोटूराम के प्रयास ने एक मजबूत कृषि ढांचे की नींव रखी, जिससे हरियाणा एक समृद्ध कृषि राज्य के रूप में उभरा और देश की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए उपराष्ट्रपति ने बताया कि स्वर्ण पदक विजेताओं में लगभग 64 प्रतिशत महिलाएं हैं और कुल उत्तीर्ण छात्रों में भी लगभग 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण और 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव का परिणाम बताया।

उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नवाचार, आत्मविश्वास और स्वदेशी समाधानों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कोविड -19 महामारी के दौरान भारत की भूमिका को याद करते हुए कहा कि जहां कई देशों ने वैक्सीन पर पेटेंट के माध्यम से लाभ कमाने की कोशिश की, वहीं भारत ने न केवल अपने नागरिकों को मुफ्त टीके उपलब्ध कराए, बल्कि 100 से अधिक देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराकर अपनी उदारता का परिचय दिया।

उपराष्ट्रपति ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटिंग और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे उभरते क्षेत्रों की चर्चा करते हुए छात्रों से इन्हें जिम्मेदारी के साथ अपनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

उन्होंने नशे की बढ़ती समस्या पर चिंता जताते हुए युवाओं से इसे पूरी तरह त्यागने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवन अपनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं को नशा मुक्त समाज के दूत बनने के लिए प्रेरित किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और कठिनाइयों से उबरने की क्षमता से तय होती है। उन्होंने छात्रों को धैर्य और साहस के साथ चुनौतियों का सामना करने की सलाह देते हुए कहा कि धर्म की हमेशा अधर्म पर विजय होती है।

उपराष्ट्रपति ने शिक्षा में औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि सच्ची शिक्षा व्यक्ति को स्वतंत्र सोच, आत्मविश्वास और भारतीय विरासत पर गर्व करना सिखाती है।

इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री असीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, सहकारिता मंत्री श्री अरविन्द कुमार शर्मा तथा विश्वविद्यालय के कुलपति श्री प्रकाश सिंह भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

अब मैं स्वस्थ हूं

झुकी कमर और रीढ़ में फ्रैक्चर से बचाव में कारगर है नई तकनीक वर्टिब्रोप्लास्टी।

झुकी कमर और रीढ़ में फ्रैक्चर को लोग अक्सर बुढ़ापे का सामान्य लक्षण मान कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन, वे यह नहीं जानते कि यह हड्डियों को खोखली और भुरभुरी बना देने वाली ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी का लक्षण है, जिसकी अनदेखी न केवल जीवन भर के लिए अपाहिज बना सकती है बल्कि असामयिक मौत का कारण भी बन सकती है। इस बीमारी से ग्रस्त लोगों के लिए वर्टिब्रोप्लास्टी एक बड़ी उम्मीद बन पड़ी है। इसकी मदद से आधे घंटे में न सिर्फ झुकी कमर की समस्या से निजात पाया जा सकता है, बल्कि भविष्य में रीढ़ में हो सकने वाले फ्रैक्चर के खतरे को भी टाला जा सकता है।

कमर दर्द से निजात

गुड़गांव में स्पाइन और न्यूरो सर्जन डॉ. विजयशील कुमार बताते हैं कि ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले कूबड़पन, कमर दर्द और रीढ़ फ्रैक्चर के लिए वर्टिब्रोप्लास्टी बेहतर इलाज है। इसके जरिए रीढ़ में दोबारा फ्रैक्चर होने से रोका जा सकता है।

ऑस्टियोपोरोसिस एक खतरा

बुढ़ापे में ऑस्टियोपोरोसिस के कारण पीठ झुकने को चिकित्सकीय भाषा में स्पाइनल कंप्रेशन फ्रैक्चर कहा जाता है। इसमें पीठ झुकती चली जाती है और मरीज की लंबाई 15 से 20 फीसदी घट जाती है। कमर में अक्सर तेज दर्द होता है और शरीर का आकार-प्रकार स्थायी तौर पर बिगड़ जाता है। देश में 30 करोड़ से अधिक लोग ऑस्टियोपोरोसिस के कारण हर साल 15 लाख लोगों की रीढ़ और कूल्हे की हड्डी में फ्रैक्चर होते हैं। इसमें आम तौर पर खिड़की खोलने, गिर जाने या कोई सामान उठाने आदि के दौरान रीढ़ में फ्रैक्चर होते हैं। ऑस्टियोपोरोसिस के गंभीर रूप से बढ़ जाने पर छींकने, खांसने और करवट बदलने पर भी रीढ़ में फ्रैक्चर हो जाता है।

वर्टिब्रोप्लास्टी एक नई किरण

डॉ. विजयशील कुमार बताते हैं कि कुछ साल तक ऑस्टियोपोरोसिस के कारण हड्डियों में फ्रैक्चर होने पर रोगी की मृत्यु हो जाती थी, खासकर कूल्हे का फ्रैक्चर होने पर चल नहीं पाने और बिस्तर पर लेटे रहने के कारण 10 से 9 लोगों की मृत्यु फ्रैक्चर होने से छह महीने के भीतर ही हो जाती थी। उनकी मृत्यु बेड सोर, छाती में संक्रमण, पेशाब में संक्रमण और पैर की नसों में खून जम जाने आदि के कारण होती थी। लेकिन वर्टिब्रोप्लास्टी जैसी तकनीक ने ऑस्टियोपोरोसिस के मरीजों में सामान्य जीवन जीने की उम्मीद पैदा कर दी है।

डॉ. कुमार के अनुसार वर्टिब्रोप्लास्टी में इमेजिंग गाइडेंस की मदद से रीढ़ में बोन सीमेंट भर कर रीढ़ के टूटे हुए या अस्थिर हो चुके हिस्से को स्थिर कर दिया जाता है। इससे कुछ ही घंटों में कमर दर्द खत्म हो जाता है और रीढ़ को और नुकसान नहीं पहुंचता। बोन सीमेंट 20 मिनट में कड़ा हो जाता है और फ्रैक्चर को स्थिर कर देता है। इससे हड्डियों की रगड़ से होने वाला दर्द भी बंद हो जाता है। वर्टिब्रोप्लास्टी के लिए अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं होती। इसके लिए मरीज को बेहोश भी नहीं करना पड़ता। केवल एक चीरा लगाने की जरूरत पड़ती है। मरीज एक घंटे बाद चल फिर सकता है। डेढ़ से तीन महीने में वह पूरी तरह ठीक हो जाता है।

हेल्थ प्लस

पेट की जलन का उपचार

हार्ट बर्न पाचन क्रिया में परेशानी से संबंधित एक तकलीफ है। पाचन क्रिया की यह परेशानी ज्यादातर भोजन और बैठने की अवस्था की वजह से उत्पन्न होती है। लेकिन ऐंटाएसिड के सेवन के बाद इसमें आराम मिल जाता है। हार्ट बर्न पेट की माँसपेशियों के कमजोर होने की वजह से उत्पन्न होती है। हार्ट बर्न में होने वाला दर्द लगभग 2 घंटे तक बना रहता है और कुछ खाने के बाद और भी बढ़ जाता है।

कई बार सीधे खड़े होने से इस दर्द में आराम मिल जाता है। हार्ट बर्न के कई कारणों में शामिल हैं-

- मसालेदार भोजन का सेवन।
- ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन जिसको पचने में ज्यादा समय लगे।
- धूम्रपान
- गर्भावस्था
- भोजन का अनियमित होना
- मोटापा

हमारे द्वारा खाया गया भोजन, भोजन-नलिका से होता हुआ हमारे पेट तक पहुँचता है। इस नलिका के निचले भाग में एक वॉल्व होता है जिसे 'लोअर इसोफेगियल स्फिन्क्टर'(एलइएस) कहा जाता है। यह एलइएस नलिका से भोजन को पूरी तरह निकालने में सहायक होता है।

यह वॉल्व जब अपना कार्य ठीक से नहीं कर पाता है तब एसिड पेट तक पहुँच जाता है। अत्याधिक एसिड से पेट पर दबाव पड़ता है तब उसके परिणामस्वरूप एसिड भोजन-नलिका तक पहुँचकर जलन पैदा करता है।

इस परेशानी के निवारण के लिए बहुत सी दवाईयाँ उपलब्ध हैं। 'फेन्नल सीड' से बनाई गई चाय भी इस परेशानी में बहुत आराम पहुँचाती है। साथ ही केले का सेवन करने से भी इस परेशानी में राहत मिलती है।

उपयोगी जड़ी बूटियां

इन जड़ी बूटियों को अपनाकर बच्चों को स्वस्थ रख सकते हैं।

आंवला

इसका नियमित उपयोग बच्चों में उनकी रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाता है। कब्ज में फायदेमंद है।

ब्राम्ही

बुद्धि का समुचित विकास विकास करने में सहायक है। स्मरणशक्ति वर्द्धक है। बुखार होने पर इसके पत्तों को उबालें और काढ़ा बनाकर पिलाने से आराम मिलता है। पीलिया होने पर इसके पौधे का रस सेवन करने से फायदा होता है।

तुलसी

सर्दी,जुकाम,खांसी में अति उपयोगी है। यह शारीरिक रोगप्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि करती है।

बिल्व/बेल

कच्चे बेल के फल की मज्जा को सुखाकर और चूर्ण बनाकर अतिसार की स्थिति में उपयोग करने से आराम मिलता है। यह वमन में भी उपयोगी है।

शिरीष

एंटी-अस्थमेटिक के रूप में अत्यंत उपयोगी है। अस्थमा अटैक के समय इसके उपयोग से श्वास नली विस्फारित होती है और व्यक्तिको आराम मिलता है।

मुलेठी

खांसी में बलगम को निकाल कर आराम दिलाता है। रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

पिप्पली

खांसी और दमा रोग में इसके चूर्ण को शहद के साथ देने से लाभ होता है। प्लीहा वृद्धि में उपयोगी है।

हरड़

हरीतकी चूर्ण को शहद और पिप्पली चूर्ण के साथ मिलाकर सेवन करने से खांसी में आराम मिलता है। कब्ज होने पर हरड़ के छिलके को पानी में उबालकर सेवन करने से फायदा होता है।

हल्दी

एलर्जिक खांसी, दमा में इसका नियमित सेवन अत्यंत उपयोगी है। जीवाणुरोधी के रूप में त्वचा रोगों में स्थानिक उपयोग में बेहद फायदेमंद साबित हुई है।

नारियल के गुणकारी उपयोग

कृमिनाशक

नारियल का पानी पीने और कच्चा नारियल खाने से कृमि निकल जाते हैं।

बाल गिरना

नारियल का तेल सिर में लगाने से बाल गिरना बंद होकर बाल लंबे होते हैं।

खुजली

50 ग्राम नारियल के तेल में दो नींबू का रस मिलाकर मालिश करने से खुजली कम होती है।

सिरदर्द

नारियल की 25 ग्राम सूखी गिरी और इतनी ही मिश्री सूर्य उगने से पहले खाने से सिरदर्द बंद हो जाता है।

नकसीर

प्रात: भूखे पेट 25 ग्राम नारियल खाने से नकसीर आना बंद होता है। इसे सात दिन तक खाना चाहिए।

आँखों के सामान्य रोग

नारियल की 25 ग्राम सूखी गिरी और 60 ग्राम शक्कर प्रतिदिन एक सप्ताह तक खाने से लाभ होता है।

जीभ फटना

पान खाने से जीभ फट गई हो तो नारियल की गिरी और मिश्री मिलाकर चबाने से लाभ होता है।

जलाभाव (डी-हाइड्रेशन)

उलटी, दस्त, तेज ज्वर या किसी भी कारण से जलाभाव हो जाए तो कच्चे नारियल के पानी में स्वादानुसार नीबू निचोड़कर पानी बार-बार पिलाते रहने से जलाभाव नहीं होता।

चेहरे के दाग-धब्बे

चेहरे पर नारियल का पानी नित्य दो बार लगाते रहने से चेहरे के कील, मुँहासे, दाग, धब्बे, चेचक के निशान आदि दूर हो जाते हैं।

सुंदर संतान

रोज एक नारियल का पानी गर्भावस्था में पीते रहने से सुंदर संतान का जन्म होता है।

टी.बी.

रोज 25 ग्राम कच्चा नारियल खाने से या पीसकर पीने से टी.बी. के कीटाणु खत्म होते हैं।

बुखार

नारियल का पानी पीने से तेज बुखार कम होता है।

नाखून

नारियल के तेल की मालिश नाखूनों पर करने से नाखूनों की स्वाभाविक चमक और आयु बढ़ जाती है।

रक्तस्त्रावी बवासीर

नारियल की जटा जलाकर पीसकर बूरा मिलाकर दस-दस ग्राम की फंकी पानी के साथ लें।

पुष्टता

नारियल शरीर को पुष्ट करता है। मस्तिष्क की दुर्बलता दूर करता है।

गर्भावस्था

नारियल का गोला और मिश्री 25-25 ग्राम खाने से प्रसव में दर्द नहीं होता। संतान हष्ट-पुष्ट होती है। कच्चा नारियल विशेष लाभदायक होता है।

शरीर की गर्मी

नारियल के तेल में पानी मिलाकर भली प्रकार मथकर सिर व तलवों पर मालिश करने से शरीर की गर्मी शांत होती है।

पथरी

नारियल का पानी पीने से पथरी निकल जाती है।

सावधानी : खाँसी और दमा वालों को नारियल नहीं खाना चाहिए।

फलों के रस से सेहत बनाएँ

मिश्रित रसों के असरकारी परिणाम

लकवा

लकवा होने पर सेव, अंगूर और नाशपाती के रसों को समान मात्रा में मिलाकर पीना चाहिए। इससे लकवा ठीक हो जाता है। यह कुछ महीने पीना होगा।

सिर दर्द

10 औंस गाजर का रस और 6 औंस पालक का रस मिलाकर पीने से मुँहासे, कण्ठलूशाक, श्वेत पदार्थ निकलना या ऐल्ब्युमिन, दमा, मधुमेह, सिरदर्द, अनिद्रा, यकृत रोग, आधे सिर दर्द के रोग ठीक हो जाते हैं।

वात रोग

12 औंस गाजर का रस और 4 औंस पालक का रस मिलाकर पीने से रक्ताल्पता, हृदयशूल, दृष्टि वैषम्य, कम व अतिरक्तदाब, फोड़े-फुंसी, ब्राइट्स डिजीज, कैंसर, श्वासनली शोथ, मोतियाबिंद, जुकाम लगना, कब्ज, नेत्र रोग, गल-गण्ड, बवासीर, हर्निया, फ्लू, गुर्दे के रोग स्नायुविक और वात रोग ठीक हो जाते हैं।

श्वास में बदबू

8 औंस गाजर का रस, 4 औंस पालक का रस, 4 औंस ककड़ी का रस मिलाकर पीने से श्वास में बदबू आना ठीक हो जाता है।

मोटापा

एक नींबू गर्म पानी में प्रात: पीएँ। इसके बाद 12 औंस गाजर का रस और 4 औंस पालक का रस मिलाकर पीएँ। इससे मोटापा कम होता है।

कब्ज

पालक और लाल टमाटर का रस कच्चा पीने से मूत्र अधिक आता है, कब्ज दूर होती है।

सौंदर्यवर्द्धक

गाजर, टमाटर, संतरा और चुकन्दर प्रत्येक का रस 25 ग्राम नित्य दो माह तक पीने से चेहरे की छाया, दाग, मुँहासे दूर होकर चेहरा सुंदर और साफ हो जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन दी दू थ झ ञ द दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3851

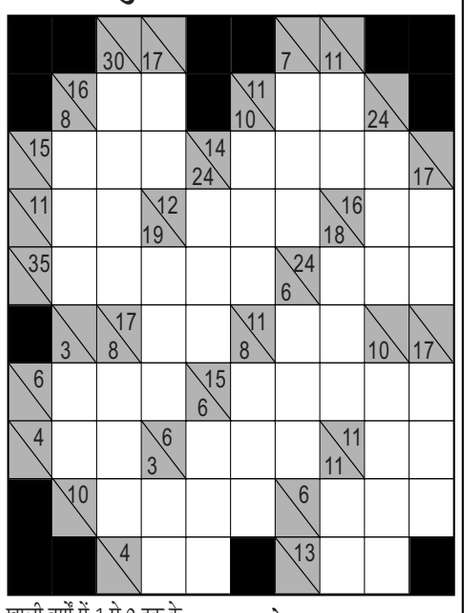

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

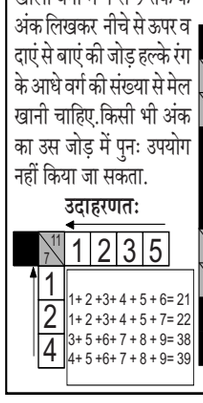

काकुरो - 3850 का हल

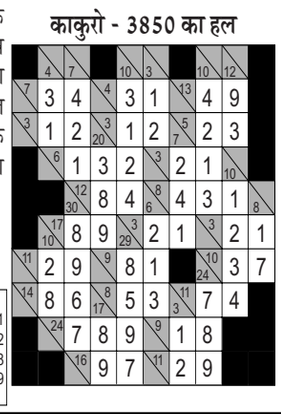

हंसी के फव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति-'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

□ □ □

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था,यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी-'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

□ □ □

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला-'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा -'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3851

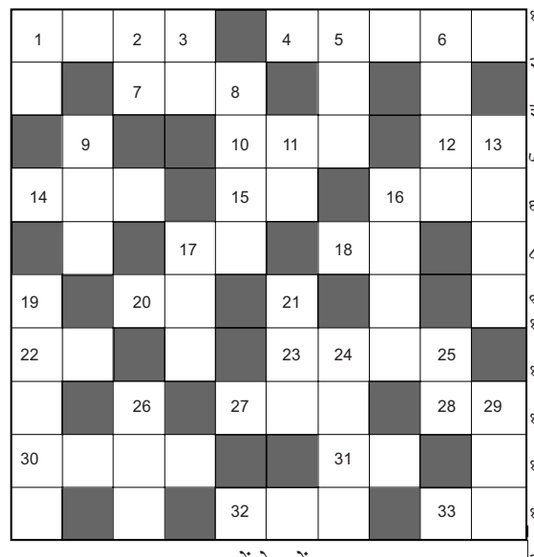

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है ?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3850

उ	म्मी	द		छ	लि	या		मे	ला
त्स		डॉ	न		बा	श	द	री	
व	च	न		वा	स	ना		जं	ग
	र		सौ	दा			आ	ग	
आ	स	रा			पा	की	जा		ग
रा		जा	नू		ल		द	रा	र
ध	र्मी		त	र	की	ब			म
ना		जी	न	त		ना	च		म
		ने		न	ज	र		प्या	सा
खा	न	दो	स्त			स	नी		ला

सूडोकु -3851

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3850 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 3851

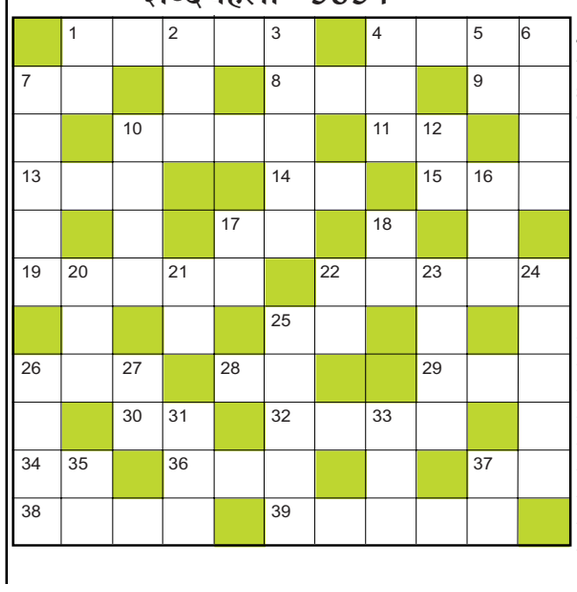

बाएँ से दाएँ

1. पावर हाऊस -5
4. दिमागी,कल्पित-4
7. हृदय-2
8. खोदना-3
9. प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10. नुकीला-4
11. कलिका-2
13. प्यारा,लाडला-3
14. विशिष्ट,विशेष-2
15. खर्च,उपभोग-3
17. नौका-2
19. नाम करण-2,3
22. चमकीला-5
25. महोदय (अंग्रेजी-2)
26. रनिवास,जनवासा-3
28. संध्या,सांझ-2
29. दलना,महीन करना-3
30. जस,सम्मान -2
32. कारागृह-4
34. आलाप,लय,सुर-2
36. पागल स्त्री-3
37. इंकार,मना-2
38. सराबोर,सना हुआ -4
39. वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1. चूहे का घर-2
2. नेता-3
3. सार-संभार-2,3
4. आदर्श,कसौटी-3
5. छाती-2
6. अचरज भरा कार्य-4
7. हृदय को ठेस लगना-5
10. अनवरत वर्षा-4
12. जूं का अंडा-2
16. ओट,घूंघट-3
17. मां के पिता-2
18. दुख,कष्ट-2
20. राष्ट्रीय पक्षी-3
21. पत्र,लैटर-2
22. गुप्तचर,दूत-2
23. कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24. रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25. समयुगीन,समवर्ती-5
26. बंद,स्ट्राइक-4
27. सुरा,शराब-2
31. वचन,प्रतिज्ञा-3
33. बंदर-3
35. नथनी,नथिया-2
37. शहद-2

शब्द पहेली -3850 का हल

आ	स		म	न		रा	ख	फां	श
म	न	न		शा	न		र	न	क
	म	क	र		त	न		र	म
का		ल	ह	जा		भ	ला		द	म
या	क		ना	ति	न		वा	द		र्ज
	र	वा		य	म	ज		म	जा	
न		दा	स		क	त	रा		र	मा
ब	न		ही	ना		न	ज	र		ला
	ल	त		ज	रा		न	म	न	
का		न	शा		त	र		ल	क	वा
ल	क्ष		क	र्ज		थ	ल		ल	त

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

निःशुल्क प्री स्क्रीनिंग शिविर में 130 बच्चों ने उठाया लाभ

वाराणसी (एजेंसी) । वाराणसी में भिखारीपुर स्थित एपेक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में निदेशक एवं वरिष्ठ ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉ. स्वरूप पटेल द्वारा ईश्वर के.बी.एच एनजीओ के सहयोग से हाथ-पैर की जन्मजात समस्या, टेढ़े पैर, चलने में दिक्कत आदि से ग्रस्त 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोमवार को निशुल्क जांच, सर्जरी और कृत्रिम अंग (फिटमेंट) की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से निःशुल्क प्री स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में उत्तर-प्रदेश और विशेष रूप से पूर्वांचल, बिहार, मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 130 बच्चों ने फ्री स्क्रीनिंग का लाभ उठाया। स्क्रीनिंग के आधार पर ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट डॉ सौम्याश्री ने बच्चों को निःशुल्क व्यावहारिक फिजिकल एक्सर्साइज, एंडोलाइट के कमलेश भारती द्वारा 62 बच्चों को निःशुल्क कृत्रिम अंगों, प्रॉस्थेसिस एवं फिटमेंट देने हेतु मेजरमेन्ट किया। निदेशक एवं वरिष्ठ ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉ. स्वरूप पटेल ने बताया कि सर्जरी योग्य चयनित 24 बच्चों को आगामी 22 से 28 अप्रैल में निःशुल्क सर्जरी के लिए बुलाया गया है तथा उसी दौरान कृत्रिम अंग या कैलिपर भी मुफ्त लगाए जाएंगे।निःशुल्क सर्जरी एपेक्स के ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉ. स्वरूप पटेल, ऑस्ट्रिया के डॉ अर्नस्ट ऑरथनर और जर्मनी के डॉ थॉर्स्टन अंतरराष्ट्रीय सर्जनों के संयुक्त तत्वाधान में की जाएगी।

पारिवारिक विवाद में युवक ने लगाई फांसी

मीरजापुर (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में राजगढ़ थाना क्षेत्र के सेमरी गांव में रविवार देर रात एक युवक ने पारिवारिक विवाद के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सेमरी निवासी 36 वर्षीय कमलेश शर्मा पेशे से नाई थे और गांव में बाल काटकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। रविवार रात परिवार के सदस्य भोजन के बाद सो गए थे। इसी दौरान कमलेश घर के बाहर बने मड़हे में गए और बड़ेर में रस्सी के सहारे फांसी लगा ली। काफी देर तक नजर न आने पर परिजन उन्हें खोजते हुए बाहर पहुंचे, जहां मड़हे में उनका शव फंदे से लटका मिला। यह दृश्य देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि पारिवारिक कलह के चलते युवक ने यह कदम उठाया। मृतक के पीछे 10 और 8 वर्ष के दो मासूम बेटे हैं। घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मेडिकल कॉलेज के छात्र की उपचार के दौरान मौत

प्रयागराज (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित जार्जटाउन थाना क्षेत्र के अल्लापुर निवासी एक मेडिकल छात्र की रविवार देर रात उपचार के दौरान स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि प्रयागराज के अल्लापुर निवासी आदित्य (29) पुत्र दिलीप, मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में जेआर द्वितीय वर्ष के छात्र थे। उनकी तबीयत खराब होने पर उन्हें स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था, जहां रविवार देर रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर जार्जटाउन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मृत्यु का स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा। डीसीपी नगर ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के छात्र की उपचार के दौरान मौत की सूचना प्राप्त हुई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

काशी से उमड़ा आस्था का सैलाब, बधावा लेकर रातभर शीतला धाम पहुंचे भगत

मीरजापुर (एजेंसी) । उप्र के मीरजापुर में अदलपुरा स्थित बड़ी मां शीतला धाम में रविवार रात आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला, जब काशी से हजारों की संख्या में भगत बधावा लेकर मां के दरबार पहुंचे। रात 11 बजे से लेकर भोर तक श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर और घाट तक लगी रहीं। ढोल-नगाड़ों, डीजे और रोड लाइट की जगमगाहट के बीच नाचते-गाते श्रद्धालु जय मां शीतलाह्व के जयघोष के साथ धाम की ओर बढ़ते रहे। हाथों में फरहरा झंडा और दीप लिए महिला-पुरुष भगतों की टोली पूरे रास्ते भक्ति में डूबी नजर आई। अदलपुरा शीतला घाट फरहरा झंडों से पटा रहा, जहां हर ओर रंग-बिरंगे ध्वज और भक्ति का उत्साह दिखाई दिया। भगत गंगा स्नान के बाद मां के दरबार में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर बधावा अर्पित करते रहे। पूरी रात मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। भक्ति, संगीत और आस्था के संगम ने अदलपुरा शीतला धाम को एक बार फिर श्रद्धा के महाकुंभ में बदल दिया, जहां हर भक्त मां के दरबार में हाजिरी लगाकर धन्य होता नजर आया।

सड़क के किनारे घायल अवस्था में मिले दो युवकों की इलाज के दौरान मौत

अमेठी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले के कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत दुगार्पुर रोड स्थित बाईपास पर सड़क के किनारे घायल अवस्था में मिले दो युवकों की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल रवि कुमार सिंह ने सोमवार को बताया कि अनिकेत सिंह (22) और सुजल सिंह (23) रोशनी मजरे कोरारी गिरधरशाह के रहने वाले थे। यह दोनों युवक बाइक से एक निमंत्रण में हथकिला गए थे। रविवार रात 8:30 बजे वापस अपने घर लौट रहे थे। वे दोनों संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क के किनारे घायल अवस्था में पाए गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल गौरीगंज ले गये, जहां पर इलाज के दौरान अनिकेत की मौत हो गई। सुजल को गंभीर अवस्था में परिजन लखनऊ लेकर जा रहे थे कि रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। अनिकेत अपने घर का इकलौता संतान था, जिसकी मृत्यु के बाद परिजन सदमे में है। कोतवाल ने बताया कि पुलिस ने पंचायत नामा भरते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पीड़ित परिजनों की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

सीएम योगी की मीडिया को नसीहत: पत्रकारिता के मूल्यों और आदर्शों से ही बचेगा जनविश्वास

गोरखपुर (एजेंसी) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि पत्रकारिता के अलग-अलग आयामों के बीच परस्पर समन्वय होना आवश्यक है। यदि किसी एक ही तथ्य को मीडिया के अलग-अलग आयाम भिन्न-भिन्न तरीके और दृष्टिकोण से प्रस्तुत करेंगे तो आमजनमानस के सामने कन्फ्यूजन की स्थिति होगी। ऐसी स्थिति मीडिया के प्रति जनविश्वास को भी प्रभावित करेगी। इसलिए यह आवश्यक है कि मीडिया के सभी अंग समान मानक, मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। सिविल लाइंस स्थित गोरखपुर क्लब सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पत्रकारिता में विभिन्न प्रकार की चुनौतियां हैं। पत्रकारिता में प्रिंट मीडिया, विजुअल मीडिया, डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के स्वरूप हैं। आज परिवारों में प्रत्येक सदस्य का रूझान मीडिया के अलग अलग रूपों में रहता है। उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता के सभी रूपों को समग्रता के साथ जोड़ने की मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पत्रकारिता को स्वयं को बेलगाम नहीं होने देना है बल्कि पत्रकारिता के मूल्यों व आर्दशों के साथ आगे बढ़ाना है। भारत में 200 वर्ष के पत्रकारिता का मूलभाव राष्ट्र सेवा, समाज सेवा व एक भारत श्रेष्ठ भारत का भाव रहा है। हमें इसी भाव के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज मीडिया में एक ऐसा भी वर्ग है जो समाज को गुमराह कर-के अशांति फैलाने का कार्य करता है। यह वर्ष हिन्दी पत्रकारिता के लिए बहुत महत्वपूर्ण मुख्यमंत्री ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी पत्रकारिता ने भारतीय लोकतंत्र को मजबूती दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष हिन्दी पत्रकारिता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि 200 वर्ष पहले हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कोलकता से हुई थी। 30 मई 1826 को जुगुल किशोर शुक्ल ने हिन्दी के पहले समाचार पत्र उदंत मार्तण्ड का शुभारम्भ किया था। जब उन्होंने पत्र निकाला तब देश गुलाम था। उन्होंने देश की आजादी के स्वर को तेज करने के लिए पत्रकारिता को माध्यम बनाया था। 200 वर्ष से बिना रूके, बिना थके, बिना डिगे पत्रकारिता की शानदार यात्रा आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की स्थापना 1998 में हुई। इसमें शामिल सदस्यों को तत्कालीन मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का सानिध्य प्राप्त था। विगत वर्ष भी गोरखपुर प्रेस क्लब के सदस्यों को शपथ समारोह में शामिल होने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ था। गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की स्थापना में, अध्यक्ष के रूप में एसपी त्रिपाठी तथा सचिव के रूप में अरविन्द शुक्ला ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया था। महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने दिलाई शपथ समारोह में महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों अध्यक्ष ओंकार धर द्विवेदी, उपाध्यक्ष धनेश कुमार, महामंत्री पंकज श्रीवास्तव, संयुक्त मंत्री महेंद्र गौड़, कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, पुस्तकालय मंत्री संजय कुमार, कार्यकारिणी सदस्य मनोज कुमार मिश्रा, रजनीश त्रिपाठी और अजीत सिंह को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में स्वागत संबोधन प्रेस क्लब अध्यक्ष ओंकार धर द्विवेदी ने जबकि संचालन गजेंद्र त्रिपाठी और प्रेम पराया ने किया। इस अवसर पर सांसद रवि किशन शुक्ल, विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा के प्रदेश के उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास सहित बड़ी संख्या में पत्रकारों की सहभागिता रही।

बेटे की हत्या के मामले में पिता ने खलासी के विरुद्ध केस दर्ज कराया

सुलतानपुर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में हाइवे किनारे ट्रक में मिले ड्राइवर के शव के मामले में एफआईआर दर्ज की गयी है। मृतक चालक के पिता ने ट्रक पर मौजूद खलासी के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पोस्टमार्टम में मृतक के सिर पर धारदार हथियार के तीन निशान मिलें हैं। लखनऊ-वाराणसी हाइवे पर कोतवाली नगर के पयागीपुर स्थित 400 केवी के पास रविवार को खड़े ट्रक में प्रयागराज निवासी ड्राइवर प्रदीप यादव का शव मिला था। ट्रक मालिक संजय खत्री के अनुसार, उनका ट्रक बहराइच से लौट रहा था। ड्राइवर से सम्पर्क नहीं होने पर उन्होंने जीपीएस के माध्यम से ट्रक को ट्रेस किया। मौके पर पहुंचने पर ट्रक में ड्राइवर का शव पड़ा था, उसकी हत्या की गई थी। उसके सिर पर चोट के निशान मिले थे। चालक 15 दिनों से बिहार-महाराष्ट्र के रूट पर था ऐसे में कुछ नगदी भी उसके पास थी, जो मौके से गायब मिली। पुलिस ने मृतक ड्राइवर के परिजनों को सूचना दी, परिजन रात को कोतवाली नगर पहुंचे। मृतक ड्राइवर के पिता राम अधार ने ट्रक के खलासी संजय शर्मा के विरूद्ध नामजद तहरीर दी। अपर पुलिस अधीक्षक अखण्ड प्रताप सिंह ने सोमवार को बताया कि मृतक ड्राइवर के पिता राम अधार ने ट्रक के खलासी संजय शर्मा के विरूद्ध नामजद तहरीर दी है। इसके आधार पर अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है । ट्रक के मालिक ने पुलिस को दिए बयान में बताया था कि ट्रक में कोई भी खलासी नहीं था। ड्राइवर प्रदीप अकेले ही ट्रक पर काम करता था । फिलहाल पुलिस अभी खलासी की तलाश कर रही है ।

श्री संकटमोचन मंदिर के वार्षिक संगीत समारोह में पहली प्रस्तुति रूपवाणी संस्था की नृत्य नाटिका

वाराणसी (एजेंसी) उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में स्थित श्री संकट मोचन मंदिर के छह दिवसीय वार्षिक संगीत समारोह की शुरूआत हनुमत दरबार में सोमवार शाम 7:30 बजे होगी। इसकी पूरी तैयारी हो चुकी है। संगीत रसिक भी मंदिर में जाने माने कलाकारों की प्रस्तुति सुनने और देखने के लिए उत्साहित है। पहले दिन दरबार में रूपवाणी संस्था की प्रस्तुति (नृत्य नाटिका), पं. राहुल शर्मा (संतूर), विधालाल (कथक), एस. आकाश- यद्नेश रायकर (बांसुरी-वायलिन), पद्मश्री मालिनी अवस्थी (गायन), राहुल मिश्रा (तबला सोलो), पं. हरविंदर शर्मा (सितार) सुश्री शिखा भट्टाचार्या (कथक) की प्रस्तुति होगी। मंदिर के महंत प्रो. विश्वम्भर नाथ मिश्र के अनुसार 103वें संगीत समारोह में छह दिनों तक 135 से अधिक कलाकार लगभग 45 प्रस्तुतियां देंगे। इसमें 11पद्म कलाकार हैं। खास बात यह है कि इस बार 21 नए कलाकारों को भी मंच पर प्रस्तुति का अवसर मिलेगा। 06 दिनों में हनुमत दरबार में पहली बार 14 मुस्लिम कलाकार भी अपने संगीत साधना का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष 1923 से प्रतिवर्ष हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में संगीत समारोह आयोजित किया जा रहा है। प्रत्येक दिन सांगीत कार्यक्रम सायंकालीन आरती के बाद 7:30 बजे से आरंभ होगा। प्रातः कालीन आरती तक या उसके बाद तक चलता है। मंदिर में दूसरे दिन मंगलवार को ग्रैमी पुरस्कार विजेता पद्मश्री पंडित विश्वमोहन भट्ट की मोहनवीणा, पं. सुनील भट्ट की सात्विक वीणा का वादन होगा। दूसरे दिन ही पं. रामकुमार मिश्र का तबला वादन, उस्ताद गुलाम अब्बास खान का गायन, उस्ताद अकरम खान का तबला वादन होगा। समारोह में तीसरे दिन पंडित उल्हास कसालकर का गायन, विवेक सुनार का बांसुरी वादन, पद्मश्री जसपिंदर नरूला का गायन, पं. देवाशीष भट्टाचार्य का गिटार वादन, पं. आलोक लाहिड़ी का सरोद वादन का लोग आनंद ले सकेंगे। दरबार में चौथे दिन पं. यू राजेश का मैंडोलिन वादन और पद्मश्री अनूप जलोटा का गायन होगा। पांचवें दिन पद्मश्री पं. शंभू महाराज के पुत्र व शिष्य पं. राम मोहन महाराज का कथक, पद्मश्री देवेंद्र नारायण मजूमदार का सरोद वादन, पद्मश्री रोनू मजूमदार का बांसुरी वादन और पद्मश्री कंकणा बनर्जी का तथा उस्ताद मसकुर अली खान का गायन व बिलाल खान का तबला वादन होगा। दरबार मे छठवें व अन्तिम दिन 11 अप्रैल को पं. रतिकांत महापात्रा और उनकी धर्मपत्नी सुजाता महापात्र ओडिसी नृत्य प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद महताब अली नियाजी का सितार वादन, कलापिनी कोमकली का गायन, सिराज अली खान का सरोद वादन, पंडित अभय रुस्तम सपोरी का शततंत्री वीणा वादन, पंडित अंजू सहाय का तबला वादन की प्रस्तुति देंगे। इसके बाद उस्ताद शाकिर खां (सितार), पं. साजन मिश्र-श्री स्वरांश मिश्र (गायन) की अन्तिम प्रस्तुति होगी।

माँ गोमती जैसी पावन नदी का संरक्षण जनमानस और सरकार दोनों की जिम्मेदारी : वीरेंद्र जायसवाल

लखनऊ (एजेंसी) माँ गोमती के संरक्षण, स्वच्छता एवं पुनर्जीवन के उद्देश्य से 28 मार्च से पीलीभीत से शुरू हुई गोमती दर्शन यात्रा का रविवार शाम लखनऊ स्थित कुड़िया घाट पर समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीरेंद्र जायसवाल ने कहा कि जैसे एक माँ अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार नदियाँ भी मानव जीवन का आधार हैं। उन्होंने कहा कि माँ गोमती जैसी प्राचीन और पावन नदी का संरक्षण जनमानस और सरकार दोनों की समान जिम्मेदारी है। उन्होंने नदियों के किनारे प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर रोक लगाने की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी से अपने दायित्व निभाने का आह्वान किया। यह यात्रा माँ गोमती के उद्गम स्थल माधव टांडा (जनपद पीलीभीत) से प्रारंभ होकर शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी एवं सीतापुर होते हुए लखनऊ के चंद्रिका देवी मंदिर पहुँची और कुड़िया घाट पर आकर सम्पन्न हुई। यात्रा के प्रथम चरण का नेतृत्व गोमती दर्शन के संयोजक एडवोकेट अनुराग पांडेय ने किया, जबकि संस्था की अध्यक्ष श्वेता सिंह ने सहयोग प्रदान किया। समापन समारोह का शुभारंभ माँ गोमती के विधिवत पूजन एवं हवन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य यजमान के रूप में एडवोकेट अनुराग पांडेय एवं श्वेता सिंह उपस्थित रहे। इसके उपरांत आरजे प्रतीक के प्रस्तुत भक्ति गीतों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के क्षेत्र कार्यवाह, पूर्वी उत्तर प्रदेश वीरेंद्र जायसवाल उपस्थित रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वनाथ खेमका (जल सेवक) एवं ललित कपूर ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। मुख्य वक्ता अशोक पांडेय ने कहा कि माँ गोमती रुहेलखंड, मध्यांचल एवं पूर्वांचल की जीवनरेखा है, अतः इसका संरक्षण प्रदेशवासियों के अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट अनुराग तिवारी ने की तथा संचालन सुधीर पांडेय ने किया। कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाओं का दायित्व प्रमुख रूप से रितेश द्विवेदी ने निभाया।

निस्वार्थ सेवा भाव के लिए जाने जाते हैं भाजपा के कार्यकर्ता – शशांक मणि त्रिपाठी

देवरिया (एजेंसी) । भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर सोमवार को जनपद देवरिया के औरा चौरी स्थित कार्यालय में स्थापना दिवस मनाया गया। जनप्रतिनिधियों, कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । इस अवसर पर सदर सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता निस्वार्थ सेवा भाव के लिए जाने जाते हैं। कार्यक्रम में देवरिया सदर से भाजपा सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने सभी पार्टीजनों को पार्टी की स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक सतत चलने वाली पार्टी है, जिसकी नींव के ईंटे हमारे पार्टी के कार्यकर्ता हैं । उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता निस्वार्थ , अटूट समर्पण और सुशासन के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की राष्ट्रवादी सोच और वैचारिक प्रेरणा से जन्मी भाजपा महज एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण का संकल्प है। उन्होंने कहा कि पार्टी भारतीय संस्कृति के ऐतिहासिक महत्व को पुनस्थापित करने का लगातार प्रयास कर रही हैं। पूर्व सांसद डा रमापति त्रिपाठी ने कहा कि जनसंघ से हमारी यात्रा शुरू हुई और आज केंद्र और कई प्रदेशों में हमारी सरकारें हैं । आज भाजपा 14 करोड़ कार्यकताओं के साथ विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है । भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित ह्यएकात्म-मानवदर्शनह्ल को अपने वैचारिक दर्शन के रूप में अपनाया है। साथ ही पार्टी का अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा पर भी विशेष जोर है। पार्टी ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की, जिन्हें पंचनिष्ठा कहते हैं। ये पांच सिद्धांत पंच निष्ठा हैं । राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ निरपेक्षता, गांधीवादी समाजवाद तथा मूल्य आधारित राजनीति। जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृतसंकल्पित है । कार्यक्रम को पूर्व जिलाध्यक्ष विजय कुमार दुबे, मारकंडे शाही, अनिरुद्ध मिश्रा, अंतयार्मी सिंह ने भी संबोधित किया । कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार दुबे ने किया । इस दौरान पंडित गिरीश चंद्र तिवारी पूर्व विधायक डा . सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी, काली प्रसाद, विशंभर मिश्रा, प्रेम अग्रवाल, राजेश कुमार मिश्रा, संजय सिंह एडवोकेट, श्रीनिवास मणि त्रिपाठी मारकंडे तिवारी रमेश तिवारी, गंगा सिंह कुशवाहाए रविंद्र कौशल, प्रमोद शाही, प्रभाकर तिवारी, सत्येंद्र मणि त्रिपाठी, गिरिजेश सिंह, अमित सिंह, रामाज्ञा चौहान, भारती शर्मा, निर्मला गौतम, शोभा यादव, शैलेन्द्र सिंह आजाद, नरेंद्र मिश्रा पप्पू, अभय नाथ त्रिपाठी, काशीपति शुक्ला, ऊषा पासवान, अर्चना पांडे, प्रदीप मधेशिया, सरिता पासवान, राजेश निषाद,राजन यादव,अंकुर राय, वीरेंद्र सिंह, सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उप्र में फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने के लिए चलाया जाएगा विशेष अभियान, अब तक एक करोड़ 72 लाख किसान जुड़े

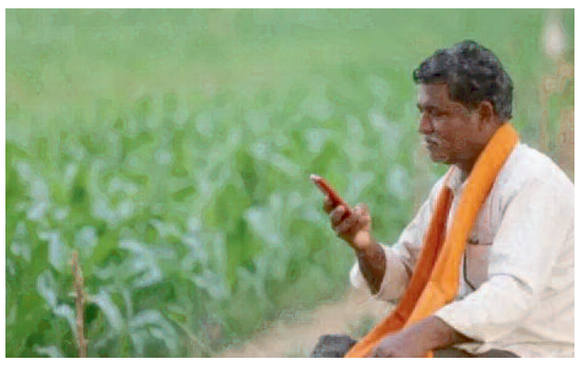

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में अब तक एक करोड़ 72 लाख छह हजार 355 किसान फार्मर रजिस्ट्री से जुड़ गए हैं। इन्हें पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है। किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और सुगम तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उप्र की योगी सरकार फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने के लिए विशेष अभियान चलाएगी। यह अभियान 15 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में संचालित होगा। इसके तहत प्रत्येक ग्राम सचिवालय में कैंप लगाकर किसानों का पंजीकरण कराया जाएगा। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि सरकार की इस पहल का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना है, ताकि उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सहित अन्य कृषि योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। अभियान के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। इन शिविरों के माध्यम से शेष कृषकों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के साथ-साथ नाम संबंधी त्रुटियों का भी तत्काल निराकरण किया जाए। इस कार्य में ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव एवं लेखपालों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें लेखपालों को अपने क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत के कम से कम एक शिविर में उपस्थित रहने को कहा गया। ग्राम प्रधानों और पंचायत सचिवों की अहम भूमिका तय की गई सभी ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों को इस प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा, ताकि हर पात्र किसान का पंजीकरण सुनिश्चित किया जा सके। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे कैंप के दौरान किसानों को आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दें और मौके पर ही रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी कराएं। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश में एक करोड़ 72 लाख छह हजार 355 किसानों को पीएम किसान योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जा चुका है। ये वे किसान हैं जिन्हें पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है। हालांकि, अभी भी बड़ी संख्या में किसान ऐसे हैं, जिनका पंजीकरण बाकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। कृषि विभाग का कहना है कि 15 मई के बाद उन्हीं किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि समेत अन्य योजनाओं का लाभ मिलेगा जिनका फार्मर रजिस्ट्री में रजिस्ट्रेशन है। उल्लेखनीय है कि उप्र सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए एक डिजिटल पोर्टल यूपी फार्मर रजिस्ट्री की शुरूआत की है। इस पहल से न केवल किसानों का सटीक डाटाबेस तैयार होगा, बल्कि भविष्य में कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन में भी पारदर्शिता और तेजी आएगी। साथ ही, किसानों को समय पर आर्थिक सहायता और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी यह रजिस्ट्री महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। राज्य सरकार ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान को मिशन मोड में चलाया जाए और तय समयसीमा के भीतर अधिकतम किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

गर्मियों में इस तरह बनाएं मखाना रायता, स्वाद और सेहत के लिए है बेहद फायदेमंद

मखाना खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसे अंग्रेजी में फॉक्स नट के नाम से जाना जाता है. मखाना कमल के बीजों से बनता है और यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसे स्थानीय भाषा में मखाना कहते हैं. कई लोग इसके नाम से भी परिचित नहीं होंगे, लेकिन यह कई गुणों से भरपूर होता है. यह कई देशों में भी लोकप्रिय है. मखाना वजन कम करने में खा, भूमिका निभाता है, इसके अलावा यह ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में भी खास भूमिका निभाता है. विशेषज्ञों का कहना है कि इसमें मौजूद प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, कार्बोहाइड्रेट और मिनरल्स शरीर के लिए बहुत लाभकारी होते हैं. 2017 में जर्नल ऑफ फूड साइंस में प्रकाशित % मखाना (यूरीएल फेरोक्स सेलिसब) का पोषण और फाइटोकेमिकल विश्लेषण शीर्षक वाले एक अध्ययन में भी यह बात सामने आई थी.

वैसे तो मखाने को आप अपने डाइट में कई तरह से शामिल कर सकते हैं, लेकिन गर्मियों में इसका रायता बनाकर खाना न सिर्फ स्वादिष्ट होता है बल्कि ये सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है. गर्मियां शुरू होते ही हर कोई दही को किसी न किसी रूप में अपनी रोजाना आहार में शामिल कर लेता है. बता दें, गर्म मौसम में दही शरीर को हेल्दी रखने में बहुत मददगार होता है, वहीं मखाने के फायदों को कौन नहीं जानता है, ऐसे में अगर मखाना और दही का कॉम्बिनेशन एक ही रेसिपी में मिल जाए तो क्या ही कहना.

मखाना का रायता बनाने के लिए सामग्री
1 कप दही
2 कप मखाना
1 छोटा चम्मच रायता मसाला
स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर
1 छोटा चम्मच चाट मसाला
1 छोटा चम्मच गरम मसाला
1 चम्मच देसी घी
बारीक कटा हुआ धनिया 1 चम्मच
स्वादानुसार नमक
बनाने की विधी

मखाना का रायता बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन लें और मध्यम आंच पर गर्म करें. फिर इसमें एक चम्मच देसी घी डालकर थोड़ा गर्म होने पर इसमें मखाने डालकर भूनें. जब मखानों का रंग हल्का सुनहरा हो जाए तो गैस बंद कर दें और मखानों को एक प्लेट में निकाल कर अलग रख लें. जब मखाने ठंडे हो जाएं तो इन्हें मिक्सर में डालकर दरदरा कर पीस लें. अब एक बर्तन लें और इसमें दही डालकर अच्छे से फेंट लें. आप चाहें तो दही को मिक्सर ग्राइंडर में डालकर भी फेंट सकते हैं. जब दही अच्छे से मिक्स हो जाए तो इसमें चाट मसाला, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर, रायता मसाला और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छें से मिला लें. अब इसमें में दरदरा पिसा हुआ मखाना डालकर मिला लें. यदि रायता बनने के बाद गाढ़ा लग रहा हो तो इसमें अपनी जरूरत के हिसाब से पानी मिला लें. आपका स्वादिष्ट मखाना रायता बनकर तैयार है. अब इसे हरा धनिया डालकर गार्निश करें और सर्व करें.

गर्मियों में बढ़ जाती है पेट खराब होने की समस्या, डाइट में शामिल करें ये चीजें, मिलेगी राहत

गलत जीवनशैली और खानपान के कारण लोग कई स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार हो रहे हैं. इनमें पेट से संबंधित समस्याएं भी शामिल हैं. पेट से संबंधित समस्याओं के दौरान आपको कब्ज, बवासीर और दस्त का सामना करना पड़ सकता है. इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप अपनी डाइट में कुछ हेल्दी चीजों को शामिल कर सकते हैं, जो पेट से जुड़ी कई समस्याओं से राहत दिलाने में आपकी मदद करेंगी. डॉ. चैताली राठौड़ ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत पाने के लिए डाइट में कुछ खास चीजों को शामिल करने की सलाह दी है.

पेट से संबंधित समस्याओं से राहत पाने के लिए आहार

गरम पानी- दिनभर गर्म पानी पीने से पेट की समस्याओं और कब्ज से राहत मिलती है.

धनिये के बीज- धनिया की तासीर प्राकृतिक रूप से ठंडी होती है धनिया के बीज पेट और एसिडिटी की समस्याओं को रोकते हैं.

अदरक- अपने आहार में अदरक को शामिल करें। इससे पाचन संबंधी समस्याओं से राहत मिल सकती है.

गाय का घी- अपने भोजन में 1 बड़ा चम्मच गाय का घी मिलाएं। इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है.

पुदीने की चाय- वात और पित्त दोषों को संतुलित करने के लिए दिन में एक या दो बार पुदीने की चाय पिएं। पुदीने की पत्तियों को 1 कप पानी में उबालें। आप पुदीने की पत्तियों को चबाकर या छानकर भी भोजन से पहले पी सकते हैं.

मूंग की दाल- हरी मूंग दाल प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है. इसे अपने आहार में शामिल करके आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं.

अंजीर- भीगे हुए अंजीर कब्ज और हाइपरएसिडिटी से राहत दिला सकते हैं.

काला नमक- काला नमक गैस, सूजन और भूख जैसी समस्याओं में सुधार करता है.

अनार- अनार में कई पोषक तत्व और स्वास्थ्य लाभ होते हैं। मीठा अनार पाचन में सहायता करता है, आयरन बढ़ाता है, और हार्मोनल स्वास्थ्य में मदद करता है.

गुलकंद- गुलकंद आईबीएस, कब्ज, हाइपरएसिडिटी और बांझपन में मदद करता है। इसके साथ ही गुलकंद पित्त और वात दोषों को संतुलित करता है. सर्वोत्तम परिणामों के लिए इसे दिन में दो बार 1–2 चम्मच लें.

चेहरे पर पार्लर जैसा निखार लाने के लिए काफी है सिर्फ एक टमाटर, ऐसे करें इस्तेमाल

आप शायद पहले से ही जानते होंगे कि टमाटर कई कारणों से एक सुपरफूड है. यह न केवल आपके पेट के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है, बल्कि आपकी त्वचा के लिए भी चमत्कारी है. टमाटर उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो बिना अधिक पैसे खर्च किए बहुत आसानी से सुंदर और आकर्षक दिखना चाहते हैं. टमाटर में चेहरे की चमक बढ़ाने और त्वचा की कई समस्याओं को ठीक करने की क्षमता होती है. इसमें विटामिन ए, सी और के भरपूर मात्रा में होते हैं. ये विटामिन त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं.

आपको बता दें, टमाटर में ऐसी खटास होती है जो आपकी त्वचा के रोमछिद्रों को खोलने में मददगार होती है और मुंहासों के इलाज में मदद करती है. टमाटर का इस्तेमाल हेल्दी स्किन सेल्स को प्रदूषित करने वाले फ्री रेडिकल्स को हटाने के लिए भी किया जा सकता है. बहुत से लोग अपनी बिजी लाइफस्टाइल के कारण त्वचा की देखभाल पर ध्यान नहीं देते हैं. ऐसे लोगों के लिए घर पर टमाटर का फेस पैक बनाना बहुत आसान है. चेहरे पर काले धब्बे, पिगमेंटेशन, झुर्रियां और एक्स्ट्रा ऑयल को हटाने के लिए यह एक बेहतर उपाय है. टमाटर स्किन को जवां बनाए रखने में भी कारगर है. इस बारे में स्किन एक्सपर्ट ने कुछ खास टिप्स बताए हैं.

इसके लिए सबसे पहले एक ताजे टमाटर को आधा काट लें और फिर इसे अपनी त्वचा पर हल्के हाथों से मसाज करें. 15 से 20 मिनट बाद इसे धो लें. ऐसा करने से स्किन पिगमेंटेशन दूर करने में मदद मिलेगी.

दूसरा तरीका यह है कि एक टमाटर लें और उसे अच्छी तरह से मैश करें और उसमें एक बड़ा चम्मच दही मिलाएं. इसे अच्छी तरह से मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाएं. 15 मिनट बाद इसे गुनगुने पानी से धो लें. यह मुहांसों को रोकने के लिए एक बेहतरीन मास्क है.

वहीं, तीसरा तरीका यह है कि 2 से 3 चम्मच टमाटर की प्यूरी लें और इसमें 1 चम्मच नींबू का रस डालें और मिला लें. अब इस मिश्रण को त्वचा पर लगाकर 10 से 15 मिनट बाद धो लें. यह स्किन पर काले धब्बे और पिगमेंटेशन को हटाने और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करेगा.

चौथा तरीका यह है कि एक टमाटर को पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें. इसमें आधा चम्मच हल्दी पाउडर डालें और मिला लें. इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें. यह मास्क त्वचा की सूजन और रंग परिवर्तन जैसी समस्याओं को दूर करने में प्रभावी है. यह सूर्य की रोशनी से होने वाली त्वचा की क्षति की मरम्मत में भी मदद करेगा.

पांचवा तरीका यह है कि एक टमाटर को आधा काटें और उसपर थोड़ा चीनी छिड़क दें. आप इसका उपयोग अपने चेहरे और गर्दन पर तीन मिनट तक गोलाकार गति में धीरे–धीरे मालिश करने के लिए कर सकते हैं. फिर इसे ठंडे पानी से धो लें. यह डेड स्किन सेल्स को हटाने और त्वचा को नरम बनाने के लिए सबसे अच्छा है. ऐसा करना भी चेहरे की चमक बढ़ाने में कारगर है.

बहुत ज्यादा टेंशन होने पर कैसे करें मन शांत, जानिए काम आने वाले 5 तरीके

रोजाना के बिजी शेड्यूल की वजह से ज्यादा तर लोग खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते। भागदौड़ भरी जिंदगी में बहुत से लोग तनावग्रस्त हैं। तनाव की वजह से मन अशांत रहता है और बड़े फैसले लेना मुश्किल होता है। टेंशन के बीच मन को शांत रखना सरल काम नहीं है, लेकिन नामुमकिन भी नहीं है। छोटे–छोटे तरीकों को अपनाकर आप टेंशन में भी मन को शांत रख सकते हैं।

गहरी सांस लेना

अपनी नाक से गहरी सांस लें और फिर कुछ सेकंड के लिए रोककर रखें बाद में अपने मुंह से धीरे–धीरे सांस छोड़ें। ऐसा करते समय अपनी सांस की अनुभूति पर ध्यान केंद्रित करें।

माइंडफुलनेस प्रेक्टिस आएगी काम

अपने आस–पास के माहौल और शरीर की संवेदनाओं पर ध्यान दें। आप 5–4–3–2–1 तकनीक को आजमा सकते हैं। इसके लिए 5 ऐसी चीजें पहचानें जिन्हें आप देख सकते हैं, 4 ऐसी चीजें जिन्हें आप छू सकते हैं, 3 ऐसी चीजें जिन्हें आप सुन सकते हैं, 2 ऐसी चीजें जिन्हें आप सूंघ सकते हैं और 1 ऐसी चीज जिसे आप चख सकते हैं।

टहलने से मिलेगी मदद

टेंशन के बीच मन को शांत रखने का सबसे अच्छा तरीका है कुछ मिनटों के लिए बाहर निकलें और वॉक करें। इस दौरान अपने आस–पास के वातावरण पर ध्यान केंद्रित करें।

शांत करने वाले म्यूजिक को सुनें

बहुत ज्यादा टेंशन के बीच ऐसा करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। लेकिन अगर आप गलत फैसले लेने से बचना चाहते हैं तो मन शांत करने के लिए शांत करने वाले म्यूजिक को सुनें। म्यूजिक हृदय गति और ब्लडप्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है।

च्युइंग गम आएगी काम

बहुत से लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं लेकिन स्ट्रेस के बीच मन शांत करने में ये आपकी मदद कर सकती है। जब भी आपको तनाव महसूस हो तो च्युइंग गम चबाना शुरू कर दें। दरअसल च्युइंग गम चबाने से तनाव से जुड़े हार्मोन कोर्टिसोल के लेवल को कम करने में मदद मिलती है , जिससे यह तनाव को जल्दी से मैनेज करने में मदद करता है।

बिना एक बूंद तेल डाले सिर्फ 10 मिनट में बनाएं ये तीखी और स्वादिष्ट चटनी

अक्सर ऐसा होता है कि हमारे पास सब्जी का ऑप्शन नहीं होता या सब्जी बनाने का समय नहीं होता, ऐसे में महिलाओं के सामने सवाल होता है कि अब किचन का क्या करें. ऐसे मौकों पर ज्यादातर घरों में आटे या दाल से बनी चीजें बनती हैं. लेकिन आज हम आपके लिए एक अलग ऑप्शन लेकर आए हैं. अगर आपके घर में सब्जी का ऑप्शन नहीं है तो आप ये रेसिपी ट्राई कर सकती हैं.

चटनी बनाने की सामग्री हर किसी के घर में मौजूद होती है. कुछ लोग मिक्सी में पीसकर किसी तरह की चटनी बना लेते हैं या फिर कई तरह की सामग्री और तेल मिलाकर चटनी बना लेते हैं. लेकिन एक ऐसी चटनी भी है जो बिना तेल के बनती है. इसके लिए आपको चूल्हा जलाने की भी जरूरत नहीं है. इसके अलावा इस चटनी को बनाने में ज्यादा मेहनत भी नहीं लगती. ये स्वादिष्ट चटनी बहुत कम सामग्री और बहुत कम समय में बनकर तैयार हो जाती है.

आइए जानते हैं 10 मिनट में बनने वाली प्याज और मिर्च की चटनी बनाने की विधि...

प्याज हरी मिर्च चटनी के लिए आवश्यक सामग्री
हरी मिर्च – 10 से 12
बड़े प्याज – 1
जीरा – 1 छोटा चम्मच
इमली – आवश्यकता अनुसार
छिली हुई लहसुन की कलियां – 10
धनिया पत्ती – आवश्यकता अनुसार
नमक – स्वाद अनुसार
बनाने की विधि

ऐसी मोटी हरी मिर्च चुनें जो आपके द्वारा प्रतिदिन उपयोग की जाने वाली गहरी हरी मिर्च की तुलना में कम हरी हो। क्योंकि मोटी मिर्च पतली मिर्च की तुलना में कम तीखी होती है.

अब मिर्च को बारीक काट लें.

यदि आप चटनी को तीखा बनाना चाहते हैं तो आप इसमें दो या तीन गहरे हरे मिर्च भी डाल सकते हैं.

इमली के टुकड़े लें और उन्हें एक कटोरे में भिगो दें.

लहसुन की कलियां छीलकर अलग रख दें.

अब एक बड़ा प्याज लें और उसे मध्यम आकार के टुकड़ों में काट लें.

फिर उपरोक्त सभी सामग्री को एक कटोरे में डालें और इसमें एक चम्मच जीरा डालें.

इस मिश्रण में भिगोई हुई इमली का पानी डालें और अच्छी तरह मिला लें.

इस मिश्रण को मिक्सर में पीस लें, लेकिन ध्यान रखें कि आपको पूरा थोड़ा दरदरा पीसना है या फिर आपको पास कूटने के लिए ओखली और मूसल सेट है तो उसमें अच्छे से कूट लें

चटनी अगर मोटी होगी तो ही खाने पर उसका स्वाद बेहद अच्छा लगेगा.

अब स्वादिष्ट चटनी तैयार है.

इस चटनी को आप रोटी या गरम चावल के साथ खा सकते हैं.

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड- इस्राइल समर्थक यहूदी केंद्र के पास धमाका

येरूशलम, एजेंसी। नीदरलैंड पुलिस इस्राइल समर्थक एक ईसाई केंद्र के बाहर हुए छोटे विस्फोट की जांच कर रही है। मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। गेलडरलैंड प्रांत की पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि शुक्रवार रात हुए विस्फोट में कोई घायल नहीं हुआ। मध्य नीदरलैंड के निजकेर्क स्थित एक इमारत में मामूली क्षति हुई। क्रिश्चियंस फॉर इस्राइल समूह ने कहा कि विस्फोट निजकेर्क स्थित उनके इस्राइल केंद्र को निशाना बनाकर किया गया था।

हॉलीवुड की अभिनेत्री डी फ्रीमैन का 66 वर्ष की आयु में निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। द यंग एंड द रेस्टलेस और सिस्टास जैसे प्रसिद्ध शो के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री डोलोरेस डी फ्रीमैन का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने पुष्टि की कि फेफड़ों के कैंसर से जूझने के बाद 2 अप्रैल को उन्होंने अंतिम सांस ली। लुइसियाना में जन्मी फ्रीमैन का कॅरिअर काफी विविधतापूर्ण रहा। उन्होंने छह साल तक अमेरिकी मरीन कॉर्प्स में सेवा दी और जापान में रेडियो डीजे के रूप में भी काम किया।

लंदन- यहूदी समुदाय की एंबुलेंस पर हमले के मामले में तीन गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश अभियोजकों ने उत्तरी लंदन में यहूदी समुदाय की एंबुलेंस पर हुए आगजनी के हमले में तीन युवकों को आरोपी बनाया है। यह घटना 23 मार्च को एक सिनेगॉग के पास हुई थी, जिसे प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने स्तब्ध करने वाला यहूदी विरोधी हमला बताया था। आरोपियों की उम्र 17, 19 और 20 वर्ष है, जिनमें दो ब्रिटिश और एक ब्रिटिश-पाकिस्तानी नागरिक है। हमले की जांच आतंकवाद रोधी टीम के अधिकारियों द्वारा की जा रही है, हालांकि अभी इसे आतंकवादी घटना नहीं माना गया है।

ट्रंप का 63 साल से बंद अल्काट्राज जेल फिर से खोलने का प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कुख्यात अल्काट्राज जेल को फिर से खोलने का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए उन्होंने 15.2 करोड़ डॉलर की मांग की है। इसमें अमेरिका के सबसे क्रूर व हिंसक अपराधी रखे जाएंगे। फॉक्स न्यूज के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के वित्त वर्ष 2027 के बजट प्रस्ताव में उल्लिखित इस प्रस्ताव का उद्देश्य ऐतिहासिक व लंबे समय से बंद पड़ी इस जेल को अत्याधुनिक सुरक्षित जेल सुविधा में बदलने के प्रारंभिक चरण को वित्तीय सहायता प्रदान करना बताया गया है। हालांकि, इस योजना के लिए राशि जारी करने के मुद्दे पर संसद को फैसला लेना है।

ढाका के पास गैस लाइटर फैक्ट्री में आग, 5 की मौत; आग लगने की वजह साफ नहीं

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के पास स्थित केरानिगंज के कदमतली इलाके में शनिवार दोपहर गैस लाइटर बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। फायर सर्विस और सिविल डिफेंस के मुताबिक, आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने के लिए दमकल की 7 यूनिट तैनात की गईं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। शाम तक राहत और बचाव दल ने मलबे से 5 शव बरामद किए। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है और मामले की जांच जारी है।

अमेरिकी पायलट को ईरान से सुरक्षित बचाया गया, ट्रंप ने की पुष्टि

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान द्वारा अमेरिकी एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल जेट को गिराए जाने के बाद लापता अमेरिकी सेवा सदस्य को सुरक्षित बचा लिया गया है। यह जानकारी दो अमेरिकी अधिकारियों ने रविवार को दी। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह ऑपरेशन एक भयंकर खोज और बचाव अभियान के तहत सफल हुआ। इससे पहले जेट के एक अन्य चालक दल के सदस्य को पहले ही सुरक्षित बचाया जा चुका था।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा 'हमने उन्हें सुरक्षित निकाल लिया! पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने इतिहास के सबसे साहसी खोज और बचाव अभियानों में से एक सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हमारे अद्भुत क्रू मेम्बर अधिकारी, जो एक सम्मानित कर्नल हैं, अब पूरी तरह सुरक्षित हैं।' ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी सेना ने अधिकारी के स्थान को 24 घंटे निगरानी में रखा और उनकी सुरक्षित वापसी की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने उन्हें बचाने के लिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली हथियारों से लैस दर्जनों विमान भेजे। ट्रंप ने कहा अधिकारी घायल हुए हैं, लेकिन वे पूरी तरह ठीक हो जाएंगे।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ की गीदड़भभकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को भारत को गीदड़भभकी देते हुए कहाकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुस्साहस की कोशिश का जवाब कोलकाता में हमले से दिया जाएगा। आसिफ ने लाहौर से लगभग 130 किलोमीटर दूर अपने गृहनगर सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए कहाकि अगर भारत इस बार हमें जिम्मेदार ठहरा कर कोई (सैन्य) ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, तो हम कोलकाता तक निशाना साधेंगे।

किस बात का किया दावा

आसिफ ने दावा किया कि ऐसी खबरें हैं कि उनके (भारत) अपने लोगों या पाकिस्तानियों के माध्यम से एक झूठ भरे अभियान की योजना बनाई गई, जिसमें कुछ शवों को कहीं डाल कर यह कहा गया कि वे आतंकवादी थे और उन्होंने ऐसा-ऐसा किया है। हालांकि, उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। गुरुवार को आसिफ ने कहा था कि किसी भी हमले पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया त्वरित, सुनियोजित और निर्णायक होगी।

राजनाथ सिंह का दे रहे थे जवाब

आसिफ भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणियों का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने पहले कहा था कि मौजूदा स्थिति में भारत के पड़ोसी देश की ओर से कोई भी दुस्साहस अभूतपूर्व और निर्णायक कार्रवाई को आमंत्रित करेगा। पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच चार दिनों तक संघर्ष चला था।

क्या बोले थे राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहाकि मौजूदा हालात में पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की दुस्साहसिक हरकत का जवाब अभूतपूर्व और निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा।

चुनावी राज्य केरल में सैनिक सम्मान सम्मेलन में सिंह ने कहाकि अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद, भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया था। उन्होंने कहाकि पहलगाम हमले के बाद, भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को 22 मिनट के भीतर घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और यह आतंकवाद के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान था।

सिंह ने कहाकि मैं आपको बताना चाहता हूं कि अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान ने दोबारा ऐसी घिनौनी हरकतें कीं, तो हमारी सेना उन्हें ऐसा मुंहतोड़ जवाब देगी, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे। इस बार जो होगा वह अभूतपूर्व होगा। सिंह ने कहा कि मौजूदा हालात में हमारा पड़ोसी (पाकिस्तान) कोई भी दुस्साहस कर सकता है।

उन्होंने कहाकि अगर वह ऐसा करता है, तो जैसा मैंने आपको बताया, भारत की कार्रवाई अभूतपूर्व और निर्णायक होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई है और सरकार के रवैये और कार्यप्रणाली में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि यह बात 'ऑपरेशन सिंदूर' से स्पष्ट है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने यह अभियान चलाया था।

चांद के करीब पहुंचा आर्टेमिस 2, अपोलो 13 का तोड़ेगा रिकॉर्ड

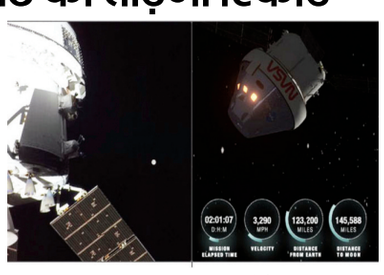

ह्यूस्टन, एजेंसी। चांद की ओर बढ़ रहा आर्टेमिस -2 मिशन अब इतिहास रचने के करीब पहुंच गया है। यह मिशन 53 साल बाद इंसानों को फिर से चांद के पास ले जा रहा है और इससे उम्मीदें काफी बढ़ी हैं। इस मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं, जो सोमवार तक चांद के पास पहुंच जाएंगे। वे चांद के उस हिस्से की तस्वीरें लेंगे, जिसे पृथ्वी से नहीं देखा जा सकता। यह मिशन नासा के पुराने अपोलो प्रोग्राम के बाद अगला बड़ा कदम माना जा रहा है। अंतरिक्ष यात्री विक्टर ग्लोवर ने बताया कि जैसे-जैसे वे आगे बढ़ रहे हैं, पृथ्वी छोटी दिख रही है और चांद बड़ा होता जा रहा है। यह अनुभव उनके लिए बेहद खास है।

मिशन के दौरान अंतरिक्ष यान में आई एक परेशानी : हालांकि मिशन के दौरान एक छोटी परेशानी भी सामने आई है। अंतरिक्ष यान ओरियन का टॉयलेट ठीक से काम नहीं कर रहा है। लॉन्च के बाद से इसमें बार-बार दिक्कत आ रही है। इंजीनियरों को शक है कि पाइप में बर्फ जमने से समस्या हो रही है। फिलहाल अंतरिक्ष यात्रियों को बैकअप तरीके इस्तेमाल करने पड़ रहे हैं। नासा के अधिकारियों का कहना है कि अंतरिक्ष में टॉयलेट सिस्टम संभालना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन टीम इस स्थिति को अच्छे से संभाल रही है।

अपोलो 13 मिशन के रिकॉर्ड को तोड़ने की तैयारी : यह मिशन एक नया रिकॉर्ड भी बनाने जा रहा है। आर्टेमिस द्वद्व करीब 4 लाख किलोमीटर दूर तक जाएगा, जो अब तक इंसानों द्वारा तय की गई सबसे ज्यादा दूरी होगी। इससे पहले यह रिकॉर्ड अपोलो 13 मिशन के नाम था। इस मिशन की एक खास बात यह भी है कि इसमें कनाडा के जेरेमी हैनसेन शामिल हैं, जो चांद की ओर जाने वाले पहले गैर-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। वहीं क्रिस्टीना कोच पहली महिला और विक्टर ग्लोवर पहले अश्वेत (ब्लैक) अंतरिक्ष यात्री हैं, जो इस मिशन का हिस्सा हैं।

प्रशांत महासागर में लैंड करने आर्टेमिस -2 मिशन : करीब 10 दिन के इस मिशन के बाद 10 अप्रैल को अंतरिक्ष यान प्रशांत महासागर में उतरकर पृथ्वी पर लौटेगा। नासा का यह मिशन भविष्य में चांद पर स्थायी बेस बनाने की दिशा में पहला बड़ा कदम है। एजेंसी का लक्ष्य है कि 2028 तक चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास इंसानों की लैंडिंग कराई जाए।

यमन से इसराइल पर मिसाइल हमला : हूती विद्रोहियों ने ली जिम्मेदारी

आईडीएफ ने हवा में ही मार गिराया

यरूशलेम/सना, एजेंसी। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने एक बार फिर इसराइल को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया है। इस हमले के बाद क्षेत्र में तनाव और गहरा गया है। इसराइल डिफेंस फोर्सेज (द्वछ्वस्न) ने बयान जारी कर बताया कि उनके उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम ने यमन की ओर से आती हुई मिसाइल को सीमा पार करने से पहले ही इंटरसेप्ट कर लिया। मिसाइल दागे जाने के तुरंत बाद इसराइल के कई हिस्सों में अलर्ट जारी कर दिया गया था और नागरिकों को सुरक्षा के लिए शेल्टर में जाने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, स्थिति स्पष्ट होने और खतरा टलने के कुछ ही मिनटों बाद सेना ने सुरक्षा प्रतिबंध हटा लिए।

हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता ने इस हमले की पुष्टि करते हुए इसे इसराइल के खिलाफ उनके चल रहे सैन्य अभियान का हिस्सा बताया। गौरतलब है कि पिछले एक हफ्ते में हूतियों की ओर से किया गया यह इस तरह का दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले 28 मार्च को भी हूतियों ने वेस्ट बैंक के हेब्रोन शहर के ऊपर से मिसाइलें दागी थीं, जिनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यमन से होने वाले ये लगातार हमले ईरान, अमेरिका और इसराइल के बीच बढ़ते क्षेत्रीय संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। हूतियों ने चेतावनी दी है कि जब तक गाजा में सैन्य कार्रवाई नहीं रुकती, उनके हमले जारी रहेंगे।

मारे गए ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की भतीजी पर गिरी गाज, अमेरिका में बेटी संग हिरासत में

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कुद्स बल का नेतृत्व करने वाले जनरल कासिम सुलेमानी की एक रिश्तेदार एवं उसकी बेटी अमेरिका के आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन की हिरासत में हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। हमीदा सुलेमानी अफशार और उनकी बेटी के ग्रीन कार्ड की अवधि अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा समाप्त किए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक हमीदा सुलेमानी की भतीजी हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा, ''मीडिया की खबरों और सोशल मीडिया पर उनकी अपनी टिप्पणियों से यह सामने आया है कि सुलेमानी अफशार ईरान के तानाशाही, आतंकवादी शासन की मुखर समर्थक हैं।' अफशार के पति के भी अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध है। बता दें कि बगदाद एयरपोर्ट के पास 2020 में हुए अमेरिकी हमले में जनरल कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी।

ईरानियों का वीजा रद्द कर रहा अमेरिका : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने ईरान की मौजूदा या पूर्ववर्ती सरकार से जुड़े कम से कम चार ईरानी नागरिकों के ग्रीन कार्ड या अमेरिकी वीजा रद्द कर दिए हैं। इनमें दो लोगों को आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में लिया है और उन्हें निर्वासित किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हाल में फातिमा अर्देशीर-लारिजानी का वीजा भी रद्द कर दिया था, जो ईरान के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अली लारिजानी की बेटी हैं। अली लारिजानी पिछले महीने अमेरिका-इजराइल के हवाई हमले में मारे गए थे। फातिमा के पति सैयद कलंतर मोतामेदी का वीजा भी रद्द कर दिया गया है। दोनों अब अमेरिका में नहीं हैं।

खत्म होने वाला है ईरान युद्ध-डोनाल्ड ट्रंप : युद्ध के चलते परेशान अमेरिकी जनता को संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में मची उथल-पुथल से अमेरिका काफी हद तक सुरक्षित है। उन्होंने सैन्य कार्रवाई तेज करने की चेतावनी देते हुए घोषणा की कि ईरान युद्ध 'पूरा होने के करीब' है। ट्रंप ने अमेरिकियों से कहा कि युद्ध 'खत्म होने वाला है' और इसमें केवल 'दो या तीन सप्ताह' और लगने का अनुमान है। हालांकि उन्होंने सैन्य अभियान को और तेज करने के संकेत देते हुए चेतावनी दी कि ईरान को 'पाषाण युग में वापस' भेजा जा सकता है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका के लिए हॉर्मुज जलडमरूमध्य के रणनीतिक महत्व को कमतर बताने की कोशिश की, जबकि इस महत्वपूर्ण समुद्री गलियारे की वजह से दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है।

ईरानी कमांडर ने बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने पर

अमेरिका-इज़रायल को विनाशकारी कार्रवाई की धमकी दी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के एक शीर्ष कमांडर ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका या इज़रायल ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला करते हैं, तो उसके जवाब में पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इज़रायली बुनियादी ढांचे पर 'विनाशकारी और लगातार' हमले किए जाएंगे। ईरान के खातम अल-अनबिया सेंट्रल मुख्यालय के प्रमुख कमांडर अली अब्दोल्लाही ने यह चेतावनी जारी की। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान से होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के लिए दी गई 10 दिन की समय-सीमा सोमवार को समाप्त होने वाली है। अब्दोल्लाही ने कहा, 'लगातार हार स्वीकार करने के बाद अमेरिका के आक्रामक और युद्धोन्मादी राष्ट्रपति ने एक हताश, घबराया हुआ, असंतुलित और मूर्खतापूर्ण कदम उठाते हुए ईरान के बुनियादी ढांचे व राष्ट्रीय संपत्तियों को निशाना बनाने की धमकी दी है।'

उन्होंने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल देश के अधिकारों की रक्षा करने और राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 'एक पल भी' हिचकिचाएंगे नहीं और 'हमलावरों को उनकी जगह दिखा देंगे।' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, 'याद रखें जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के लिए दस दिन दिए थे,' और जोड़ा, 'समय खत्म हो रहा है और 48 घंटे बचे हैं, उसके बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा।'

21 मार्च को ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि ईरान ने 48 घंटे के भीतर होर्मुज़ जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोला, तो वह उसके बिजली संयंत्रों को 'नष्ट और तबाह' कर देंगे। हालांकि, दो दिन बाद तेहरान के साथ 'सकारात्मक बातचीत' के बाद उन्होंने हमलों को पांच दिनों के लिए टाल दिया। बाद में उन्होंने समय-सीमा फिर बढ़ा दी।

इस बीच, ईरान की आईआरजीसी नौसेना ने कहा कि उसने ड्रोन से एक इज़रायल से जुड़े जहाज को निशाना बनाया, जिससे उसमें आग लग गई। अपने आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सेपाह न्यूज़' में जारी बयान में आईआरजीसी ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि उसके बलों ने बहरीन के एक बंदरगाह में एक इज़रायली स्वामित्व वाले वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाया।

होर्मुज स्ट्रेट संकट : अमेरिका से अलग होकर दुनिया के देश खुद कर रहे हैं समाधान की कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के कई बड़े देश होर्मुज स्ट्रेट में पैदा हुए संकट को संभालने के लिए अब अमेरिका के बिना ही आगे बढ़ रहे हैं। ईरान युद्ध और उसके असर को लेकर अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच मतभेद लगातार बढ़ रहे हैं। खाड़ी क्षेत्र से तेल और गैस पर निर्भर देश इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते को फिर से खोलने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं। वहीं, इस पूरे मामले में अमेरिका के रवैये को लेकर भी कई देशों में नाराजगी बढ़ रही है। इसी हफ्ते ब्रिटेन ने 40 से अधिक देशों की बैठक बुलाई, जिसमें इस जलमार्ग से फिर से जहाजों की आवाजाही शुरू कराने पर चर्चा हुई। इस दौरान वैश्विक व्यापार में रुकावट के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया गया।

हालांकि, इस बैठक में पश्चिमी देशों के बीच मतभेद भी साफ नजर आए। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका के सैन्य कार्रवाई के प्रस्ताव को खुलकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका खुद फैसला लेकर कार्रवाई करे और फिर दूसरों से समर्थन की उम्मीद रखे, यह सही नहीं है। यह हमारा अभियान नहीं है। यूरोपीय देश इस संकट को सुलझाने के लिए सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत और आर्थिक दबाव को बेहतर तरीका मानते हैं। अधिकारियों और विशेषज्ञों का हवाला देते हुए 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने बताया कि स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए सैन्य विकल्पों को अवास्तविक और जोखिम भरा माना जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में बहरीन ने इस क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए एक प्रस्ताव पेश किया है, हालांकि 'द हिल' की रिपोर्ट के अनुसार, उसे चीन के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

यह पूरा घटनाक्रम अमेरिका और यूरोप के रिश्तों में बढ़ती दूरी को भी दिखाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान युद्ध ने अमेरिका और यूरोप के संबंधों को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां दरार साफ दिखाई दे रही है। अमेरिका इस बात से नाराज है कि उसके सहयोगी देश इस युद्ध में उसका साथ नहीं दे रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी यूरोपीय देशों से नाराज बताए जा रहे हैं और उन्होंने नाटो के भविष्य पर भी सवाल उठाए हैं, जिससे इस गठबंधन को लेकर चिंता बढ़ गई है।

इस बीच, ट्रंप के बयान भी साफ नहीं हैं। उन्होंने एक ओर कहा कि जो देश खाड़ी क्षेत्र के तेल पर निर्भर हैं, उन्हें खुद आगे आकर इस रास्ते को खोलना चाहिए और अमेरिका मदद करेगा। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका खुद इस रास्ते को खोल सकता है और इससे तेल व्यापार में फायदा उठा सकता है। इससे उनकी नीति में असमंजस दिखाई देता है।

जमीनी स्थिति की बात करें तो 'द हिल' की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने इस जलमार्ग पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। कुछ मित्र देशों को ही सीमित रूप से गुजरने दिया जा रहा है और जहाजों से शुल्क लेने का प्रस्ताव भी सामने आया है। इस संकट के कारण कई देशों ने आपात योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। इसमें शिपिंग कंपनियों के साथ तालमेल और ईरान पर दबाव बनाने के लिए संभावित प्रतिबंधों पर चर्चा शामिल है।

पाकिस्तान में गाय-भैंस पालने पर गोबर टैक्स लगाने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब राज्य में गाय और भैंस पालने पर अब 'टैक्स' लगाने की तैयारी हो रही है। पाकिस्तानी अखबार डेली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मरियम नवाज की सरकार हर गाय और भैंस पर रोजाना 30 पाकिस्तानी रुपए फीस देने का नियम बना सकती है।

सरकार इस कदम को ग्रीन एनर्जी के रूप में पेश कर रही है। यह योजना 'सुथरा पंजाब' बायोगैस प्रोग्राम का हिस्सा बताई जा रही है। यह प्रोग्राम दिसंबर 2024 में पंजाब राज्य में शुरू किया गया था। इसका मकसद कचरे को साफ करना और उससे बायोगैस बनाकर ऊर्जा तैयार करना है।

वहीं विपक्षी दलों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना कर इसे 'गोबर टैक्स' का नाम दिया है। उनका कहना है कि यह कदम दिखाता है कि सरकार आर्थिक दबाव में है और अब नए-नए तरीकों से पैसा जुटाने की कोशिश कर रही है।

विपक्ष ने दावा किया कि 'ग्रीन एनर्जी' का नाम बस दिखावा है। असली कहानी कुछ और है। सरकार का फैसला पहले से महंगाई और महंगे चारे से जूझ रहे किसानों से जबरन पैसा निकालने का तरीका है।

गोबर इकट्ठा कर पर्यावरण बचाने का दावा : सरकार ने इस फीस को लागू करने के लिए राज्य की करीब 168 कैटल कॉलोनियों को चिन्हित किया है। इन कॉलोनियों की लगभग 50 लाख गाय-भैंसों पर यह फीस लग सकती है। इस नई योजना के तहत पशुपालकों से हर पशु के हिसाब से रोजाना शुल्क लिया जाएगा। पहले चरण में लाहौर की दो प्रमुख डेयरी कॉलोनियों हरबंसपुरा और गुज्जरपुरा से शुरू होगा। बाद में पूरे पंजाब में फैलाया जाएगा।

सरकार का कहना है कि इस पैसे का इस्तेमाल गोबर इकट्ठा करने, कचरा मैनेजमेंट और बायोगैस प्लांट चलाने में किया जाएगा, ताकि पर्यावरण को भी फायदा हो। इतनी ज्यादा गाय-भैंसों का रोजाना कितना गोबर निकल रहा है, इसे ठीक-ठीक नापना लगभग नामुमकिन है। इसी वजह से सरकार ने प्रति पशु तय दर से फीस वसूली का मॉडल अपनाने का फैसला किया है। चाहे गाय या भैंस ज्यादा गोबर दे या कम मालिक को हर पशु के हिसाब से रोज एक तय फीस देनी होगी।

विपक्ष बोला- सरकार के पास असली कमाई का रास्ता खत्म : विपक्ष का कहना है कि यह शासन का सही मॉडल नहीं है।

यह इस बात का साफ इशारा है कि पाकिस्तान के सबसे बड़े राज्य के पास अब कमाई के असली रास्ते ही खत्म हो गए हैं। वहीं, किसानों और पशुपालकों की चिंता अलग है। उनका कहना है कि वे पहले से ही महंगे चारे, बढ़ती बिजली कीमतों और महंगाई से जूझ रहे हैं। ऐसे में यह नया टैक्स उनके खर्च को और बढ़ा देगा।

एक पाकिस्तानी इंडस्ट्री एक्सपर्ट ने कहा, 'एक तरफ भ्रष्ट नेता और अफसर लग्जरी गाड़ियां, विदेश यात्राएं और मोटी सैलरी का मजा ले रहे हैं। दूसरी तरफ किसान, जो पहले ही अपने पशुओं का पेट भरने के लिए जूझ रहा है, अब उससे कहा जा रहा है कि अपनी भैंस के गोबर के लिए भी सरकार को पैसा दो। इससे साफ है कि सिस्टम पूरी तरह गड़बड़ है।'

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

सोने के दामों में 18.5 फीसदी गिरावट, गिरवी सोने को नीलामी से बचाने सावधान रहें

-50-60 प्रतिशत से ज्यादा लोन लेने से बचें

मुंबई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सोने के दामों में करीब 18.5 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। कीमतों में इस कमी का असर गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों पर भी पड़ रहा है। जिन लोगों ने ऊंचे भाव पर सोना गिरवी रखकर अधिक राशि का कर्ज लिया था, उनके सामने अब 'मार्जिन कॉल' का खतरा बढ़ गया है।विशेषज्ञों के अनुसार, जब सोने की कीमत घटती है तो गिरवी रखे आभूषणों की वैल्यू कम हो जाती है और लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) अनुपात बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्थान अतिरिक्त रकम जमा कराने या आंशिक लोन चुकाने का नोटिस दे सकते हैं। तय समय में भुगतान नहीं करने पर गिरवी सोने की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है।वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि मौजूदा अस्थिर बाजार में सोने के वर्तमान मूल्य का 50 से 60 फीसदी तक ही लोन लेना सुरक्षित माना जाता है। इससे कीमतों में गिरावट आने पर भी उधारकर्ता के पास सुरक्षा का पर्याप्त मार्जिन रहता है और नीलामी की नौबत नहीं आती। ग्राहकों को समय-समय पर बाजार भाव पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर लोन आंशिक रूप से चुकाने की सलाह दी गई है।

वित्त वर्ष 2025-26 में देश में वाहन बिक्री में 13.3 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि

- पिछले वित्त वर्ष में वाहनों की बिक्री 41,63,927 इकाई थी

नई दिल्ली ।

देश में सभी श्रेणियों के वाहनों की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2025-26 में 13.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,96,71,064 इकाई तक पहुंच गई। यह जानकारी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को जारी की।` पिछले वर्ष की तुलना में यह बिक्री 2,61,87,255 इकाई थी। वर्ष की शुरुआत धीमी रहने के बावजूद जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद बाजार में तेजी आई। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 47,05,056 इकाई हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 41,63,927 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री 13.4 प्रतिशत बढ़कर 2,14,20,386 इकाई रही।

तिपहिया वाहनों की बिक्री 11.68 प्रतिशत बढ़कर 13,63,412 इकाई और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 11.74 प्रतिशत बढ़कर 10,60,906 इकाई रही। फाडा के एक अे धिकारी ने कहा` कि यह वर्ष भारतीय मोटर वाहन उद्योग के लिए ऐतिहासिक रहा। छह में से पांच वाहन श्रेणियों में बिक्री के नए रिकॉर्ड बने हैं। तीन करोड़ इकाइयों के स्तर के करीब पहुंचना दो साल पहले असंभव लगता था। जीएसटी 2.0 के लागू होने से दोपहिया, छोटी कारों, तिपहिया और कुछ वाणिज्यिक वाहनों की वहनीयता में सुधार हुआ। हालांकि, फाडा ने भविष्य में पश्चिम एशिया युद्ध, ईंधन कीमतों और उपभोक्ता विश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर सतर्क रहने की चेतावनी दी। संगठन के सर्वेक्षण में 36.5 प्रतिशत डीलरों ने कहा कि बढ़ती ईंधन कीमतें ग्राहकों के खरीद निर्णयों को प्रभावित कर रही हैं। वहीं, वित्तपोषण स्थितियां स्थिर रही, और 72.5 प्रतिशत डीलरों ने पिछले 30 दिनों में कोई बदलाव नहीं देखा।

विप्रो ने ओलाम समूह से किया एक अरब डॉलर का करार

- कंपनी की माइंडस्प्रिंट को 37.5 करोड़ डॉलर में खरीदने की योजना

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी विप्रो ने सिंगापुर स्थित खाद्य एवं कृषि कारोबार समूह ओलाम के साथ आठ वर्ष का बहुवर्षीय रणनीतिक समझौता किया है। इस करार का अनुमानित मूल्य 1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है, जिसमें 80 मिलियन डॉलर का सुनिश्चित व्यय शामिल है। इसके तहत विप्रो, ओलाम की आईटी और डिजिटल सेवा इकाई माइंडस्प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण करेगी। विप्रो ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह समझौता कंपनी की ÷फार्म से फोर्क÷ क्षमताओं को बढ़ाने और खाद्य एवं कृषि उद्योग में डिजिटल प्रभाव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। माइंडस्प्रिंट की स्थापना 2007 में सिंगापुर में हुई थी

और कंपनी के 3,200 से अधिक कर्मचारी भारत, सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन और पश्चिम एशिया में कार्यरत हैं। कंपनी ने 2025 में 13.56 मिलियन डॉलर का समेकित राजस्व दर्ज किया। ओलाम समूह, जिसकी प्रमुख हिस्सेदारी टेमासेक होल्डिंग्स के पास है, दुनिया भर में 60 से अधिक देशों में लगभग 22,000 ग्राहकों को खाद्य पदार्थ, सामग्री, पशु चारा और रेशे की आपूर्ति करता है। यह अधिग्रहण ओलाम समूह की पुनर्गठन योजना के अनुरूप है, जिसके तहत समूह अपनी शेष परिसंपत्तियों और कारोबारों को जिम्मेदारीपूर्वक बेचकर विशेष लाभांश के रूप में शेयरधारकों में वितरित करेगा। माइंडस्प्रिंट का अधिग्रहण पूरी तरह नकद में किया जाएगा और 30 जून 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह समापन समायोजन और आवश्यक नियामकीय मंजूरी (सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया में प्रतिस्पर्धा-रोधी मंजूरी सहित) के अधीन होगा। विप्रो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी खाद्य एवं कृषि उद्योग में डिजिटल सेवाओं के विस्तार और विप्रो इंटेलिजेंस के प्रभाव को बढ़ाने में मदद करेगी। अे धिकारी ने कहा` कि माइंडस्प्रिंट के विकास में यह कदम संगठन को और मजबूत और भविष्य के लिए तैयार बनाएगा।

जिंदल स्टील ने ईंधन संकट में सिंगैस का इस्तेमाल शुरू किया

– कोयले से तैयार सिंथेसिस गैस (सिंगैस) एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है

नई दिल्ली ।

ईंधन की कमी के बीच जिंदल स्टील ने अपने उच्च तापमान वाली भट्टियों में सिंथेसिस गैस (सिंगैस) का इस्तेमाल शुरू किया है। इससे प्राकृतिक गैस, एलपीजी और प्रोपेन की आपूर्ति में व्यवधान के बावजूद उत्पादन में निरंतरता बनी। यह इस्पात उद्योग में ऐसा पहला प्रयास है। सिंथेसिस गैस एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है जो अपशिष्ट और जैविक पदार्थों को ऊर्जा में बदलता है। जिंदल स्टील ने इसे कोयले के गैसीकरण से तैयार किया है। इसके इस्तेमाल से गैल्वनाइजिंग लाइन में इस्पात पर जस्ता की परत और कलर कोटिंग लाइन में धातु पर रंग की परत चढ़ाने वाली भट्टियों का संचालन सुचारू हुआ। कंपनी ने देश का पहला डीआरआई संयंत्र स्थापित किया है, जिसमें सिंगैस का इस्तेमाल लोहे के उत्पादन में होता है। इसके साथ ही ब्लास्ट फर्नेस में सिंगैस इंजेक्शन से आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता कम हुई और प्रति टन इस्पात कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई। अंगुल संयंत्र के एक कार्यकारी निदेशक के अनुसार स्वदेशी कोयले से तैयार सिंगैस आयातित गैस, अमोनिया और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का विकल्प

बन सकता है।

इससे भारत को अपने विशाल कोयला भंडार का उपयोग कर भविष्य में कम कार्बन उत्सर्जन वाली वृद्धि सुनिश्चित करने और विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी। जिंदल स्टील के संयंत्र ओडिशा (अंगुल), छत्तीसगढ़ (रायगढ़) और झारखंड (पतरातू) में हैं, और कंपनी का भारत और अफ्रीका में भी रणनीतिक परिचालन है।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में 14 महीने में सबसे धीमी रही पीएमआई

– मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया

नई दिल्ली ।

देश के सेवा क्षेत्र में मार्च 2026 में विस्तार जारी रहा, लेकिन वृद्धि की गति पिछले 14 महीनों में सबसे धीमी रही। एचएसबीसी इंडिया द्वारा जारी मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, मौसमी रूप से समायोजित सेवा पीएमआई कारोबार सूचकांक फरवरी के 58.1 से घटकर मार्च में 57.5 पर आ गया। पीएमआई में 50 से ऊपर अंक गतिविधियों के विस्तार और 50 से कम अंक संकुचन का संकेत देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया। कंपनियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और पश्चिम एशिया से मांग बढ़ने की बात कही। सर्वेक्षण में यह भी बताया गया कि बिक्री मूल्य मुद्रास्फीति सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि कच्चे माल की लागत में तेज वृद्धि हुई। फरवरी के बाद खाना पकाने का तेल, अंडे, बिजली, फल, ईंधन, श्रम, मछली, चिकन, मीट और सब्जियों की कीमतें बढ़ीं। निजी क्षेत्र में लागत दबाव लगभग चार वर्ष में सबसे अधिक रहा। रोजगार में लगातार तीसरे महीने वृद्धि दर्ज हुई।

कंपनियों का मानना है कि बढ़ते विश्वास और मांग के कारण नौकरी सृजन मजबूत रहा।

उत्पादन के दृष्टिकोण में कंपनियों की आशावादिता पिछले 12 वर्षों में सबसे अधिक रही। एचएसबीसी इंडिया का समग्र पीएमआई फरवरी के 58.9 से घटकर मार्च में 57.0 हो गया, जो लगभग तीन वर्षों में विस्तार की सबसे धीमी दर दर्शाता है। यह सूचकांक विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के भारित औसत पर आधारित है।

आईईएक्स पर वित्त वर्ष 2025-26 में बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार में रिकॉर्ड वृद्धि

– सालाना आधार पर बिजली का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 141 अरब यूनिट हो गया

नई दिल्ली।

भारतीय ऊर्जा बाजार में वित्त वर्ष 2025-26 आईईएक्स (इें डियन इनर्जी एक्सचेंज) के लिए नए रिकॉर्ड लेकर आया। सालाना आधार पर बिजली का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 141 अरब यूनिट हो गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस वृद्धि का मुख्य कारण रियल-टाइम बाजार का मजबूत प्रदर्शन है, जिसने बाजार को अधिक सक्रिय और प्रतिस्पर्धात्मक बनाया।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में आईईएक्स पर बिजली का कारोबार 39.4 अरब यूनिट तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक तिमाही स्तर है और सालाना आधार पर 24.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मार्च 2026 में मासिक स्तर पर भी कारोबार 13.90 अरब यूनिट तक बढ़ गया, जो पिछले साल की तुलना में 23.5 प्रतिशत अधिक है। नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) कारोबार भी मजबूत रहा। पूरे वित्त वर्ष में कुल 187.20 लाख आरईसी का लेन-देन हुआ, जो सालाना आधार पर 5 प्रतिशत अधिक है। जनवरी-मार्च तिमाही में 71.70 लाख

आरईसी का कारोबार दर्ज हुआ, जबकि मार्च 2026 में यह आंकड़ा सालाना आधार पर 119.9 प्रतिशत बढ़कर 28.94 लाख तक पहुंच गया।

'डे-अहेड मार्केट' में अगले दिन की आपूर्ति के लिए सौदों का मूल्य सालाना आधार पर 13.7 प्रतिशत घटकर 3.86 रुपये प्रति यूनिट रहा। वहीं वास्तविक समय बाजार का समापन मूल्य 3.59 रुपये प्रति यूनिट रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत कम है।

भारत में स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि की संभावन

- 2030 तक बदल जाएगी रोजगार की तस्वीर, लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (इक्रियर) के अध्ययन के अनुसार भारत में*स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता (ईई) क्षेत्रों में रोजगार अगले चार वर्षों में तीन गुना बढ़ सकता है। 2021-22 में इन क्षेत्रों में कुल रोजगार 4,44,900 था, जो 2029-30 तक लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की संभावना है। अध्ययन के अनुसार वर्ष 2029-30 तक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 9,05,000 और ऊर्जा दक्षता में 4,28,700 रोजगार होने की उम्मीद है। 2021-22 में स्वच्छ ऊर्जा और अन्य पारंपरिक स्वच्छ ऊर्जा में रोजगार 3,18,000 और ईई में 1,26,900 था। इक्रियर का कहना है कि यदि भारत 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करता है तो संबंधित रोजगार 2.8 गुना बढ़ जाएंगे। वहीं 15 करोड़ टन तेल समतुल्य ऊर्जा बचत का लक्ष्य प्राप्त होने पर ईई में रोजगार 3.8 गुना बढ़ने की संभावना है। विश्लेषण में यह भी सामने आया कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा सबसे अधिक रहेगा। अध्ययन में यह भी उजागर हुआ कि वर्ष 2022-2030 के बीच गुजरात में 79,000 व राजस्थान में 77,000 अतिरिक्त नौकरियों का सृजन होगा और ये सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाले राज्य बनने की उम्मीद है। पवन ऊर्जा आधारित रोजगार सृजन के मामले में तमिलनाडु और गुजरात अग्रणी हैं जबकि आंध्र प्रदेश में बड़े जलविद्युत आधारित रोजगार में सबसे अधिक हिस्सेदारी होने की उम्मीद है। छतों पर सौर पैनल लगाने से संबंधित रोजगार के मामले में गुजरात के अग्रणी रहने की उम्मीद है जबकि जमीन पर लगाए जाने वाले सौर पैनल में सबसे अधिक अतिरिक्त रोजगार राजस्थान में मिलने की संभावना है। ऊर्जा दक्षता के रोजगार में तमिलनाडु का दबदबा है और उसके बाद गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक आते हैं।

होर्मुज तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक तेल कीमतों में तेज की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई चेतावनी के बाद बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत बढ़कर 109.8 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। वहीं रवीवार को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.4 फीसदी बढ़कर 110.60 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई, जबकि अमेरिकी क्रूड (डब्ल्यूटीआई) में 1.8 फीसदी की तेजी आई और यह 113.60 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर होर्मुज को तुरंत नहीं खोला गया, तो ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका कड़े सैन्य कदम उठा सकता है। इस बयान के जवाब में एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मौजूदा परिस्थितियों में जलडमरूमध्य नहीं खोला जाएगा। उनका कहना था कि जब तक युद्ध से हुए नुकसान की पूरी भरपाई नहीं होती, तब तक यह मार्ग बंद रहेगा।

शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों ने 91 लाख वर्गफुट कार्यालय स्थान लिए पट्टे पर

नई दिल्ली ।

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में भारत के शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों द्वारा कार्यालय स्थान पट्टे पर लेने की गतिविधि रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान कुल 91 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान पट्टे पर लिया गया, जो किसी भी तिमाही का अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। कंपनी के अनुसार इन नौ शहरों में कुल कार्यालय पट्टे की मात्रा 2.07 करोड़ वर्ग फुट रही, जो पिछले साल इसी अवधि के 1.97 करोड़ वर्ग फुट की तुलना में 5 फीसदी अधिक है। इन शहरों में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता, अहमदाबाद और कोच्चि शामिल हैं। बेंगलुरु ने 29 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर 22 फीसदी और मुंबई 16 फीसदी के साथ प्रमुख शहर बने।

एचडीएफसी बैंक में अनिश्चितता, मार्च तिमाही में शेयर 26 फीसदी टूटे

- चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक को मार्च 2026 तिमाही में अनिश्चितता और निवेशकों की बिकवाली का सामना करना पड़ा। चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफे ने बैंक में उथल-पुथल पैदा की और शेयरों पर दबाव देखा जा रहा है। मार्च तिमाही में बैंक के शेयरों में 26.2 फीसदी गिरावट आई, जो मार्च 2020 के बाद सबसे बड़ी है। सिर्फ पिछले महीने विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने बैंक से लगभग 35,000 करोड़ रुपये निकाले। इसी दौरान विदेशी निवेशकों ने 47.95 करोड़ शेयर बेचे, जिससे उनकी संख्या घटकर 2,528 रह गई, जो दिसंबर 2025 में 2,757 थी। इस लगातार तीसरी तिमाही है जब विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी घट रही है। मार्च के अंत तक विदेशी हिस्सेदारी घटकर 44.05 फीसदी हो गई, जो पिछले तिमाही में 47.67 फीसदी थी। विश्लेषकों के अनुसार, चेयरमैन के इस्तीफे और निवेशकों के भरोसे में कमी ने बैंक की छवि और शेयर प्रदर्शन दोनों पर असर डाला है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कर्ज में चौथी तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़ोतरी

- कुल कारोबार 6.42 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

पुणे मुख्यालय वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी देते हुए बताया कि कुल ऋण और जमा दोनों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। बैंक के अनुसार जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में कुल ऋण 2.92 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2.40 लाख करोड़ रुपये था, यानी 22 फीसदी की बढ़ोतरी। इसमें कॉरपोरेट ऋण 1.12 लाख करोड़ और खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई क्षेत्र के ऋण 1.79 लाख करोड़ रुपये शामिल हैं। कुल जमा 3.50 लाख करोड़ रुपये होकर 14 फीसदी बढ़ गया, जबकि चालू और बचत खाते (सीएएसए) का अनुपात 13 फीसदी बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा। इन परिवर्तनों के साथ बैंक का कुल कारोबार 6.42 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तिमाही में 5.46 लाख करोड़ रुपये था। बैंक की यह तिमाही वृद्धि उसकी वित्तीय स्थिति और तरलता में सुधार को दर्शाती है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई और राजस्थान का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। इस मैच में जहां रॉयल्स जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। वहीं मुम्बई का लक्ष्य पिछले मैच में मिली हार से उबरकर जीत की राह पर वापसी करना रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें ता अब तक दोनो के बीच 31 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 16 मुम्बई ने जबकि 14 रॉयल्स ने जीते हैं। कप्तान रियान पराग की राजस्थान टीम ने अब तक काफी अच्छा खेला है। टीम के हर खिलाड़ी ने अपनी ओर से योगदान दिया है। यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है, वहीं वैभव सूर्यवंशी ने इसे तेजी रही है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने पावरप्ले के दौरान टीम को काफी गति प्रदान की है। मध्यक्रम में ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला है, जबकि शिमरोन हेटमायर ने दबाव भरे पलों में भी बड़े-बड़े छक्के लगाकर टीम लक्ष्य तक पहुंचाया है। पराग ने स्वयं भी अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों से टीम में अहम योगदान दिया है, जिससे टीम की मुख्य बल्लेबाजी संरचना में स्थिरता बनी रही है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के आने से टीम का संतुलन बेहतर हुआ है।

गेंदबाजी में टीम के पास जोफा आर्चर जैसा तेज गेंदबाज है। वहीं नांद्रे बर्गर ने ने उनका अच्छा साथ दिया है। बीच के ओवरों में रवि बिश्नोई ने अपनी स्पिन से विरोधियों पर अंकुश लगाया है। वहीं संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने भी अच्छी गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर दूसरी ओर मुंबई इंडियंस की टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या की इस मैच से वापसी अभी तय नहीं है। ऐसे में कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास ही रहने की संभावना है। मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा , सूर्यकुमार यादव के साथ ही तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी।

इसके अलावा रयान रिकेल्टन शेरफेन रदरफोर्ड और मिशेल सैंटनर के अलावा टीम के पास । शार्दुल ठाकुर जैसे ऑलराउंडर हैं। मुंबई की गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट पर आधारित है। वहीं बीच के ओवरों में स्पिनर मिशेल सैंटनर विरोधी टीम पर अंकुश लगायेंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो मुकाबला रोमांचक होगा।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफा आर्चर, नंद्रे बर्गर, तुमार देशपांडे, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर- डोनोवन फरेरा।

मुम्बई इंडियंस : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, मिचेल सेंटनर, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह। इम्पैक्ट प्लेयर-शार्दुल ठाकुर।

सीएसके की तीसरी हार से निराश ऋतुराज बोले, मुझे बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिये थी

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और उसे लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके को अपने तीसरे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में हार मिली है। इससे टीम के युवा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ निराश हैं। ऋतुराज ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि मुझे अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। साथ ही कहा कि अगर मैंने रन बना दिए होते तो मैच का परिणाम कुछ और होता पर ऐसा हुआ नहीं। इस मैच में आरसीबी से मिले 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 207 रन ही बना पायी।

हार के बाद उन्होंने कहा, 'मैं भी टीम केप्रदर्शन से थोड़ा हैरान था। सरफराज खान, प्रशांत वीर और जेमी ओवरटन ने अच्छा खेल दिखाया। वहीं अगर मैंने शीर्ष क्रम में रन बनाये होते तो हम लक्ष्य हासिल कर सकते थे। इसलिए आरसीबी के खिलाफ मिली हार की जिम्मेदारी मैं अपने ऊपर लेता हूं। इस मैच में हमारी टीम ने जिस प्रकार विराट कोहली का कैच छोड़ा उससे भी हमें नुकसान हुआ। इसके अलावा आरसीबी के टिम डेविड की पारी से भी मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि हमारी कुछ गलतियों से मैच हमारे हाथ ने फिसल गया।' इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया था। आरसीबी ने टिम और पडीक्कल के अलावा कप्तान रजत पाटीदार की नाबाद 48 रन और फिल सॉल्ट की 46 रन की पारी से तीन विकेट पर 250 रन बनाये जिसका पीछा करते हुए सीएसके 207 रन ही बना पायी।

संग्राम सिंह अर्जेटीना में एमएमए खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। भारत के संग्राम सिंह ने अर्जेटीना में मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) खिताब जीत लिया है। संग्राम ये एक अहम उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। संग्राम ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन को दो मिनट में ही हरा दिया। इस जीत के साथ ही संग्राम ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। संग्राम की एमएमए में यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी और नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में भी मुकाबले जीते थे। वह कॉमनवेल्थ हेवीवेट चैंपियन भी रहे हैं। वहीं जीत के बाद संग्राम ने कहा, मेरे लिए जीत या हार अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। मैं या तो जीतता हूं या सीखता हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि जुनून की कोई उम्र नहीं होती। मेरा सपना था कि मैं अर्जेंटीना में जीतने वाला पहला भारतीय बनूं और आज मेरा सपना पूरा हो गया है। संग्राम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच को दिया है। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच का आभार व्यक्त करता हूं, जो पिछले 25 साल से मेरे साथ हैं। उन्होंने मेरी सफलता के लिए दिन-रात मेहनत की। संग्राम के सामने फ्लोरियन काफी कमजोर नजर आये भारतीय रेसलर ने उन्हें पहले किक पकड़कर गिराया और फिर अपने दांव आजमाकर मैच अपने नाम कर लिया। संग्राम ने इससे पहले भी कई देशों में हुए खिताबी मुकाबले जीते हैं और वह इस क्षेत्र में देश का नाम रौशन करते आये हैं।

अगर पडिक्कल इसी तरह बैटिंग करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम से बाहर रखना मुश्किल होगा: पूर्व क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मेंटर दिनेश कार्तिक का मानना है कि देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टीम से लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा, जिस तरह से वह घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद IPL में बैटिंग कर रहे हैं। रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ RCB की बड़ी जीत में पडिक्कल ने अहम भूमिका निभाई, उन्होंने 29 गेंदों में ताबड़तोड़ 50 रन बनाए।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में पडिक्कल की शांत और संयमित पारी के बारे में पूछे जाने पर RCB के बैटिंग कोच कार्तिक ने शुरुआती मुश्किल दौर में उनके संयम की तारीफ की जिसके बाद उन्होंने खुलकर खेलना शुरू किया। कार्तिक ने कहा, 'सबसे पहली बात जो सामने आती है, वह है उनका पक्का इरादा। इस तरह की पिच पर, जब शुरुआत में रन आसानी से नहीं बनते, तो

कई बैटर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट गंवा बैठते हैं। जब हालात मुश्किल थे, तब भी धैर्य बनाए रखने के लिए देवदत्त ने बहुत हिम्मत दिखाई।'

उन्होंने कहा, 'जैसे ही उन्हें पहली बाउंड्री मिली, आप देख सकते थे कि उन्होंने अपनी बैटिंग का गियर बदल दिया। वह सही क्रिकेटिंग शॉट खेल रहे हैं और गेंद को जोरदार तरीके से मार रहे हैं। अगर वह इसी तरह बैटिंग करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम से लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में खूब रन बनाए हैं और हम जानते हैं कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।' कार्तिक ने आगे कहा, 'एक और बात जो काबिले-तारीफ है कि वह यह कि वह कर्नाटक के ड्रेसिंग रूम में एक लीडर के तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं। 25 साल की उम्र में भी, वह अपने आइडिया और लीडरशिप से टीम में योगदान दे रहे हैं, और यह देखना बहुत अच्छा लगता है।' पडिक्कल की पारी में 5 बाउंड्री और दो छक्के शामिल थे, जिससे RCB 250/3 के विशाल स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही इससे पहले टिम डेविड ने 25 गेंदों में 70 रन की तूफानी पारी खेली थी। RCB ने यह मैच 43 रनों से जीता और CSK को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

भविष्य में सीएसके की कप्तानी भी संभाल सकते हैं सैमसन : मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पिछले कुछ समय में उनका बेहतीन प्रदर्शन सामने आया है और ऐसे में वह इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे। तिवारी के अनुसार सैमसन एक अच्छे बल्लेबाज हैं, विकेटकीपर हैं मौका मिलने पर वह कप्तानी भी कर सकते हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कप्तानी की है। साथ ही कहा कि आज महेन्द्र सिंह धोनी जिस प्रकार सीएसके में लोकप्रिय हैं। वैसे ही आने वाले समय में सैमसन भी होंगे। वह धोनी के जाने के बाद सीएसको को उनकी कम महसूस नहीं होने लेंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि, हर इंसान के जीवन में एक अच्छा समय आता है और यही अब सैमसन के साथ हो रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि जिस तरह से सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में खेला उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिये। उनको पहले ही पारी की शुरुआत का अवसर मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब उन्हें मौका मिला तब वो मध्यक्रम में खेले और फिर उन्हें पारी शुरु करने का मौका मिला और फिर जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उससे सभी प्रभावित हुए हैं।

सरफराज ने पॉवरप्ले में अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज सरफराज खान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में नंबर चार पर खेलते हुए पावरप्ले में अर्धशतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इस मैच में हालांकि वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। आरसीबी की टीम के 250 रनों के जवाब में सीएसके टीम 19.4 ओवर में 207 रन ही बना पायी। सरफराज के लिए आमतौर पर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच अच्छी रही। इससे पहले साल 2015 में उन्होंने यहां आरसीबी की ओर से खेलते हुए 45 रन बनाये थे। अब एक दशक बाद इसी मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेली है। इस मैच में सीएसके के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए विफल रहे। शीर्ष तीन बल्लेबाज संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे केवल 17 रन ही बना पाये। सरफराज ने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाया। सरफराज अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही आईपीएल में आईपीएल में नंबर 4 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों के अंदर अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। वहीं आरसीबी के खिलाफ सरफराज का यह दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले उन्होंने साल 2019 में पंजाब किंग्स की ओर से एक अर्धशतक लगाया था. वहीं अब छह साल बाद अपना दूसरा अर्धशतक लगाया है।

शुरुआती बल्लेबाजों के विफल होने से हारे : ईशान किशन

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के कार्यकारी कप्तान ईशान किशन ने आईपीएल में यहां अपने घरेलू मैदान में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। इस मैच में सनराइजर्स को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ईशान ने कहा है कि शुरुआती बल्लेबाजों के असफल होने से टीम हारी है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने चार विकेट खो दिये थे। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी 56 रन और हेनरिक क्लासेन के 62 रनों की सहायता से सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में केवल 156 रन तक पहुंची थी। ईशान ने कहा कि जो स्कोर उनकी टीम ने बनाया था वह बचाव के लिए पर्याप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी हर्ष दुबे ने 18 रन देकर दो विकेट लेकर अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। इससे टीम ने अंतिम ओवर तक जीत हासिल करने का प्रयास किया। ईशान ने कहा कि यह एक अच्छा मैच था पर बचाव के लिए उनके रन कम पड़ गये। गेंदबाजों ने योजना के अनुसार अच्छी गेंदबाजी की और क्षेत्ररक्षकों ने भी अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। साथ ही कहा शुरुआत में 4 विकेट गिरने से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव आ गया पर क्लासेन और नीतीश ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 150 से ऊपर पहुंचाया। वहीं सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ ने अच्छी बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथ से छीन लिया।

आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की घोषणा, भारत के दो खिलाड़ी लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन, बेहतरीन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन को मार्च 2026 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है।

सैमसन ने 2026 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत बेंच पर बैठकर की थी, जब उन्हें चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर एट्स मुकाबले से टीम में शामिल होने का मौका मिला, तो उन्होंने टूर्नामेंट की सबसे शानदार व्यक्तिगत कहानियों में से एक लिख दी। उन्होंने कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक जरूरी सुपर 8 मुकाबले में 97 रन की यादगार नाबाद पारी खेली। इसके बाद मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ सेमी-फाइनल में और अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में दोनों ही मैचों में उन्होंने 89-89 रन बनाए। उनके इन प्रयासों की बदौलत

भारत अपने घरेलू मैदान पर खिताब बचाने में कामयाब रहा और सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का अवॉर्ड मिला।

वहीं बुमराह भारत की हर उस नॉकआउट जीत के केंद्र में रहे, जिसने टीम को खिताब तक पहुंचाया। सेमी फाइनल में जहां इंग्लैंड के खिलाफ ज्यादातर गेंदबाजों ने 9.50 से ज्यादा रन प्रति ओवर दिए, बुमराह ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर 1 विकेट लिया। उनके 16वें और 18वें ओवर की कसी हुई गेंदबाजी निर्णायक साबित हुई और इंग्लैंड लक्ष्य का पीछा करते हुए 7 रन पीछे रह गया। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 15 रन देकर चार विकेट झटके और अपने घरेलू मैदान पर 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता। कुल मिलाकर बुमराह ने टूर्नामेंट के आखिरी तीन मैचों में 12 की औसत और 7 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए।

टी20 वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद एस्टरहुइजन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों में दक्षिण अफ्रीका के लिए 200 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। चौथे मैच में उन्होंने अपना पहला टी20आई अर्धशतक बनाया और फिर निर्णायक पांचवें मैच में 33 गेंदों पर नाबाद 75 रन की तूफानी पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका को 3-2 से सीरीज जिताई। उन्होंने 'प्लेयर ऑफ द मैच' के दो पुरस्कार जीते और 551 रेटिंग अंकों के साथ पुरुषों की टी20आई बैटिंग रैंकिंग में 39वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 5 मैचों के बाद किसी भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा यह चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप : प्रीति ने ओलंपिक विजेता को हराया, फाइनल में बनाई जगह

उलानबटोर (मंगोलिया)। उदीयमान भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कोरिया की ऐजी इम को हराकर एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन हारकर बाहर हो गई। प्रिया और अरूंधति चौधरी ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते। विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता पूजा रानी और अंकुशिता बोरो को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति ने तीन दौर के मुकाबले में इम को 5-0 से हराया। अब फाइनल में उनका सामना तीन बार की विश्व चैम्पियन (2019, 2023, 2025) और तोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपै की हुआंग सियाओ वेन से होगा। महिलाओं के 60 किलोवर्ग में प्रिया ने स्थानीय मुक्केबाज नामून मोंखोर को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना उत्तर कोरिया की उन जियोंग वोन से होगा। अरूंधति ने उजबेकिस्तान की ओइशा तोइरोवा को 70 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 4.1 से हराया। अब उनका सामना कजाखस्तान की बेकित सेइदिश से होगा। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत को ओलंपिक पदक विजेता चीन की वू यू ने 51 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 से मात दी। निकहत की इस मुक्केबाज के खिलाफ यह दूसरी हार है। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना को 75 किलोवर्ग में विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता उजबेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 5-0 से मात दी। पहले दौर में बाय मिलने के बाद यह टूर्नामेंट में लवलीना का पहला मुकाबला था। अंकुशिता को चीनी ताइपै की नियेन चिन चेन ने 3-0 से हराया। महिलाओं के 80 किलो वर्ग में पूजा सेमीफाइनल में कजाखस्तान की एन रियाबेत्स से हार गई।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं ।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है। केन का इस सीजन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने क्लब और राष्ट्रीय टीम की ओर से काफी गोल किये हैं। ऐसे में उनके बार रहने से टीम को नुकसान पहुंचेगा। आने वाले माह में विश्व स्तर का बड़ा टूर्नामेंट भी होना है, ऐसे में टीम प्रबंधन चाहत ही हैरी को पर्याप्त आराम दे दिया जाये जिससे कि वह तय समय तक फिट हो जायें।

धोनी फिटनेस टेस्ट में पास हुए तो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उतरेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने शुरुआती तीनो ही मैचों में हार के कारण मुश्किलों में फंसी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए राहत की खबर है। टीम को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी की अगले मैच में वापसी हो सकती है बशर्ते वह फिटनेस टेस्ट में पास हो जाएं। धोनी काफ इंजरी (पिंडली की चोट) के कारण अब तक इस लीग में नहीं खेल पाये हैं हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है पर उन्हें खेलने की अनुमति फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही मिलेगी। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो वह 11 अप्रैल को चेन्नई में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच से वापसी करेंगे। अगर ऐसा होता है तो सीएसके का मनोबला बढ़ जाएगा। धोनी के नहीं होने पर सीएसके को काफी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। उनके रहने से टीम को मार्गदर्शन मिलता रहता है। इस बार आईपीएल 2026 अंकतालिक में टीम का खाता भी नहीं खुला है और वह सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। सीएसके के लिए इस मैच से युवा डेवाल्ड ब्रेविस भी वापसी कर सकते हैं क्योंकि अब वह भी अपनी चोट से उबर गये हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में अगर धोनी और ब्रेविस खेलते हैं तो इससे सीएसके को काफी लाभ होगा। अगले कुछ दिनों में धोनी का फिटनेस टेस्ट होने की संभावना है और अगर वह इसमें पास हो गए तो चेपॉक में दिल्ली के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। आईपीएल में सीएसके धोनी पर कितना निर्भर है इसका अंदाजा आंकड़ों से होता है। अब तक धोनी ने केवल 8 मुकाबले नहीं खेले हैं। 3 मुकाबले 2010 में, 2 मुकाबले 2019 में और 3 मुकाबले अब तक 2026 में उन्होंने नहीं खेले हैं। हैरानी की बात ये है कि जिन 8 मैचों में एमएस धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे हैं, उनमें से केवल एक ही मैच में सीएसके जीती है। वहीं बचे हुए 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

अनीत पड्डा की 'शक्ति शालिनी' में हुई विनीत कुमार की एंट्री

मैडॉक का हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक है। इस फ्रेंचाइजी की अधिकतर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट हैं। पिछले साल इस यूनिवर्स की 'थामा' रिलीज हुई थी, जिसको फैंस ने पसंद किया था। अब फैंस इस यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' का इंतजार कर रहे हैं। अनीत पड्डा की प्रमुख भूमिका वाली इस फिल्म में एक और दिग्गज एक्टर की एंट्री हुई है। इसके बाद इस फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

अनीत पड्डा के प्रमुख भूमिका वाली 'शक्ति शालिनी' अपनी घोषणा के बाद से ही फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की इस आगामी फिल्म में अभिनेता विनीत कुमार सिंह की एंट्री हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, विनीत कुमार सिंह फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आएंगे। वहीं रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि विनीत ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिसका निर्माण पिछले साल शुरू हुआ था।

हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की छठी फिल्म है 'शक्ति शालिनी'

आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित 'शक्ति शालिनी' मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की छठी फिल्म है। इससे पहले इस यूनिवर्स की 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या', 'स्त्री 2' और 'थामा' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं। इस प्रोजेक्ट में विशाल जेठवा और अनीत पड्डा 'सलाम वेंकी' के बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा 'थामा' के क्लाइमेक्स के दौरान की गई थी।

सलमान खान के साथ नयनतारा की बनी जोड़ी!

बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान की नई फिल्म लेकर एक नया अपडेट है। खबर है कि साउथ के 'ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर' वामशी पेडिपल्ली की इस फिल्म में नयनतारा को कास्ट किया गया है। साउथ सिनेमा की 'लेडी सुपरस्टार' कही जाने वाली नयनतारा इससे पहले शाहरुख खान की 'जवान' के साथ बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं। चर्चा ये भी है कि सलमान खान और मेकर्स ने इसकी रिलीज के लिए अगले साल ईद 2027 की तारीख पक्की कर ली है।

सलमान खान ने सोशल मीडिया पर अपनी इस नई फिल्म का ऐलान किया था। जबकि अब मंगलवार को ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने खबर दी है कि नयनतारा को सलमान खान के अपोजिट लीड रोल में कास्ट कर लिया गया है। अभी फिल्म की बाकी कास्ट का ऐलान होना भी बाकी है। इससे पहले सलमान खान और प्रोडक्शन हाउस 'श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स' ने सोशल मीडिया पर इस नए प्रोजेक्ट का ऐलान किया। सलमान खान ने जहां वामशी पेडिपल्ली के साथ फोटो शेयर करते हुए अपने खास अंदाज में लिखा, 'दिल, दिमाग, जिगर से अप्रैल से वामशी पेडिपल्ली और दिल राजू के साथ।' वहीं दूसरी ओर, प्रोडक्शन हाउस ने भी इस घोषणा की पुष्टि करते हुए सलमान को 'एक ऐसी हस्ती बताया, जिन्होंने दुनियाभर के दर्शकों को खुशी के अनगिनत पल दिए हैं। अब वे इस प्रोजेक्ट के लिए 'ब्लॉकबस्टर फिल्ममेकर' वामशी पैडिपल्ली के साथ हाथ मिला रहे हैं।

बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर होगी फिल्म

नेशनल अवॉर्ड जीत चुके डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली को साउथ सिनेमा का 'ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर' कहा जाता है। यह पहली बार है, जब वह बॉलीवुड के लिए फिल्म बना रहे हैं। बताया जाता है कि फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे भव्य पैमाने पर बनाया जा रहा है। इसमें हिंदी और दक्षिण भारतीय, दोनों फिल्म इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों को शामिल किया जाएगा। मेकर्स ने बयान जारी करते हुए कहा है, 'यह फिल्म सलमान खान को पर्दे पर एक ऐसे अवतार में पेश करेगी, जैसा उनके फैंस ने इससे पहले कभी नहीं देखा होगा। फिल्म की शूटिंग पूरे भारत में अलग-अलग लोकेशन पर होगी और इसकी शुरुआत 14 अप्रैल से मुंबई में बने एक भव्य सेट से होगी।'

सलमान की 'मातृभूमि' होगी पोस्टपोन

इस बीच सलमान खान की गलवान युद्ध पर बनी 'मातृभूमि' पोस्टपोन होने की भी चर्चा है। फिलहाल, इसकी रिलीज डेट 17 अप्रैल 2026 है, लेकिन अब खबर है कि यह स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 14 अगस्त या आसपास रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग अभी बची हुई है। 'इंडियन आइडल' फेम सिंगर-एक्टर प्रशांत तमांग की मौत के कारण इस वॉर-ड्रामा के कई सीन्स को फिर से शूट किया जा रहा है। बीते दिनों सलीम खान के अस्पताल में भर्ती होने की वजह से इसका आखिरी शेड्यूल प्रभावित हुआ है। वैसे भी अब, 17 अप्रैल को अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होगी। इससे भी साफ है कि अक्षय ने यह फैसला अपने दोस्त सलामन से बातचीत के बाद ही लिया होगा।

क्या वामिका गब्बी का टूट गया दिल? एक्ट्रेस ने की क्रिप्टिक पोस्ट

शनिवार को वामिका गब्बी ने अपने इंस्टग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। साथ ही एक क्रिप्टिक मैसेज भी साथ में शेयर किया है। अपनी तस्वीरों के साथ वामिका ने कैप्शन में रेड हार्ट और बैंडेज का इमोजी शेयर किया है। इस क्रिप्टिक पोस्ट को जब डिकोड किया जाता है तो पता चलता है कि ऐसे इमोजी हार्टब्रेक के लिए शेयर किए जाते हैं। तो क्या रियल लाइफ में वामिका गब्बी हार्टब्रेक से गुजर रही हैं। इस पोस्ट से तो यही अंदाजा लगाया जा सकता है। वामिका गब्बी की लव लाइफ की बात करें तो यह पूरी तरह से सीक्रेट है। उनका नाम अब तक किसी एक्टर के साथ भी नहीं जोड़ा गया है। वामिका इन दिनों अपने करियर पर पूरी तरह से फोकस कर रही हैं। 10 अप्रैल को वामिका गब्बी की फिल्म भूत बंगला रिलीज होगी। इसमें वह अक्षय कुमार के अपोजिट नजर आएंगी।

सत्य घटना पर आधारित होगा अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच आज अजय ने अपने नए प्रोजेक्ट का एलान सोशल मीडिया पर किया है। अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट सत्य घटना पर आधारित होगा। जिसकी रिलीज डेट से भी अजय ने पर्दा उठा दिया है। अजय ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस पोस्ट में अजय ने हाथ में एक फ्लॉपी डिस्क पकड़ रखी है, जिस पर लिखा है - 'हैप्पी बर्थडे जोशी।' इस प्रोजेक्ट का निर्माण अजय देवगन और दानिश देवगन मिलकर करेंगे। इसका निर्देशन अंशुल कुमार शर्मा करेंगे। हालांकि, यह जानकारी नहीं दी है कि यह एक फिल्म है या सीरीज। अजय ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने अगले प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए लिखा, 'हर किसी की एक सीमा होती है, उसकी तो पूरी दुनिया में फैल गई।' अजय ने यह भी बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट सच्ची घटनाओं से प्रेरित होगा। अजय के इस पोस्ट पर विंदू दारा सिंह ने लाल इमोजी बनाया है।

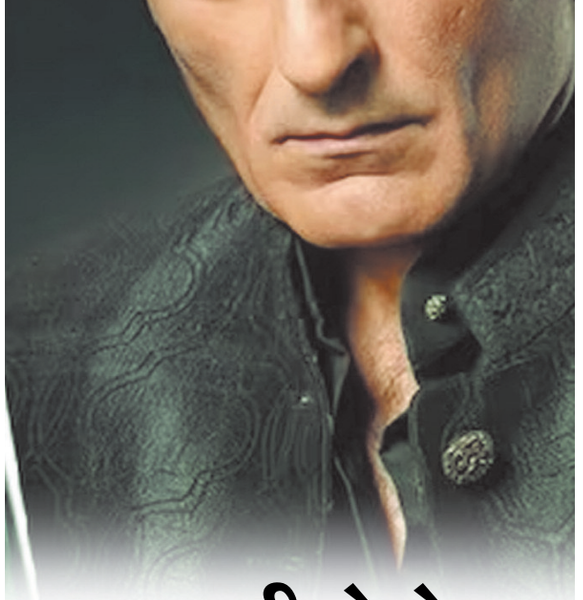

महाकाली से तेलुगु डेब्यू करेंगे अक्षय खन्ना

निभाएंगे शुक्राचार्य का रोल

अक्षय खन्ना इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उनकी फिल्म 'धुरंधर' में रहमान दकैत का किरदार लोगों को बहुत पसंद आया है। अब उनकी अगली फिल्म 'महाकाली' को लेकर भी फैंस में काफी उत्साह है।

'धुरंधर' में रहमान डकैत के किरदार से अक्षय खन्ना ने सभी का दिल जीत लिया। 'धुरंधर' के बाद अब वह साउथ फिल्म 'महाकाली' में नजर आएंगे । अक्षय खन्ना के जन्मदिन के मौके पर फिल्म निर्माता प्रशांत वर्मा ने 'महाकाली' फिल्म के सेट से एक खास तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में अक्षय खन्ना शुक्राचार्य के रूप में नजर आ रहे हैं। प्रशांत वर्मा ने अक्षय को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो अक्षय खन्ना सर। आप एक सच्चे अभिनेता हैं। आपने साबित कर दिया कि असली प्रतिभा को शोर-शराबे की जरूरत नहीं होती। आपकी सहज उपस्थिति और दमदार अभिनय हमेशा अलग दिखता है। आपके साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। जल्द ही हम दर्शकों को बताएंगे कि हमने साथ मिलकर क्या बनाया है।'

कब रिलीज होगी 'महाकाली'

अक्षय खन्ना फिल्म 'महाकाली' में हिंदू पौराणिक कथा के प्रसिद्ध असुर गुरु शुक्राचार्य का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुरु कर रही हैं। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें पहले 2024 में 'हनुमान' फिल्म आई थी। आगे 'जय हनुमान' और 'अधिरा' जैसी फिल्में भी आने वाली हैं। यह अक्षय खन्ना की तेलुगु सिनेमा में पहली फिल्म है। फिल्म में मुख्य भूमिका (महिला सुपरहीरो) भूमि शेट्टी निभा रही हैं। 'महाकाली' 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'इक्का' में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

अक्षय खन्ना सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा की फिल्म 'इक्का' में भी नजर आने वाले हैं। इसमें अक्षय मुख्य खलनायक की भूमिका करेंगे। फिल्म में सनी देओल, दीया मिर्जा, तिलोत्तमा सोम और संजीदा शेख भी हैं। यह फिल्म सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है

शिल्पा शिंदे की बेबाकी हम 'बिग बॉस' में देख चुके हैं। उनके लिए निर्णय लेना सिर्फ अधिकार नहीं, अपनी जगह, पहचान और गरिमा बनाने की प्रक्रिया है। वह मानती हैं कि हर 'न' लड़ाई नहीं होती और हर 'हां' झुकना नहीं। रिश्तों, काम और व्यक्तिगत स्पेस के बीच उन्होंने बार-बार साबित किया है कि असली ताकत टकराव में नहीं बल्कि सही समय पर सही बात कहने की ईमानदार हिम्मत में है। शिल्पा बताती हैं कि समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है।

अपने मुद्दों को सही से भी रखें

शिल्पा शिंदे ने कहा, 'मुझे लगता है कि डिसीजन मेकिंग स्पेस में अपनी खुद की जगह होना बहुत जरूरी है। अब भी बहुत सारे ऐसे घर हैं, जहां लोग बहुत पढ़े-लिखे हैं लेकिन फैसले लेने में महिलाओं को वह स्पेस नहीं दे पाते हैं। तुम चुप रहो, तुम्हें नहीं पता, या यह तुम्हारा काम नहीं है, बहुत सारी महिलाएं ये सब बर्दाश्त करती हैं। मैं यह नहीं कहूंगी कि हर बात पर बगावत करो लेकिन अपने मुद्दे को अच्छे तरीके से भी रखा जा सकता है। दरअसल, बहुत सी महिलाएं फिर बिल्कुल गलत तरीके से बगावत पर उतर आती हैं कि मेरा तो इस घर में जमता नहीं है, मेरा तो इस घर में कुछ हो ही नहीं सकता या मेरी तो कोई सुनता नहीं है। आप अपने मुद्दे को बहुत प्यार से भी रख सकते हो, थोड़ा अलग तरीके से भी रख सकते हो तो यह कोशिश करनी बहुत जरूरी है।'

स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव नहीं

रिश्तों और समाज की ज्यादातर उलझनें लोगों की सोच और व्यवहार के फर्क से पैदा होती हैं। आज कहा जाता है कि महिलाएं बहुत स्ट्रॉन्ग हो गई हैं इसलिए शादियां नहीं चल रहीं, जबकि स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव करना नहीं बल्कि जिम्मेदारियों और फैसलों को समझदारी से निभाना है। समाज चाहे जितना आगे बढ़ जाए, मां बनने के बाद महिला की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं और वहीं पति-पत्नी दोनों को मिलकर चलने की जरूरत होती है। यह साझेदारी जब नहीं बन पाती तो रिश्ते में असंतुलन आ जाता है। अंत में किसी भी रिश्ते का सार यही है संतुलन, समझ और समय पर शांत रहना।

रिश्तों में क्लैरिटी होना बहुत ज़रूरी

देखिए, मेरी नजर में महिलाओं की जिंदगी काफी बदल चुकी है। उन्होंने हर जगह, खासकर डिसीजन मेकिंग में अपने आप को प्रूव किया है। हालांकि, समस्या यह है कि हमारा समाज अब भी कुछ पुरानी धारणाओं पर अटका हुआ है। जैसे हम मेल ईगो बोलते हैं, लेकिन फीमेल ईगो शब्द सुनाई नहीं देता। यानी मान लिया गया है कि ईगो हमेशा पुरुष का ही होता है। अब यहां समझदारी की जरूरत है। अगर एक महिला समझ ले कि सामने वाले में मेल ईगो है तो उसे यह भी समझना होगा कि उसे उस स्थिति में कैसे रिएक्ट करना है। रिश्तों में क्लैरिटी बहुत जरूरी है। जब आप किसी से प्यार करते हैं या किसी परिवार का हिस्सा बनते हैं तो पहले से यह जानना जरूरी है कि सामने वाला कैसा है और कौन-सी बात उसे कहां तक स्वीकार है। हम सबके पास चॉइस हैं। अगर सामने वाला आपको नहीं समझ रहा तो आप समझिए, बातचीत कीजिए और चीजों को बेहतर करने की कोशिश कीजिए।

सामने वाले को समझिए

शिल्पा ने कहा, मेरी जिंदगी एक ऐसे लेवल पर पहुंच गई थी, जहां मुझे उसी वक्त उसी तरीके से फैसला लेना पड़ा। मैंने शो छोड़ा या कहें कि मैं शो से आउट थी लेकिन उस पल जो निर्णय था, वह बिल्कुल साफ था। मुझे पता है कि मैं सिर्फ इसी एक चीज के लिए पैदा नहीं हुई हूं इसलिए मैंने उस वक्त वो रास्ता नहीं चुना। आज जब मैं वापस हूं और पहले से ज्यादा सम्मान मिल रहा है तो इसका सबसे बड़ा कारण वही है, आप सामने वाले को समझिए कि उसे क्या चाहिए। मैं उस वक्त भी प्रोड्यूसर का पॉइंट समझ रही थी लेकिन बीच में किसी तीसरे ने आग लगाई थी। उन्होंने मेरे साथ चीजें डिस्कस ही नहीं कीं। अब हालात अलग हैं। आज मुझे पता है कि उन्हें कैसे संभालना है। उन्हें भी पता है कि मुझे कैसे ट्रीट करना है।

गलत नहीं हैं तो झुकना नहीं चाहिए

मुझे नहीं लगता कि मैंने कोई गलती की थी। हां, कुछ लोग बहुत डिप्लोमैटिक होते हैं लेकिन मैं जिस चीज को कर सकती हूं, उसे मैं गलती नहीं मानती। परिस्थितियां जैसी बनीं, वहीं रहकर उन्हें समझना जरूरी था। इसका मतलब यह नहीं कि आप झुककर रहें। अगर आप गलत नहीं हैं तो आपको झुकना नहीं चाहिए। गलत चीज को इतना बड़ा भी न बनाइए कि हर समय 'मेरे साथ गलत हुआ' ही लगता रहे। आप जब सच में गलत नहीं हैं, तब डरने की कोई वजह नहीं होती। मैं आज भी यहां इसलिए हूं क्योंकि मैंने कुछ गलत नहीं किया था।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक : अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिन्टिग प्रेस डी-85, न्यू अशोक नगर, नोएडा, गौतमबुद्धनगर यूपी से मुद्रित कराकर सी-148, साउथमोती बांग, पो0 चान्यक्यपुरी, नई दिल्ली-110021 से प्रकाशित किया।
RNI.No. : DELMUL/2012/47011 Email.timesofpedia@gmail.com